Web Portal
www.ghatatighatana.com
G.G. News

सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...

घटती घटना

RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020-2022

अम्बिकापुर, वर्ष 18,अंक - 259 शनिवार,23 जुलाई 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

संकल्प शक्ति से
तुम हथेली पर हिमालय भी
उठा सकते हो।
-स्वामी विवेकानंद-

संक्षिप्त समाचार

बुलंदशहर की तान्या सिंह 500 में से 500 अंक कर बनीं CBSE 12वीं बोर्ड की टॉपर, बेटियों ने फिर बेटों को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली/ बुलंदशहर, 22 जुलाई 2022। आज घोषित हुए CBSE 12वीं बोर्ड के परीक्षा परिणाम में बुलंदशहर के डीपीएस की तान्या सिंह ने टॉप किया है। तान्या ने 500 में से 500 अंक हासिल किए हैं। परीक्षा परिणाम जारी होते ही विद्यार्थी खुशी से झूम उठे। बेटियों ने एक बार फिर बाजी मारी है। इस साल कुल पास प्रतिशत 92.71 फीसदी रहा है। केंद्रीय विद्यालय के छात्रों का परिणाम 97.04 फीसदी रहा है।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, सीबीएसई ने कक्षा 12वीं के लिए सीबीएसई परिणाम 2022 जारी कर दिया है। सीबीएसई 12वीं का रिजल्ट 2022 अब results.cbse.nic.in और cbse.gov.in पर ऑनलाइन उपलब्ध है।

नोटों के किनारें क्यों बनी होती तिरछी लकीरें, कारण नहीं जानते होंगे आप वजह है बेहद ख़ास

नई दिल्ली, 22 जुलाई 2022। पैसा एक ऐसी चीज है जिसे हर कोई व्यक्ति पाना चाहता है. कई लोग चाहते हैं कि उनके पास ढेर सारा पैसा हो. लोग जिंदगी भर मेहनत करके धन इकट्ठा करते हैं.

आप और हम भी अपनी जरूरतों के लिए रोजाना पैसों का इस्तेमाल करते ही है. लेकिन भारतीय करेंसी में खासकर 100, 500 और 2000 नोटों में आपने एक चीज नोटिस नहीं किया होगा, वो है नोटों के किनारें बनी हुई तिरछी लकीरें. ऐसा नहीं है कि आपने इसे देखा नहीं होगा, कई बार बल्कि बार बार देखा होगा. लेकिन इन लकीरों का मतलब आप शायद ही जानते होंगे.तो चलिए आज इस आर्टिकल के माध्यम से हम आपकों को नोटों में बनी इन लकीरों का मतलब बताते है. अगर आपने सभी नोटों को बहुत ही ज्यादा गौर से देखा होगा तो आपने पाया होगा कि पांच रुपये से लेकर 2 हजार रुपये तक के नोटों में किनारे पर बनी लाइनें अलग-अलग होती हैं. यानी कि 2 रुपये की नोट में कम लाइन तो 2000 रुपये की नोट में ज्यादा लाइनें होती हैं. आपको बता दें कि नोट की वैल्यू के अनुसार ये लाइनें घटती-बढ़ती हैं. दरअसल इन लाइनों को 'ब्लीड मार्क्स' कहते हैं. यह ब्लीड मार्क्स खासतौर पर नेत्रहीन लोगों के लिए बनाए जाते हैं. जो लोग देख नहीं सकते, वो नोट को छूकर आसानी से पता कर सकते हैं।

अपना काम करता रहूंगा,जेल से निकलने के बाद मोहम्मद जुबैर का पहला बयान

नई दिल्ली, 22 जुलाई 2022।

तिहाड़ जेल से बाहर निकलने के एक दिन बाद फैक्ट चेकर मोहम्मद जुबैर ने कहा कि वह पहले की तरह काम करते रहेंगे। जुबैर को दिल्ली पुलिस ने 27 जून को ट्वीट के माध्यम से धार्मिक भावनाओं को आहत करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। उनके खिलाफ उत्तर प्रदेश में सात और एफआईआर दर्ज की गई हैं।

तिहाड़ जेल से जमानत पर बाहर आए मोहम्मद जुबैर ने अपनी पहली प्रतिक्रिया दी। कहा, ÷मैं अपना काम वैसे ही करूंगा जैसे मैं करता था क्योंकि माननीय अदालत ने कोई प्रतिबंध नहीं लगाया है।÷

बता दें कि गुरुवार को मोहम्मद जुबैर की रिहाई का आदेश देते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने कहा था, ÷यह कानून का एक निर्धारित सिद्धांत है कि गिरफ्तारी की शक्ति का संयम से पालन किया जाना चाहिए। वर्तमान मामले में उसे निरंतर हिरासत में रखने और विभिन्न न्यायलयों में कार्यवाही के अंतहीन दौर के अधीन रखने का कोई औचित्य नहीं है।

शीर्ष अदालत ने मोहम्मद जुबैर के खिलाफ यूपी में विशेष जांच को भंग कर दिया और यूपी के सभी मामलों को दिल्ली स्थानांतरित कर दिया। पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार के अनुरोध को भी खारिज कर दिया कि मोहम्मद जुबैर को ÷ट्वीट करने से रोका जाए।

हीरा कारोबारी नीरव मोदी पर बड़ा ऐक्शन

हॉंगकॉंग में ईडी ने जब्त की 253 करोड़ की संपत्ति

नई दिल्ली, 22 जुलाई 2022। बैंकों से धोखाधड़ी कर भागे हीरा कारोबारी नीरव मोदी के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय ने बड़ा ऐक्शन लिया है। एजेंसी ने हॉंगकॉंग में नीरव मोदी की 253.62 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है। इस पंत्ति में हीरे, ज्वेलरी और बैंक में जमा रकम शामिल हैं। एजेंसी का कहना है कि अब तक नीरव मोदी की ओर से धोखाधड़ी के मामले में 2650.07 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की जा चुकी है। फिलहाल पंजाब नेशनल बैंक समेत कई वित्तीय संस्थाओं के साथ धोखाधड़ी करने वाला नीरव मोदी ब्रिटेन में रह रहा है। उसके प्रत्यर्पण के लिए भी सरकार की ओर से प्रयास किए गए हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस सफलता नहीं मिल सकी है।

जून के आखिरी सप्ताह में ही उनके प्रत्यर्पण के मामले में एक और आपत्ति दायर की है। इस मामले में अब अदालत ने अक्टूबर में सुनवाई का फैसला लिया है। इससे साफ है कि नीरव मोदी का प्रत्यर्पण का मामला और जटिल हो गया है। नीरव मोदी के वकील ने अदालत में कहा कि यदि उसका प्रत्यर्पण किया जाता है तो वह आत्महत्या कर सकते हैं। ऐसे में उनका प्रत्यर्पण करना गलत होगा।

राष्ट्रपति चुनाव की सबसे बड़ी लूजर रही कांग्रेस, असम से गुजरात तक जमकर क्रॉस वोटिंग

नई दिल्ली, 22 जुलाई 2022। राष्ट्रपति चुनाव में भले ही विपक्ष के उम्मीदवार को इस बार सबसे ज्यादा वोट मिले हैं, लेकिन उसकी एकजुटता में जमकर सेंध लगी है। आलम यह है कि असम से लेकर गुजरात तक जमकर क्रॉस वोटिंग हुई है। इसमें भी सबसे बड़ी लूजर कांग्रेस रही है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शुक्रवार को दावा किया विपक्ष के 22 विधायकों ने द्रौपदी मुर्मू के पक्ष में वोट डाला है। इनमें 15-16 विधायक कांग्रेस के हैं। सरमा का कहना है कि इन सभी ने अपनी पार्टी लाइन से हटकर सत्ता पक्ष के उम्मीदवार को वोट दिया है। वहीं गुजरात में 7, गोआ में 3 और राजस्थान में 2 कांग्रेस विधायकों के क्रॉस वोटिंग का दावा है।

असम का ऐसा रहा हाल

राष्ट्रपति चुनाव में असम के 126 में से 124 विधायकों ने वोट डाले हैं। वहीं एआईयूडीएफ के दो विधायक देश से बाहर थे। असम विधानसभा में एनडीए के 79 विधायक हैं, वहीं मुर्मू को यहां कुल 104 वोट मिले हैं। वहीं संयुक्त विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा को मात्र 20 वोट हासिल हुए हैं, जबकि विधानसभा में विपक्ष के 44 सदस्य हैं। सरमा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि द्रौपदी मुर्मू को जो अतिरिक्त 22 वोट मिले हैं, उनमें 15 से 16 कांग्रेस विधायकों के हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति चुनाव में विधायक और सांसद पार्टी लाइन नहीं, बल्कि अपनी अंतरात्मा के आधार पर वोट करते हैं।

झारखंड में भी नहीं चला दांव

वहीं झारखंड की बात करें तो यहां पर द्रौपदी मुर्मू को कुल 70 वोट मिले हैं। कुल 81 सदस्यों वाली झारखंड विधानसभा में विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा को महज 9 वोट मिले हैं। यहां पर कुल 80 विधायकों ने राष्ट्रपति चुनाव की वोटिंग प्रक्रिया में हिस्सा लिया था।

एनसीपी नेता प्रफुल्ल पटेल पर ईडी की बड़ी कार्रवाई, मनी लॉन्ड्रिंग मामले में चार मंजिला इमारत जब्त

मुंबई ,21 जुलाई 2022। केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एनसीपी नेता और सांसद प्रफुल्ल पटेल पर गुरुवार को कार्रवाई की। ईडी ने मुंबई के वर्ली स्थित चार मंजिला सीजे हाउस बिल्डिंग की संपत्ति जब्त की है। जांच एजेंसी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में यह कार्रवाई की है। प्रवर्तन निदेशालय ने गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम के करीबी सहयोगी इकबाल मिर्ची से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में संपत्ति में जब्त की है। बता दें कि प्रफुल्ल पटेल और उनके परिवार के स्वामित्व वाली एक फर्म ने सीजे हाउस को विकसित किया था, जहां मिर्ची के पास कुछ संपत्तियां भी थीं।

दो मंजिलों को पहले कुर्क किया था

इकबाल मिर्ची के परिवार को दी गई सीजे हाउस की दो मंजिलों को पहले वित्तीय जांच एजेंसी ने कुर्क किया था। प्रफुल्ल पटेल से अक्टूबर 2019 में इस मामले में 12 घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की गई थी। डीएचएफएल के प्रमोट कपिल और धीरज वधावन को गिरफ्तार कर लिया गया था। धीरज वधावन को बाद में जमानत दे दी गई।

इकबाल मिर्ची की पत्नी और बेटों को पीएमएलए अदालत ने भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया है क्योंकि वे मामले में पेश होने में विफल रहे। ईडी ने दुबई और यूके में मिर्ची की संपत्तियों को भी कुर्क किया है।

सरकार ने विज्ञापन में खर्च किए 911.17 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 22 जुलाई 2022। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने केंद्र सरकार के छपे विज्ञापनों में खर्च हुए रकम की जानकारी दी है. अनुराग ठाकुर ने गुरुवार को राज्यसभा को बताया कि सरकार ने पिछले तीन वर्षों में समाचार पत्रों, टेलिविजन चैनलों और वेब पोर्टलों में विज्ञापनों पर 911.17 करोड़ रुपये खर्च किए हैं.

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह भी बताया कि वित्तीय वर्ष 2019-20 से जून 2022 तक विज्ञापनों का भुगतान केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा किया गया था. ठाकुर ने कहा कि सरकार ने 2019-20 में 5,326 अखबारों में विज्ञापनों पर 295.05 करोड़ रुपये, 2020-21 में 5,210 अखबारों में विज्ञापनों पर 197.49 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं.

इसके साथ ही अनुराग ठाकुर ने कहा कि 2021-22 में 6,224 अखबारों में विज्ञापनों पर 179.04 करोड़ रुपये और जून 2022-23 में खर्च किए. अब तक 1,529 अखबारों में विज्ञापनों पर 19.25 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं.

इसी अवधि के दौरान, सरकार ने 2019-20 में 270 टेलीविजन (टीवी) चैनलों में विज्ञापनों पर 98.69 करोड़ रुपये, 2020-21 में 318 टीवी चैनलों में विज्ञापनों पर 69.81 करोड़ रुपये, 2021-22 में 265 समाचार चैनलों में विज्ञापनों पर 29.3 करोड़ रुपये और 2022-23 में जून तक 99 टीवी चैनलों में विज्ञापनों पर 1.96 करोड़ रुपये खर्च किए.

मंत्री ने कांग्रेस सदस्य दिग्विजय सिंह के एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि वेब पोर्टलों पर विज्ञापनों पर सरकार का खर्च 2019-20 में 54 वेबसाइटों पर 9.35 करोड़ रुपये, 2020-21, 2021 में 72 वेबसाइटों पर विज्ञापनों पर 7.43 करोड़ रुपये था. 18 वेबसाइटों में विज्ञापनों पर 1.83 करोड़ रुपये और 2022-23 में जून तक 30 वेबसाइटों पर 1.97 करोड़ रुपये.

13 से 15 अगस्त तक फहराएं राष्ट्रध्वज, पीएम मोदी की 'हर घर तिरंगा' मुहिम को मजबूत करने की अपील

नई दिल्ली 22 जुलाई 2022। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से अगले महीने 13 अगस्त से 15 अगस्त के बीच अपने-अपने घरों में राष्ट्रध्वज फहराकर 'हर घर तिरंगा' मुहिम को मजबूत करने की शुक्रवार को अपील की। पीएम मोदी ने ट्वीट के जरिए कहा कि यह मुहिम तिरंगे के साथ हमारे जुड़ाव को गहरा करेगी। साथ ही उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि 22 जुलाई, 1947 को ही तिरंगे को राष्ट्रध्वज के रूप में अपनाया गया था। प्रधानमंत्री मोदी ने आज शुक्रवार अपने ट्वीट में कहा, हम आज उन सभी लोगों के साहस और प्रयासों को याद करते हैं, जिन्होंने उस समय स्वतंत्र भारत के लिए एक ध्वज का स्वप्न देखा था, जब हम औपनिवेशिक शासन के खिलाफ लड़ रहे थे। हम उनके सपने को पूरा करने और उनके सपनों के भारत का निर्माण करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हैं।

पावन स्मरण

छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के स्वप्नदृष्टा, मेहनतकश मजदूरों के मसीहा
बांगो बांध की परिकल्पना करने वाले जननायक

स्व. बिसाहू दास महंत

(1 अप्रैल 1924 - 23 जुलाई 1978)

को उनकी पुण्यतिथि पर

शत्-शत् नमन

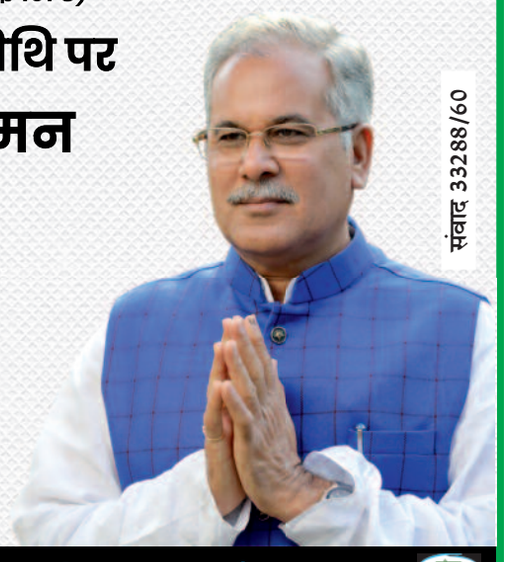

"कमजोर तबकों और पिछड़े क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा में लाने के लिए स्व. महंत की सोच को साकार कर रही है छत्तीसगढ़ सरकार"

भूपेश बघेल मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

संवाद 33288/60

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh

पाबंदियों पर रोक

दो साल बाद बिना किसी प्रतिबंध के मनाए जाएंगे त्योहार, गणेशोत्सव के लिए मूर्तियों की ऊंचाई की सीमा भी खत्म

नई दिल्ली, 22 जुलाई 2022। राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए घोषणा की है कि इस साल गणेशोत्सव, जन्माष्टमी और मुहर्रम जैसे त्योहार बिना किसी कोविड-19 प्रतिबंध के मनाए जाएंगे. राज्य का सबसे बड़ा 10 दिवसीय सार्वजनिक उत्सव गणेशोत्सव 31 अगस्त से 9 सितंबर तक मनाया जाएगा, जबकि जन्माष्टमी का उत्सव 18-19 अगस्त को और मुहर्रम 9 अगस्त को मनाया जाएगा.

राज्य शासन ने सरकारी विभागों, नगर निकायों, विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों, पुलिस और अन्य निकायों के साथ बैठक के बाद बहुप्रतीक्षित घोषणाएं कीं. जिसमें बिना किसी प्रतिबंध के उत्सव मनाए जाने की घोषणा भी शामिल है. हालांकि इसे सुप्रीम कोर्ट और बॉम्बे हाईकोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए मनाया जाएगा.

मूर्ति की ऊंचाई की सीमा भी हटाई

दरअसल, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उप-मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आज हुई बैठक में ये निर्णय लिया है. सीएम शिंदे ने कहा कि कोविड -19 प्रतिबंध हटा दिए गए हैं, साथ ही भगवान गणेश की मूर्तियों की ऊंचाई की सीमा भी हटा दी गई है. सरकार ने संबंधित निकायों को सिंगल-विंडो प्रारूप में ऑनलाइन अनुमोदन प्रदान करने, पंजीकरण शुल्क माफ करने और गणेशोत्सव संगठनों से गारंटी पत्र देने का निर्देश दिया है.

पीओपी की मूर्ति के उपयोग से बचने निकालेंगे समाधान

सरकार पीओपी के पर्यावरणीय खतरों को देखते हुए प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) द्वारा बनाई गई मूर्तियों को बदलने के लिए एक समाधान विकसित करने में मदद करने के लिए विभिन्न संगठनों के विशेषज्ञों की एक समिति भी बनाएगी. सीएम ने कहा कि पिछले दो वर्षों से हम कोरोनावायरस के खतरे में थे और त्योहारों को उत्साह के साथ नहीं मना पा रहे थे. इस वर्ष, गणेशोत्सव और जन्माष्टमी पूरे उत्साह के साथ मनाई जाएंगी।

संपादकीय

उबरःअसली राज!

अक्सर कारोबारी कामयाबियों का एक अंधकारमय पक्ष होता है। यही बात अब ऐप के जरिए कारोबार चलाने वाली कंपनी उबर के बारे में सामने आई है।

जब कोई नई कंपनी सफल होती है, तो उसका काफी महिमामंडन होता है। उसकी आविष्कारक और जोखिम उठाने भावना की तारीफ में बड़ी बातें कही जाती हैं। लेकिन अक्सर सामने यह आता है कि कारोबारी कामयाबियों के पीछे सिर्फ ऐसी भावनाएं नहीं होतीं। बल्कि हर सफलता का एक अंधकारमय पक्ष होता है। यही बात अब ऐप के जरिए कारोबार चलाने वाली कंपनी उबर के बारे में सामने आई है। ब्रिटिश अखबार द गार्डियन को एक लाख 24 हजार से ज्यादा दस्तावेज हाथ लगे। इन लीक ईमेल रिकॉर्ड्स से पता चलता है कि यह कंपनी कैसे 44 अरब डॉलर की कंपनी बन गई और आज 72 देशों में कारोबार कर रही है। रिपोर्ट का दावा कि उबर ने खुलेआम नियमों का उल्लंघन किया और अधिकारियों को लाभ पहुंचा कर उनसे खुद लाभ हासिल किया। ये ईमेल 2013 से 2017 के बीच के हैं, जब ट्रैविस कैलनिक कंपनी के सर्वेसर्वा थे। 2013 में ही उबर ने भारत में अपनी सेवाएं शुरू की थीं और जल्द ही भारत उसके लिए सबसे तेजी से बढ़ता बाजार बन गया। आज भारत में लगभग छह लाख लोग उबर के लए कैब चला रहे हैं।

भारत के बारे में कंपनी की रणनीति अगस्त 2014 में तत्कालीन एशिया प्रमुख एलन पेन की तरफ से भारतीय टीम को भेजे गए एक ईमेल उजागर हुई है। उबर को भारत में लगभग सभी नियामकों के साथ खासा संघर्ष करना पड़ा था। यही कहानी दुनिया भर में रही। इन संघर्षों का मुकाबला करने के क्रम में उबर ने उचित-अनुचित का ख्याल नहीं किया। वह कई देशों के अति-महत्वपूर्ण लोगों को अपने पाले में लाने में सफल रही। उनमें फ्रांस के राष्टपति इमानुएल मैक्रों और यूरोपीय संघ के पूर्व आयुक्त नीली क्रोएस भी शामिल हैं। फ्रांसीसी टैक्सी ड्राइवरों ने उबर के खिलाफ देश में कई बार प्रदर्शन किए थे. जिनमें अक्सर हिंसा हुई। अब सामने आया है कि उबर ने अपने ड्राइवरों को इस हिंसा में भाग लेने के लिए उकसाया था। मैक्रों जब आर्थिक मामलों के मंत्री थे, तब उन्होंने के पक्ष में कानूनों में बदलाव किया। उबर अधिकारियों की उन तक सीधी पहुंच थी। इन विवरणों से साफ होता है कि उबर अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए कंपनी किस हद तक गई।

द्रौपदी मुरमू का मयूर गंज से राष्ट्रपति भवन तक का सफर

जयश्री बिरमी
अहमदाबाद गुजरात

यशवंत सिन्हा का एक टीवी चैनल पर साक्षात्कार सुना था जिसमें उन्हों ने द्रौपदी मुरमू को एक कठपुतली उम्मीदवार कहने से जरा भी परहेज नहीं था।उन्हे ये बोलते हुए उन्हें ये भी नहीं याद आया कि वे एक महिला के बारे में बोल रहें थे।वे खुद तीन उम्मीदवारों की ठुकराई हुई जगह पर अभियुक्त थे ये शायद भूल गए थे।बहुत बड़ी बड़ी बातें बोलने वाले यशवंत सिन्हा खुद बीजेपी में वित्तमंत्री और विदेश मंत्री भी रह चुके हैं। संभाल चुके हैं उसी पार्टी के बारे में जो बातें हो रही थी जिस के लिए कभी उन्होंने काम किया था।2019 में उन्होंने बीजेपी छोड़ दी और अब टीएमसी में हैं।शरद पवार ने भी हार के डर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी से मना कर दिया।उसके बाद फारुख अब्दुल्ला ,फिर गांधीजी के पोते गोपालकृष्ण गांधी ने उम्मीदवारी से मना कर दिया।इन हालातों में हर ने वाले घोड़े पर कोई दांव नही लगाना चाहता हैं।कोई भी इज्जतदार व्यक्ति इन हालातों ने हार का सेहरा पहनने को तैयार नहीं हैं।यशवंत सिन्हा के लिए जीत से ज्यादा उमेदावारी मिलना ही बहुत हो जायेगा।लगभग 48 प्रतिशत मत बीजेपी के पास हैं और 2प्रतिशत कोई सहयोगी दल वाले दे ही देंगे तो इन हालात में बीजेपी का जितना जैसे तय ही हैं।इसी वजह से सभी ने उम्र के अंतिम पड़ाव में हर का सामना करने से कतराते हैं।

एक तो वे शिक्षिका हैं,दूसरे वह महिला हैं और तीसरे एक आदिवासी हैं जिस से बीजेडी का सपोर्ट मिलना तय हैं।

बहुत ही सामान्य परिस्थितियों से उपर उठी हुई द्रौपदी 1979 भुवनेश्वर की रामादेवी कॉलेज से स्नातक की उपाधि ली थी,और उड़ीसा सरकार के सिंचाई विभाग में क्लर्क की नौकरी करली लेकिन बाद में शिक्षिका और फिर असिस्टेंट प्रोफेसर बन बच्चों को पढ़ाने लगी।उसके बाद 1997 में वार्ड पार्षद का चुनाव लड़ी और जीत भी गई।इसके बाद राजनैतिक चुनौतियों को सर करती गई और दो बार उड़ीसा से विधायक बनी और 2004 तक उड़ीसा सरकार में राज्य मंत्री रही फिर 2015 झारखंड की राज्यपाल बनी तब राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को मिलने आई द्रौपदी मुरमू ने सोचा भी नहीं होगा कि एक दिन वह खुद राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार होगी।

वह कोमल स्वभाव की होने के साथ साथ एक सिद्धांतों वाली कड़क नेता भी मानी जाती थी।जब जारखंड में बीजेपी की सरकार ने कुछ कानूनों को संसद में पारित भी करवा लिएं लेकिन वे कानून आदिवासी समुदायों से जुड़े हुए थे जिसमे कुछ संशोधन किया गया था लेकिन आदिवासियों के हित में नहीं होने की वजह से दस्तखत नहीं कर वापस भेज दिए थे।ऐसे ही जारखण्ड के एक दूसरे संशोधित कानून पर भी दस्तखत नहीं करके वापस भेज चुकी हैं।

ओडिसा के मयूर भंज जिले में 1958 में 20 जून के दिन हुआ था।मध्यम वर्गीय इलाके में 600 गज़ के मकान में रहने वाली द्रौपदी मुरमू राष्ट्रपति चुनाव में जीत गई अब वह राष्ट्रपति भवन में रहेंगी जो 330 एकर में फैला हुआ हैं जिसमें 340 कमरे हैं और बगीचा 190 एकड़ में फैला हुआ हैं और 700 से ज्यादा कर्मचारी काम कर रहें हैं। उनका चयन हो ही गया अब वह प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की तरह ही आजाद भारत में जन्मी पहली राष्ट्रपति बनी।अपने राजनैतिक जीवन में सफल होते हुए भी उन्हे पारिवारिक जीवन कष्टमय बन गया था।चार सालों के दरम्यान ही उन्होंने दो बेटे,पति और अपनी मां को खो दिया था।इतने हादसों की वजह से मानसिक आघात लगने से डिप्रेशन में चली गई थी लेकिन एक योद्धा की तरह ध्यान और योग की मदद से उन विपदाओं से बाहर आ गई।और हालातों से हरने के बजाय हालातों को हरा दिया था।

वैसे देखें तो ज़िंदगी की चुनौतियों पर बार-बार बिखरी एक नारीजो हर ज़ख्म के साथ निखरी थी।

महिला सशक्तिकरण की एक जिंदा मिसाल कहें तो वह हैं द्रौपदी मुरमू।

जहाँ एक तरफ़ आज भी महिलाओं को कमजोर कहा जाना वाजिब हैं ये भी प्रश्न हैं। आज वैसे ही महिलाएं अपनी बुद्धिमत्ता और आत्मविश्वास के साथ अपना लोहा मनवा रही है। देश के लिए सचमुच गर्व की बात है एक महिला जो पिछड़े समाज का हिस्सा रही वह अपने आत्मविश्वास और अपने दम पर आज खुद को राष्टपति के पद के लिए प्रस्थापित कीं। अपनी जिंदगी में कई उतार-चढ़ाव से गुज़री द्रौपदी मुरमू,भारत के सर्वोच्च संवैधानिक पद की हकदार बन चुकी है।झारखंड राज्य की पहली महिला राज्यपाल बनने का सौभाग्य भी उन्ही को मिला हैं। और राष्टपति पद भी मिल गया है पहली बार ऐसा हुआ कि कोई आदिवासी महिला भारत देश की दूसरी राष्ट्रपति बनीं और भारत की दूसरी महिला राष्टपति द्रोपदी मुरमू बनीं।

जैसे संथाल समाज में पढ़ना भी मुश्किल था लेकिन परिवार के लिए रोटी कमाना भी जरूरी थी।

द्रौपदी जी बिना वेतन के शिक्षिका के तौर पर काम कर रही थी, उनको जब ये लगा कि पढ़ने-लिखने के बाद आदिवासी महिलाएं उनसे थोड़ा दूर हो गई हैं तो वो खुद सबके घर जा कर 'खाने को दे' कह के बैठने लगीं। जिसने अपने पति और दो बेटों की मौत के दर्द को झेला और बेटे के मौत के बाद तो ऐसे डिप्रेशन में गईं कि लोग कहने लगे कि अब ये नहीं बच पाएंगी पर इन सारी परिस्थितियों से उभरकर वो अब भारत की 'राष्टपति' बन गई हैं।

महिलाएं को तो इससे बहुत दूर रहना चाहिए, उसी गाँव की महिला अब भारत की 'राष्टपति' पद के लिए चुनी गई है। लड़कियों को पढ़ाई के लिए प्रेरणा देकर उन्हें आगे बढ़ने के समझाया।समाजसेवा भी करती रही हैं वह।औरतों को भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती रही हैं।जिस माहौल से वह आती थी वहां राजनीति में जाना ठीक नहीं माना जाता था।आदमियों के साथ मिल कर काम करना सामाजिक तरीकों से स्वीकार्य नहीं था। उनके विद्यार्थियों को इतनी लगन से पढ़ती थी कि सब बिना कोचिंग के बहुत अच्छे परिणाम लाया करते थे।

2009 में चुनाव हारने के बाद अपनी असफलता की जड़ को तलाशने फिर से गाँव में जा कर रहने लगी और जब वापस लौटी तो अपनी आँखों को दान करने की घोषणा की। एक सरल व्यक्तित्व की धनी द्रौपदी मुरमू एक राजनेता होने के बावजूद भी ज्यादा संपत्ति की मालकिन नहीं है। उनके पास मात्र मुश्किल से बुरी परिस्थियों में अपने घर को सँभालने लायक संपत्ति है।

द्रोपदी मुरमू को साल 2007 में नीलकंठ पुरस्कार सर्वश्रेष्ठ विधायक के रूप में प्राप्त हुआ है, यह पुरस्कार उड़ीसा विधानसभा के द्वारा दिया गया था।

जैसे ही द्रौपदी मुरमू को राष्टपति पद की उम्मीदवार घोषित होते ही गंदे आक्षेप लगाना शुरू हो गया हैं।वह शुरू यशवंत सिन्हा से हुआ फिर एक के बाद एक नेताओं का कुछ न कुछ अनर्गल बातें बोलना शुरू हो गया हैं।सियासत चमकाने के लिए महिला कहें,एक आदिवासी जाति का भी अपमान करना कहां तक वाजिब हैं?

तेजस्वी यादव ने भी उनको मूर्ति कह दिया,क्या वजह हैं इन शब्दों का? ये जानना जरूरी हो जाता हैं,क्या ये सत्ता नहीं पा सकने की जुंजलाहट हैं या शासित पक्ष के विरोध में कुछ भी बोल कर शांत पानी में कंकर डाल उसे आंदोलित कर के चर्चा के दल दल और आरोप प्रत्यारोप करके कीचड़ उछालने के अलावा राजनीति कुछ भी नहीं रह गई हैं।

8 सांसद कुछ कारणों की वजह से वोट नही दे पायें हैं।16वें राष्टपति चुनाव के लिए सोमवार को मतदान हुआ। इसमें 99 प्रतिशत से अधिक सांसदों और विधायकों ने वोट डाला। चुनाव में भाजपा की अगुआई वाले एनडीए के तरफ से द्रौपदी मुर्मू और विपक्ष की ओर से यशवंत सिन्हा प्रत्याशी थे

मुर्मू के पक्ष में विपक्ष के कई विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की। समाजवादी पार्टी, एनसीपी, कांग्रेस जैसे दलों के विधायकों ने मुर्मू को वोट कर दिया। कई विधायकों ने खुलकर इसे जाहिर भी किया।हर राजकीय दल की सौदेबाजी का रूप जहीर हो गया जब विपक्ष के कई नेताओं ने खुलकर बीजेपी प्रतियोगी को समर्थन दे कर जाहिर कर दिए हैं।ये 24 के चुनावों का आगाज हो समझ लें,विपक्ष में कोई एक दूसरे का साथ नहीं हैं ये साफ दिख रहा हैं।ममता ने तो यशवंत सिन्हा को बंगाल में प्रचार करने आने के लिए मना ही कर दिया था। ममता ने अपने आदिवासी मतों को बचाने के लिए किया था।तभी ही यशवंत सिन्हा को अपना राष्ट्रपति पद के दावे को वापस ले अपनी साख बचा लेनी चाहिए थी तो शायद इतने मतों से पीछे नहीं रह जाते।17 सांसदों का क्रॉस वोटिंग होने से भी यशवंत सिन्हा को नुकसान हुआ हैं।104 विधायकों और 17 सांसदों का समर्थ मिला हैं द्रौपदी मुरमू को ,उनकी वोटिंग वैल्यू 105299 हुई मतलब कि 10 राज्यों में से 809 मत मिले हैं। दूसरे राउंड में 1349 और यशवंत सिन्हा को 537 मत मिले थे। और तीसरे राउंड में जब द्रौपदी मुरमू 5,43,216 मत पा कर वैल्यू मतों से आगे निकल गई ।जाहिर परिणाम मैजिकल मतों से जीती हैं मुरमू को बधाई दे यशवंत सिन्हा ने बधाई भी दी।और द्रौपदी मुरमू राष्ट्रपति चुनाव में विजेता बन ही गई जो एक मत से पूरे देश के राजकीय दलों का अभिप्राय था। विपक्षों ने भी मुरमू की जीत की ही भविष्यवाणी की थी।बहुत बहुत बधाई हो आदिवासी महिला को जिसने देश के सर्वोच्च नागरिक पद पाने के लिए।

सब ही नेताओं ने उन्हें बधाई देने में यशवंत सिन्हा के अलावा,शरद पवार,ममता बैनर्जी ने भी उनके कार्यकाल में सफल प्राप्ति की शुभ कामनाएं दी। बाकि भी कई नेताओं ने शुभ कामनाओं की जड़ी लगा दी थी।

बहुत ही रंगारंग कार्यक्रम से उनकी जीत का जश्न मनाया जा रहा था।कई जगहों पर रोड शो का आयोजन किया जा रहा हैं।

आगे महीना सावन

डोमेन्द्र नेताम (डोमू)
बालोद (छ.ग.)

झिमिर-झिमिर पानी गिरे,लागे मौसम मन भावन ।
भोले नाथ के जय बोलों ,आगे पावन महीना सावन ।।
देवता मन के देव तोला कईथे , हे शिव भोले भंडारी ।
पान फूल म ते खुश हो जाथस ,पुजा करे नर - नारी ।।
कतिक करव बखान तोर मेहां, महिमा हे बड़ भारी ।
जय होवय जय होवय तोर हे ,नाथ डमरू त्रिशुल धारी।।
मन मयूर मोर झूमे नाचे ,संगी करमा ददरिया गावन ।
परसी म बैइठ के बबा मन,पढ़े गीता अऊ रामायन ।।
गली खोर अब चिखला परगें ,होगे नाली हर रेंगावन ।
सरर-सरर चले पुरवय्या ,आगे पावन महीना सावन ।।
अमरय्या म झूलना बंधागें ,झूले बर लईका मन सब जावन ।
कारी कोयली बन म कुहुके,पिरोहिल के मधुरस बोली लागे पावन ।।

आजमाइश-2

राजीव डोगरा
कांगड़ा हिमाचल प्रदेश

नफरत की नहीं मोहब्बत की
आजमाइश करो।
परायों की नहीं अपनों की
आजमाइश करो।
बुराई की नहीं अच्छाई का ढोंग
करने वालों की आजमाइश करो।
दिल दुखाने वालों की नहीं
दिल लगाने वालों की
आजमाइश करो।
मरने वालों की नहीं
जीने वालों की
आजमाइश करो।
कड़वी जुबान की नहीं
शहद से मीठे होठों की
आजमाइश करो।

राज ए दिल

पारुल राज,
नई दिल्ली

वो पूछते है
राज़ ए दिल,
मगर सब बताऊ कैसे!
छिल गया है दिल
बताऊ कैसे,
एक पीर है हिया में,
जताऊ कैसे!
वो आये कल,
सपने मे एक
भरम की तरह!
ये सबको बताऊ कैसे,
इस मासूम से चेहरे
और ! इन मुस्कुराती
आंखों का असल भाव
और सार,जताऊ कैसे!

असंसदीय शब्दःफिजूल की बहस

संसद के भाषणों में कौन-से शब्दों का इस्तेमाल सांसद लोग कर सकते हैं और कौन-से का नहीं, यह बहस ही अपने आप में फिजूल है। आपत्तिजनक शब्द कौन-कौन से हो सकते हैं, उनकी सूची 1954 से अब तक कई बार लोकसभा सचिवालय प्रकाशित करता रहा है। इस बार जो सूची छपी है, उसे लेकर कांग्रेस के नेता आरोप लगा रहे हैं कि इस सूची में ऐसे शब्दों की भरमार है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के लिए विपक्षी सांसदों द्वारा इस्तेमाल किए जाते हैं। जैसे जुमलाजीवी, अहंकारी, तानाशाही आदि।

दूसरे शब्दों में संसद तो पूरे भारत की है लेकिन अब उसे भाजपा और मोदी की निजी संस्था का रूप दिया जा रहा है। विरोधी नेताओं का यह आरोप मोटे तौर पर सही-सा लगता है लेकिन वह अतिरंजित है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने साफ़-साफ़ कहा है कि संसद में बोले जाने वाले किसी भी शब्द पर प्रतिबंध नहीं है। सभी शब्द बोले जा सकते हैं लेकिन अध्यक्ष जिन शब्दों और वाक्यों को आपत्तिजनक समझेंगे, उन्हें वे कार्रवाई से हटवा देंगे। यदि ऐसा है तो इन शब्दों की सूची जारी करने की कोई तुक नहीं है, क्योंकि हर शब्द का अर्थ उसके आगे-पीछे के संदर्भ के साथ ही स्पष्ट होता है।

इस मामले में अध्यक्ष का फैसला ही अंतिम होता है। कोई शब्द अपमानजनक या आपत्तिजनक है या नहीं, इसका फैसला न तो कोई कमेटी करती है और न ही यह मतदान से तय होता है। कई शब्दों के एक नहीं, अनेक अर्थ होते हैं। 17 वीं सदी के महाकवि भूषण की कविताओं में ऐसे अनेकार्थक शब्दों का प्रयोग देखने लायक है। भाषण देते समय वक्ता की मन्शा क्या है, इस पर निर्भर करता है कि उस शब्द का अर्थ क्या लगाया जाना चाहिए। इसी बात को अध्यक्ष ओम बिड़ला ने दोहराया है।

ऐसी स्थिति में रोज़ाना प्रयोग होनेवाले सैकड़ों शब्दों को आपत्तिजनक की श्रेणी में डाल देना कहां तक उचित है? जैसे जुमलाजीवी, बालबुद्धि, शकुनि, जयचंद, चांडाल चौकड़ी, पिट्ठू, उचक्का, गुल खिलाए, दलाल, सांड, अंट-संट, तलवे चाटना आदि! यदि संसदीय सचिवालय द्वारा प्रचारित इन तथाकथित 'आपत्तिजनक' शब्दों का प्रयोग न किया जाए तो संसद में कोई भी भाषण पूरा नहीं हो सकता।

इसीलिए इतने सारे शब्दों की सूची जारी करना निरर्थक है। हां, सारे सांसदों से यह कहा जा सकता है कि वे अपने भाषणों में मर्यादा और शिष्टता बनाए रखें। किसी के विरुद्ध गाली-गलौज, अपमानजनक और अश्लील शब्दों का प्रयोग न करें। जिन शब्दों को 'असंसदीय' घोषित किया गया है, उनका प्रयोग हमारे दैनंदिन कथनोपकथन, अखबारों और टीवी चैनलों तथा साहित्यिक लेखों में बराबर होता रहता है।

यदि ऐसा होता है तो क्या यह संसदीय मर्यादा का उल्लंघन नहीं माना जाएगा? इस तरह की सूची प्रकाशित करके क्या संसद अपनी प्रतिष्ठा को हास्यास्पद नहीं बना रही है? भारत को ब्रिटेन या अमेरिका की नकल करने की जरुरत नहीं है। ये राष्ट आपत्तिजनक शब्दों की कोई सूची जारी करते हैं तो क्या हम भी उनकी नकल करें, यह जरुरी है? इस मामले में हमारे सत्तारुढ़ और विपक्षी नेता एक फिजूल की बहस में तू-तू—मैं-मैं कर रहे हैं।

-वेद प्रताप वैदिक-

महंगाई पर बेसुधी,जीएसटी पर जश्न!

भारत में हर महीने की पहली तारीख को इसका जश्न मनाया जाता है कि पिछले महीने वस्तु व सेवा कर यानी जीएसटी की वसूली में इतनी बढ़ोतरी हो गई। जुलाई के महीने की पहली तारीख को सरकार ने आंकड़ा जारी किया, जिसके बाद सुर्खियां बनीं कि लगातार तीसरे महीने जीएसटी की वसूली एक लाख 40 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा रही। अप्रैल के महीने में तो जीएसटी की वसूली एक लाख 60 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा हो गई थी। जीएसटी राजस्व में हर महीने हो रही बढ़ोतरी के जश्न में किसी को यह पूछना नहीं सूझता है कि आखिर यह पैसा कैसे और कहां से आ रहा है या कौन चुका रहा है? ध्यान रहे जीएसटी वह टैक्स है, जो 140 करोड़ लोगों को भरना होता है। जन्म से लेकर मरने तक शायद ही कोई वस्तु है या शायद ही कोई सेवा बची हुई है, जिस पर सरकार टैक्स नहीं ले रही है।

हर महीने जीएसटी की वसूली इसलिए नहीं बढ़ रही है कि देश में उपभोग बढ़ रहा है या लोग अमीर हो गए हैं और बहुत खर्च कर रहे हैं। इसलिए बढ़ रहा है क्योंकि सरकार एक के बाद एक वस्तुओं और सेवाओं पर टैक्स लगाती जा रही है। इसके अलावा कंपनियां कीमत बढ़ा रही हैं, उसकी वजह से भी टैक्स की वसूली बढ़ रही है। टैक्स के दायरे में ज्यादा वस्तुओं को ले आने और महंगाई बढ़ने की वजह से जीएसटी की वसूली बढ़ रही है। इस दोहरी मार के अलावा आम नागरिकों पर एक और मार पड़ रही है। वह 'स्रिंकफ्लेशन' की वजह से है। कंपनियों वस्तुओं की कीमत तो बढ़ा ही रही हैं साथ ही उपभोक्ताओं की आंखों में धूल झोंकने के लिए डिब्बाबंद वस्तुओं की मात्रा कम कर रही हैं। पहले सौ ग्राम का जो पैकेट होता था अब ऐसे ज्यादातर पैकेड 80-85 ग्राम के हो गए हैं। आकार वहीं रखते हुए सामान की मात्रा कम कर दी जा रही है। इसका मतलब है कि ज्यादा कीमत देकर कम सामान मिल रहा है।

-हरिशंकर व्यास-

हैंडल पैंडल में रची गयी है प्रेम,स्नेह एवं हास्य-विनोद की दुनिया

प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा उत्तरप्रदेश

इसी जुलाई में काव्यांश प्रकाशन से मितेश्वर आनंद की एक कथा कृति आई है हैंडल पैंडल जिसे पाठकों ने हाथोंहाथ लिया। अपने कथ्य, संवाद, दृश्य विधान एवं प्रस्तुति से यह कहानी संग्रह अत्यल्प समय में ही साहित्यानुरागियों के बीच लोकप्रियता के नवल आयाम छू रहा है। शामिल कहानियों की खुशबू के कण-कतरे हवा में घुल पाठकीय परिवेश को सुवासित कर रहे हैं। कल्पना और स्मृति के ताने-बाने से बुने इस कथा-वितान में मलय समीर के झोंके हैं तो चांदनी की शीतलता भी। निर्झर का सुमधुर निनाद है तो सरिता का गत्यात्मक प्रवाह भी। ये कहानियां समय की धारा पर संवाद के चप्पू चलाते बह रही हैं। इसलिए हैंडल पैंडल से गुजर कर पाठक को एक तृप्ति, संतुष्टि और आनंद की परम अनुभूति होती है। कहानी पढ़ते हुए पाठक अपने अतीत की यात्रा में निकल जाता है। कहना नहीं होगा कि कहानीकार के पास कथा कहन की ऐसी जादुई चमत्कारिक शैली है कि पाठक तमाशा देखने पीछे-पीछे चल पड़ता है। इन कहानियों की विषय वस्तु आम जीवन से प्रेरित है। यह कहानीकार के सूक्ष्म अवलोकन, संवेदना और सहज स्मृति के सामर्थ्य की सफलता है कि वह हाशिए पर की छोटी-छोटी घटनाओं को मुख्य फलक पर मनोहारी रंगों से चित्रित कर सका है। इनमें धूप के टुकड़े भी हैं और बादल की छांव भी। प्रतिरोध, आक्रोश एवं दर्प का लाल रंग घुला है तो स्नेह और मैत्री का हरापन भी है। खटास, क्रोध, बदले की भावना, ईर्ष्या का अंधेरापन है तो उसी अंधेरे को चीरते और फलक पर रोशनी बिखेरते मानवीय मूल्यों, आदर्शों एवं न्याय-विश्वास की नवल कोमल लालिमा भी। यही कृति की सफलता है।

हैंडल पैंडल में कुल 19 कहानियां 108 पन्नों पर अपने चुटीले अंदाज, मोहक संवाद और हास्य बोध के साथ चहलकदमी कर रही हैं। इन कहानियों के पात्र मद्दी, मंगू, मंगल, भीखू, हैप्पी, गोपू, श्याम, गब्बू, रमेश कचरा, गुल्लू, कांजी, डा. अंतर्यामी, मान्यवर, दुर्गा सिंह, शमशेर आदि हमारी हर गली, सड़क, स्कूल, बाजार, कार्यक्रम, आयोजनों में टकरा जाते हैं, पर हम खुद में खोये-उलझे हड़बड़ी में उन्हें देख-समझ नहीं पाते। जिंदगी के सच का आईना दिखाते ये चरित्र हमारे अंदर भी समय-समय पर उभरते हैं। कहानियों की ओर चलूं तो पहली कहानी %मद्दी का रावण% है जिसमें मद्दी और उसके मुहल्ले के हम उम्र साथियों के द्वारा दशहरे पर अपना खुद का रावण का पुतला बनाने और फूंकने का रोचक वर्णन है, जो पाठक को अपने आकर्षण में ऐसा खींच लेता है कि वह संग्रह पूरा पढ़ना छोड़ नहीं पाता भले ही उसके अन्य जरूरी काम छूट जा रहे हों। %पापा की लात% बाल मनोविज्ञान का पन्ना पलटती है कि कैसे एक बच्चा दूध लेने के लिए डेरी जाता है और वहां दोस्तों के साथ कंचे के खेल में मग्न हो जाता है। पिता की लात पड़ने से सहसा उसे ध्यान आता है कि उसे खेलते हुए तो घंटे भर हो गया है। छीजती मानवीय संवेदना और मूक पशुओं के प्रति किये जा रही क्रूरता एवं दुर्व्यवहार की बानगी है %कुत्ते का आत्मसमर्पण% जिसमें गब्बू काका की मार से कुत्ते के प्राण पखेरू उड़ जाते हैं। यही भाव %ठिठुरते भगवान% में भी देखा जा सकता है कि कैसे सड़क के किनारे नंगे बदन कंपकंपाती ठंड में पति, पत्नी और एक बच्चा जिंदगी बचाने की जद्दोजहद में लगे हैं वहीं पूजा-इबादत करने वाले भद्र जन उन्हें अनदेखा करते निकलते जा रहे हैं। शीर्षक कहानी %हैंडल पैंडल% बाल व्यवहार का सटीक विश्लेषण करती हुई हर पाठक के बचपन का चित्र और घटनाएं उपस्थित कर देती है। कक्षा में शैतानी, शिक्षकों की नकल एवं उनके उपनाम रखने और बाल सुलभ मस्ती का साक्षात्कार कराती है %सुतली बम% जिसमें प्रार्थना सभा में झाड़ी की ओट में सुतली बम फोड़ने के धमाके से %सूखी रोटी% उपनाम प्राप्त प्रधानाध्यापक गिरकर चुटहिल हो जाते हैं और बाद में बम फोड़ने वाले गुल्लू की जमकर ठुकाई कर एक महीने के लिए स्कूल से निकाल दिया जाता है। स्कूल में हो रही परीक्षाओं में कापियां दिखाने के चलन और अपने नम्बर बढ़वाने के लिए सिफारिश-चिरौरी की कथा है %चालीस बटे चालीस। आधुनिकता की दौड़ में नीति, नैतिकता और आदर्शों को खूंटी पर टांगकर सफलता की राह पर दौड़ते युवाओं के दृश्य दिखाती है %ये कहां जा रहे हैं हम - 1%। इस शीर्षक से दो कहानियां हैं जो ठहर कर सोचने को मजबूर करती है। %मंगल का दंगल% पढ़ते हुए हर पाठक अपने स्कूल के उन दिनों की स्मृति में खो जाता जिसमें परस्पर लड़ना, चुनौती रखना, अपना वजूद बनाना और स्कूल का हीरो बनने का नशा तारी रहता है। पालतू पशुओं के साथ ही सड़क पर चोंट खाये जानवरों की पीड़ा को आत्मसात करती कहानी है %घोड़ा तो भाग गया जी%। यह कहानी इंसान के अंदर मरते आदमी को जगाती है। %हैप्पी का हाईस्कूल% एक मजेदार कहानी है कि कैसे हैप्पी तीन बार हाईस्कूल की परीक्षा की शुरुआत में ही दुर्घटना का शिकार हो परीक्षा में बैठ नहीं पाता और अपने खानदान का पहला हाईस्कूल उत्तीर्ण होने का तमगा हासिल करने से चूक जाता है। शहरी सोसायटी और घरों से कचरा उठाने वाले रमेश के बहाने कहानीकार उस मुद्दे को बहस के केंद्र में लाना चाहता है जिसमें सोसायटी का काम एजेंसी को सौंप देने से कैसे एक गरीब बेबस की नौकरी छूट जाती है। यह कहानी दुःख एवं दर्द, पीड़ा एवं काम के अभाव में उसके घर में चूल्हे के ठंडेपन और आंखों की नमी का संकेत करती है। %गुरुजन की महिमा अनंत% में विभिन्न विषयों के शिक्षकों का बच्चों के प्रति समर्पण, आत्मीयता, अनुशासन एवं दण्ड देने के तरीकों को अंकित करते हुए स्मरण किया गया है। %आपका क्या कहना है भाईसाहब% में आम भारतीय की उस आदत की ओर अंगुली उठाई गयी है जिसमें कोई कहीं भी उन मुद्दों, खासकर राजनीति, पर बात करने लगता है जो हमारे अधिकार में नहीं है। ऐसे ही मान्यवर, %प्रिय दुर्गा सिंह जी% और %अदृश्य अंतर% अपनी कथा वस्तु से पाठक का ध्यान खींचती हैं।

%हैंडल पैंडल% वस्तुतः हमारे आसपास घटित हो रहे महत्वपूर्ण घटनाक्रमों और परिस्थितियों की बेबाक किंतु संवेदना युक्त सहज बयानी है। रोजमर्रा के जीवन में हम घर, बाजार, आफिस के बीच झूलते हुए उन तमाम भावनाओं की अनदेखी कर देते हैं जिनसे जीवन में चेतना एवं सरसता का संचार होता है। आपाधापी के युग में जब आदमी के पास स्वयं को देखने समझने का समय नहीं बच पा रहा और वह भावशून्य हो यंत्रवत काल की धुरी पर टिका जागतिक सम्बन्धों के निर्वहन की खानापूर्ति करते त्रिज्या और परिधि की नीरस यात्रा में समय के सेकेंड अर्पित कर रहा है तब हैंडल पैंडल की कहानियां उसे जीवन का मर्म समझाती मानवीय चेतना, संवेदना, सहनशीलता, सहकारिता, समन्वयन एवं सौंदर्य की अनुभूति कराते हुए सुख, सुमनमय स्नेहिल पथ पर अग्रसर होने को न केवल प्रेरित करती हैं बल्कि पाठक की अंगुली पकड़कर साथ-साथ चलती भी हैं। इसीलिए ये कहानियां पढ़ते हुए पाठक अपनी स्मृतियों की छांव को महसूसते हुए सुस्ताने बैठ जाता है। वह पल भर के लिए कहानी के पात्रों में बदल वह बन जाता है जो अब वह नहीं है पर कभी वह था। यादों की किताब के पन्ने दर पन्ने उसे अपनी कहानी ही लगते हैं। इसीलिए ये कहानियां पढ़ते हुए उसके चेहरे पर कभी मुस्कान लहर उठती है तो कभी नवल सूरज की लालिमा भी। कभी किसी घटना का चश्मदीद गवाह बन भावहीन हो जाता है तो कभी किसी का पक्षधर हो हवा में मुट्ठी उछाल उत्साह से भर जाता है। इनमें जीवन का वैविध्य और सौंदर्य अपनी सहजता और समृद्धि के साथ प्रकट हुआ है। ये कहानियां ऐसा आदर्श स्थापित नहीं करतीं जिनको साधा न जा सके। दृष्टि एवं सोच में नवोन्मेष परिलक्षित होता है। इसलिए कहानियां पढ़ते हुए पाठक स्वप्रेरित होते हुए कहा उठता है कि अरे! यह तो मैं भी कर सकता हूं। इस मुद्दे को कभी ऐसी दृष्टि से देखा ही नहीं। अर्थात ये कहानियां पाठक को परिवार एवं परिवेश से जोड़ते हुए कर्तव्य की ओर बढ़ाती भी हैं।

कहानी संग्रह हैंडल पैंडल का न केवल शीर्षक बल्कि मुखपृष्ठ का चित्रांकन भी पाठकों में विषयवस्तु की जिज्ञासा जगाते हुए आकर्षित करता है। पुस्तक का मुद्रण, कागज और बाइंडिंग उच्च कोटि का है। पेस्टिंग के साथ ही धागों से की गयी सिलाई पुस्तक को मजबूती देती है। आम बोलचाल की भाषा में संवाद हृदय में उतर जाते हैं। खास बात वर्तनीगत त्रुटियां लगभग नहीं हैं। निश्चित रूप से यह कथाकृति पाठकों का कंठहार बनेगी और समीक्षकों में समादृत भी। अमेजन पर उपलब्ध शीर्ष दस में ट्रेंड कर रही पुस्तक पूरे परिवार द्वारा जरूर पढ़ी जानी चाहिए ताकि उरो में स्नेह का शीतल निर्झर सतत प्रवाहित होता रहे।

हरेली तिहार

प्रमेशदीप मानिकपुरी
धमतरी छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ के पहिली तिहार
आगे हरेली आगे।
किसनहा बेटा मन हर
धरती के भाग जगागे ॥
गोठान जाके लक्ष्मी दाई ला
लोंदी सब खवाथे
गावं भर के लइका सियान
जड़ी बूटी ल खाथे
कुदरती जड़ी बूटी ले
रोग-रई हर सबे भगागे
छत्तीसगढ़ के पहिली तिहार
आगे हरेली आगे
गावं के देवी देवता अउ
प्रकृति ल चलो मनाबो
आशीष बर वोकर चरण ल
फेर चलो गोहरबो
वोकर कीरपा होइस त
धरती के प्यास बुझागे
छत्तीसगढ़ के पहिली तिहार
आगे हरेली आगे
नंगार ,बखखर अउ रापा कुदारी
बिंधना,बसूला अउ हंसिया आरी
मान गाउन करत-करत
नागर घलो जेवागे
छत्तीसगढ़ के पहिली तिहार
आगे हरेली आगे
चीखला माटी म डंका लगाये बर
झिटकीन -2 खेत खार जाये बर
गुड्डू अऊ गुड्डू के ददा बर,
गेड़ी घलो खपागे
छत्तीसगढ़ के पहिली तिहार
आगे हरेली आगे
नान्हे नान्हे लइका मन ल,
पुरखा के बात बताबो
बच्छर भर के तिहार,
मिलजुल के चलो मनाबो
फुगड़ी अउ कब्बडी खेले बर,
नरवा म सकलागे
छत्तीसगढ़ के पहिली तिहार
आगे हरेली आगे

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

सीबीएसई 10-12वीं का परीक्षा परिणाम घोषित

जिले के छात्र-छात्राओं का रहा बेहतर प्रदर्शन

KIRTI VISHWAKARMA 98%

VEERTA SHRIVASTAVA 98.0%

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर,22 जुलाई 2022(घटती-घटना)। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड दिल्ली द्वारा सत्र 2021-22 के 10वीं व 12वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया गया। परीक्षा परिणाम में सरगुजा के सीबीएसई के 10-12वीं के छात्र-छात्राओं ने भी उत्कृष्ट अंक लाकर बेहतर प्रदर्शन किया है। जिला मुख्यालय अंबिकापुर के कार्मेल स्कूल, होली क्रॉस स्कूल, ओरियंटल पब्लिक स्कूल का परिणाम संतोषजनक रहा। जबकि कार्मेल स्कूल अम्बिकापुर का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा। कक्षा 12वीं में विद्यालय के कुल 139 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए थे। जिसमें 134 उत्तीर्ण रहे। संदीप यादव ने 97 प्रतिशत अंक के साथ विद्यालय में सर्वोच्च स्थान अर्जित किया। द्वितीय स्थान पर मेहूल पाण्डे 96 प्रतिशत इसके साथ ही कृतिका गुप्ता एवं मोहन अग्रवाल, प्रियांषु ठाकुर 95.8 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान अर्जित किया। वहीं अन्य विद्यार्थी में तृप्ती जायसवाल 94, स्वराज खियानी 93, निशा गुप्ता 92.8, विनायक राज 92.4, निखिल राजवाड़े 92, संध्या यादव 91.8, रिशिका गर्ग 91.8, आयुष अग्रवाल 91.6, अमन केसरी 91.2 एवं असमी वर्मा 91.2 प्रतिशत अंको के साथ विद्यालय को गौरवान्वित किया। वहीं 10वीं में विद्यालय के कुल 251 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए थे। जिसमें से सभी 249 उत्तीर्ण रहे। हर्षिता श्रीवास्तव ने 97.8 प्रतिशत अंको के साथ विद्यालय में सर्वोच्च स्थान अर्जित किया। द्वितीय स्थान पर अदिती अग्रवाल 97.4 प्रतिशत एवं एलिना श्रीन खान 97 प्रतिशत अंको के साथ तृतीय स्थान अर्जित किया। अन्य विद्यार्थियों में दिव्यांशु गुप्ता 96.4, आर्या सिन्हा 96.2, दिपांकर गुप्ता 96.2, प्रांजली यादव 95.2, चनव कुमार 95, यशिका निगम 94.4, लकी यादव 94, वंषिका अग्रवाज 93.4, अंकुश सिंघल 93.2, अदिती राय 92.8, अनिश राजवाडें 92.6, अर्थव सोनी, 92.6, अर्चिता सिन्हा 92.4, निखिल अविजित मिश्रा 92.2, सीप्पी सोनी 92, प्रेक्षा पाण्डे 91.8, श्रीवी पटेल 91.8, हनी पोपटानी 91.6, दीपसीखा पन्ना 91.6, यश अग्रवाल 91.6, प्रगती श्रीवास 91.2, आदित्य अग्रवाल 91.2, श्रुती जायसवाल 91, मधुलिका पाठक 90.6, शौर्य गुप्ता 90.4, विशेष गुप्ता 90.4, अदिती श्रीवास्तव 90.4, आयुसिका दुबे 90.4, आस्था शर्मा 90.2, आदित्य प्रताप सिंह 90.2, लवीना मनसानी 90 प्रतिशत अंको के साथ विद्यालय को गौरवान्वित किया। वहीं विद्यालय की प्राचार्य सिस्टर जीवा नें विद्यार्थियों के बेहतर प्रदर्शन के लिए समस्त शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को बधाइ एवं शुभकामनाओं के साथ उनके उज्जवल भविष्य की कामना की हैं।

होलीक्रॉस स्कूल में 10 वीं व 12 वीं में रहा बेहतर प्रदर्शन

होली क्रॉस कॉन्वेंट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल का परीक्षा परिणाम बेहतर रहा। कक्षा 12वीं में कुल 236 विद्यार्थी अध्ययनरत थे, जिसमें अधिकतम 98 प्रतिशत अंक के साथ तमिश्रा चक्रवर्ती एवं वीरता श्रीवास्तव ने प्रथम स्थान हासिल किया। इसी क्रम में अविशा दुबे 96.8 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान, अक्षत मिश्रा तथा प्रखर गुप्ता 96.6 प्रतिशत के साथ तीसरा स्थान अनन्ता पोद्दार और श्रीजल अग्रवाल 96.4 प्रतिशत के साथ चौथा स्थान एवं जाहनवी सिंघानिया ने 96.2 प्रतिशत अंकों के साथ पांचवां स्थान प्राप्त किया है।90 प्रतिशत और उससे अधिक अंक पाने वाले विद्यार्थियों की संख्या 45 है। 80 प्रतिशत एवं उससे अधिक अंक पानेवाले विद्यार्थियों की संख्या 99 है एवं 70 प्रतिशत और उससे अधिक अंक पानेवाले 175 विद्यार्थी है। वहीं कक्षा 10 वीं में कुल 298 विद्यार्थी अध्ययनरत थे, जिसमें अधिकतम 98 प्रतिशत अंक के साथ कीर्ति विश्वकर्मा ने प्रथम स्थान हासिल किया। आर्या लाल 97.4 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान, शशांक गोंड 96.8 प्रतिशत तृतीय स्थान पर रहे। इसके बाद साक्षी राय ने 96.2 प्रतिशत तथा श्रेया सिन्हा ने 96 प्रतिशत अंक हासिल किया। इसके पश्चात प्रियांशी अग्रावाल 95.8 प्रतिशत, देवेश विश्वकर्मा 95.6, श्रेया सिंह 95.4 प्रतिशत, सृष्टि राजवाड़े 95.4 प्रतिशत, आकांक्षा सवर्ण ने 95.2 प्रतिशत तथा तोसी गर्ग ने 95.2 प्रतिशत अंक हासिल कर स्कूल का नाम रौशन किया है। विद्यार्थियों द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर विद्यालय की प्राचार्या सिस्टर जेस्सी ने सभी को शुभकामनाएं दी है एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की हैं।

हरकेवल विद्यापीठ का परीक्षा परिणाम संतोषजनक रहा

संत हरकेवल विद्यापीठ सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, नमनाकला, अम्बिकापुर का परीक्षा परिणाम संतोषजनक रहा। कु. प्रीति मिया ने विद्यालय में सर्वाधिक 78 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। विद्यालय में दूसरे स्थान पर श्रेया दारुका, तीसरे स्थान पर रोहित लकड़ा रहे। वाणिज्य संकाय का परीक्षा परिणाम 93प्रतिशत रहा। वहीं पर विज्ञान संकाय का परीक्षा परिणाम 75 प्रतिश रहा। इसी प्रकार कक्षा 10वीं में रिषभ तिवारी ने 81प्रतिश अंक के साथ, चन्द्रप्रभा राजवाड़े 78 प्रतिशत के साथ द्वितीय, हर्ष जैन एवं सुदर्शन मिश्र 74 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान पर उत्तीर्ण रहे। संस्था के प्राचार्य जयराम मिश्र, संस्थापक संत हरकेवल दास महाराज ने उत्तीर्ण छात्रों को शुभकामनाएं दी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

शौचालय निर्माण में भ्रष्टाचार का मामला हुआ उजागर

-भूपेन्द्र सिंह-

अम्बिकापुर,22 जुलाई 2022(घटती-घटना)। विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत खैरबार में.शौचालय के निर्माण में भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है वही अब ग्रामीणों पर दबाव बनाकर शौचालय निर्माण के लिए स्वीकृत राशि की मांग की जा रही है.ये तस्वीरें 2021-22 में निर्मित नवीन शौचालय की..है जिसे रंग पेंट कर नए शौचालय के रूप में तब्दील किया गया है...

उल्लेखनीय है कि अंबिकापुर विकासखंड से महज पांच किलोमीटर की दूरी पर स्थित ग्राम पंचायत खैरबार में 2015-16 में बनाए गए शौचालय को 2021-22 का दिखा कर हितग्राहियों के खाते में शौचालय निर्माण की राशि डाल दी गई. वहीं अब हितग्राहियों से राशि निकाल कर जमा करने का दबाव बनाया जा रहा है...

ग्रामीणों का आरोप है कि पूर्व सरपंच ने पूराने शौचालय के सामने रंग पेंट कर दिया.और अब हितग्राहियों के खाते में आई राशि को अपना बताकर निकाल कर देने का दबाव बना रहे हैं..

जिला मुख्यालय से महज पांच किलोमीटर की दूरी पर स्थित ग्राम पंचायत खैरबार में शौचालय निर्माण में हो रहे भ्रष्टाचार पर सरगुजा कलेक्टर कुंदन कुमार ने जानकारी नहीं होने का हवाला देकर मामले से किनारा कर लिया है..

एक ओर सरकार स्वच्छ भारत मिशन को सफल बनाने की कवायद कर रही है...तो वहीं जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की सांठगांठ शासन की योजनाओं को भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा रहे हैं... बहरहाल इस मामले के सामने आने के बाद शासन प्रशासन जिम्मेदारों पर कार्रवाई करता है. या फिर ये मामला ठंडे बस्ते बंद कर दिया जाएगा..

ट्रक की चपेट में आकर दो भाइयों की मौत

-उपेश सिन्हा-

कुसमी ,22 जुलाई 2022(घटती-घटना)। कुसमी अम्बिकापुर मार्ग में करकली गाँव मे आज शाम एक दर्दनाक हादसे में दो सगे भाइयों की मौत हो गई है दरसल जानकारी के मुताबिक दोनो भाइयों में एक भाई का दिमागी रूप से कमजोर था और वह अपने घर से किसी गाँव की और निकल गया था जब घर वालों को पता चला तब भाई अपने भाई की खोज करने मोटरसाइकिल से निकल गया और उसे खोज कर वापस घर आ ही रहा था कि रास्ते मे एक ट्रक की चपेट में मोटरसाइकिल सवार दोनो भाई आ गये जिसमे दिमागी रूप से कमजोर भाई की मौके पर ही मौत हो गई वही दुसरे गम्भीर रूप से घायल भाई की मौत अस्पताल में ईलाज के दौरान हो गई,घटना की खबर पाकर कुसमी पुलिस मौके पर पहुँच कर घटना की जांच में जुट गई है,और ट्रक चालक मौके से फरार बताया जा रहा है,दुर्घटना में मृत दोनो भाई कुसमी के बताये जा रहे है घटना की खबर सुनकर लोगो में गम का माहौल निर्मित हो गया है।

जीएसटी दरों पर भ्रम से बचें:अभिषेक शर्मा

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर,22 जुलाई 2022(घटती-घटना)। जीएसटी कौंसिल की 47 वीं मीटिंग में सभी राज्यों के प्रतिनिधियों की सहमति से लिए गए निर्णय पर फैलाया जा रहा भ्रम यथार्थता से बिल्कुल परे है, उपरोक्त बात अभिषेक शर्मा अधिवक्ता टैक्स एवं जिला सह कोषाध्यक्ष भाजपा सरगुजा एवं प्रदेश सह संयोजक आर्थिक प्रकोष्ठ छग ने कही।। उनहोने बताया किसी लोकल प्रोडेक्ट पर किसी प्रकार का कोई करारोपण नहीं किया है बल्कि ब्रांडेड और प्रिपैकड को ही परिभाषित किया गया है ताकि जो आईटम लोकल स्तर पर खरीदकर ब्रांड के रूप में पैंकिग कर बेचे जाते हैं उसी पर करारोपण लागू किया गया है जो कि अधिकतम वस्तुओं पर पुर्व से ही लागू है जैसा

कांग्रेस शासन काल 2009 में लिगल मैट्रोलाजी ऐक्ट के अनुपालन में किया गया था जिससे ब्रांडेड और अनब्रांडेड के बीच के अंतर को समझा जा सके। जीएसटी परिषद ने आटा चावल दाल के लोकल खुले में बिक्री पर कोई करारोपण नहीं किया है बल्कि पुर्व से ये आईटम 25 किलो या ज्यादा के पैकिट पर ही उपलब्ध होते हैं जो कौंसिल की बैठक के बाद भी टैक्स फ्री है। भ्रम फैलाने वालों को यह समझना चाहिए कि कौंसिल में सभी राज्यों के प्रतिनिधियों का सामूहिक निर्णय ही मान्य होता है। देश ने प्रधानमंत्री मोदी जी की जन आकांक्षी नीतियों के कारण कोरोना की विभीषिका से निपटने में अपनी सक्षमता दिखाई है इसका कारण भी 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन की सुविधा उपलब्ध करवाने और मुफ्त में टीकाकरण जैसे कार्यक्रमों का सफल क्रियान्वयन भी है। इसलिए भ्रम में ना आऐ और देश के राजस्व में अपना योगदान दें ताकि देश मोदी जी के नेतृत्व में सभी परिस्थितियों से निपटने में सफल हो सके।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार अज्ञात युवक की मौत

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर,22 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। अज्ञात वाहन ने बाइक सवार अज्ञात युवक को टक्कर मार दी। युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में लाया गया। यहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। भफोली सब्जी मार्केट के पास अज्ञात वाहन ने बाइक सवार अज्ञात युवक को टक्कर मार दी थी। स्थानीय लोगों की मदद से उसे इलाज के लिए भपोली अस्पताल ले जाया गया। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बाइक के बाइक का नंबर सीजी 15 डीयू 71 86 है।

स्वास्थ्य मंत्री टी एस सिंहदेव ने गंभीर बीमारी से जूझ रही मासूम के परिजनों से वीडियो कॉल के माध्यम से की बात

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर,22 जुलाई 2022(घटती-घटना)। आज स्वास्थ्य मंत्री टी एस सिंहदेव ने अंबिकापुर के पंडो जनजाति के परिजनों ने लीवर की गंभीर बीमारी से जूझ रही 3 माह की नवजात बेटी के इलाज के संबंध में स्वास्थ्य मंत्री टी एस सिंहदेव ने वीडियो कॉल पर बात की। अंबिकापुर में परिजनों को इस गंभीर बीमारी का पता चलने के बात उन्होंने जिला प्रशासन से सहायता प्राप्त करने का प्रयास किया, जिस विषय में स्वास्थ्य मंत्री टी एस सिंहदेव को सूचना मिलने पर उन्होंने परिजनों को राजधानी रायपुर आकर उपचार करवाने के लिए कहा। आज जब परिजन डीकेएस अस्पताल पहुंचे तब वीडियो कॉल के माध्यम से श्री सिंहदेव ने परिजनों से बात की जिसमें परिजनों ने बताया कि उनकी बेटी बिलिअरी अट्रेसिया नामक लीवर की गंभीर बीमारी से जूझ रही है,

जिसके लिए निजी चिकित्सालय में ₹10,00,000 तक का खर्च बताया गया है। इस बीमारी के लिए कवसाई सर्जरी करने की आवश्यकता बताई गई है, जिस पर स्वास्थ्य मंत्री श्री सिंहदेव ने परिजनों से बात कर उन्हें आश्वस्त किया है कि राजधानी स्थित डीकेएस अस्पताल में बच्ची का पूरा इलाज निशुल्क होगा। इसके साथ ही उन्होंने डीकेएस अस्पताल के चिकित्सकों से भी बात की और बीमारी एवं इलाज पूरी जानकारी प्राप्त कर उन्हें निःशुल्क चिकित्सीय सेवा उपलब्ध करवाने की बात कही है।

कलम बंद हड़ताल आज

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर,22 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन जिला सरगुजा के द्वारा प्रांत व्यापी आह्वान पर 34त्न महंगाई भत्ता एवं गृह भाड़ा भत्ता को दिनांक 22/7/22 को समय 11ः00बजे से कलेक्ट्रेट, आदिवासी विकास विभाग , आबकारी विभाग,एस डी एम कार्यालय, तहसील कार्यालय, जिला पंचायत,समाज कल्याण विभाग, राजस्व विभाग,पी जी कालेज, डाइट, माध्यमिक शिक्षा मंडल, कमिश्नर कार्यालय, माइनिंग विभाग, चुनाव कार्यालय आदि विभागों में सम्पर्क कर 25 से 29 जुलाई से पांच दिवसीय हड़ताल कलम बंद -काम बंद को सफल बनाने के सघन अभियान चला कर सामुहिक अवकाश का आवेदन फार्म भरवाए जा रहें है। कल दिनांक 23/7/22को समय 10:00 बजे से स्वास्थ्य विभाग,वन विभाग,पी डब्लू डी विभाग, संयुक्त संचालक शिक्षा, एवं समस्त शिक्षा विभाग में सम्पर्क अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान में कौशलेंद्र पाण्डेय संभागीय अध्यक्ष, कमलेश सोनी जिला संयोजक, अजीत सिंह, दुर्गेश सिन्हा, प्रमोद सिंह, नवीन केशरी आशुतोष दुबे,एस एल मालवीय आलोक सिंह, शामिल रहे।

कुसमी में भाजपा ने विभिन्न मुद्दों पर किया कांग्रेस के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

-उपेश सिन्हा-

कुसमी ,22 जुलाई 2022(घटती-घटना)। भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओ ने आज एक दिवसीय धरना प्रदर्शन के साथ साथ किसानों के मुद्दे बिजली खाद्य को लेकर कांग्रेस सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर राज्यपाल के नाम का ज्ञापन अलग अलग कार्यालयों के अधिकारियों को ज्ञापन सौपा है,साथ ही सहकारी समिति कार्यालय में तालाबन्दी कर विरोध प्रदर्शन किया है,जानकारी के मुताबिक आने वाले 2023 में विधानसभा चुनाव होने वाला है ऐसे में चुनाव को लेकर विपक्ष पर बैठी भाजपा चुनाव से पहले कांग्रेस सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेरकर किसान और जनता का मन अपनी ओर खींच कर विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करना चाहती है,और अब भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर भाजपा किसान मोर्चा जिला बलरामपुर के जिलाध्यक्ष भरतसेन सिंह जी के निर्देशानुसार कुसमी मंडल में भाजपा किसान मोर्चा के द्वारा माननीय सुश्री अनुसुईया उइके जी महामहिम राज्यपाल, छत्तीसगढ़ शासन को समिति प्रबंधक सेवा सहकारी समिति कुसमी एवं कनिष्ठ यंत्री विद्युत वितरण केंद्र कुसमी में जाकर भाजपा के द्वारा ज्ञापन सौपा गया है

छत्तीसगढ़ के किसानों को हो रही खाद संकट और अघोषित बिजली कटौती के अलावा विभिन्न समस्याओं का तत्काल निराकरण की मांग ज्ञापन में की गई है धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कांग्रेस पर आरोप लगाया है कि कांग्रेस सरकार किसानों को प्रताड़ित कर रही है छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान राज्य है, और छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार किसानों को परेशान करने का काम कर रही है, क्योंकि एक किसान खेती प्रारंभ करने से पूर्व समिति पहुंचता है और वहां से खाद व कर्ज लेता है व खाद की व्यवस्था सुनिश्चित करता है,किंतु आज समितियों में खाद की आपूर्ति नहीं किए जाने के चलते किसान चिंतित है, ऐसी स्थिति आने पर वह निजी संस्थानों से खाद की खरीदी करने के लिये मजबूर हैं, जहां से किसानों को ज्यादा दाम खाद का देना पड़ता है,वहीं प्रदेश में सरप्लस बिजली उत्पादन वाले राज्य होने के बाउजूद बिजली की अघोषित कटौती से किसान अलग से चिंतित है, कहीं दिनभर तो कहीं सप्ताह पंद्रह दिनों तक बिजली बंद की शिकायतें रहती है, इन दोनों विषयों को लेकर प्रदेश के किसान साथी अत्यंत चिंतित व प्रताड़ित है,किसान मोर्चा मंडल कुसमी के द्वारा मांग करते हुए बिंदुवार अपनी बातों को रखा राज्यपाल महोदया से ज्ञापन के जरिये आग्रह किया है

1. प्रदेश में रासायनिक खाद की कमी को दूर कर किसानों को सोसायटियों के माध्यम से पर्याप्त डीएपी और यूरिया खाद्य प्रदाय किया जाए
2. किसानी बिजली लाईन अटल ज्योति व ग्रामीण क्षेत्रों में बार बार अघोषित रूप से व कई दिनों तक बिजली कटौती समाप्त किया जाए।

, सरप्लस बिजली उत्पादन वाले राज्य में इस प्रकार बिजली के लिए ग्रामीणों को प्रताड़ित करना बंद करे सरकार।

3. सरकार के माध्यम से वर्मी कम्पोस्ट के नाम पर किसानों से की जाने वाली लूट बंद हो,
4. राज्य की कॉंग्रेस सरकार में किसानों के तकरीबन 70 हजार पंप कनेक्शन स्थायी हेतु लंबित है। जिनके डिमांड भुगतान हो चुके है। किसानों को स्थायी बोर कनेक्शन प्रदान किया जाय।
5. कांग्रेस सरकार ने अपने जनघोषणा पत्र में 2 साल का बोनस देने का वादा किया था। किसानों को 2 साल का लम्बित बोनस प्रदान करें।
6. किसानों को पूर्व के भाजपा सरकार में मिलने वाली विभिन्न सब्सिडी वाली योजनाएं तात्कालिक सरकार ने बन्द कर रखी है। जिसे प्रारम्भ किया जाए।
7. राज्य सरकार ने विगत दो सालों से किसानों के बारदानों में धान खरीदी तो की है, किन्तु उसका भुगतान अब तक किसानों को नहीं किया गया। राज्य सरकार जल्द किसानों को बारदानों का पैसा प्रदाय करें।
8. राजीव गाँधी न्याय योजना के तहत किसानों को विगत दो सालों से जो अंतिम क़िस्त दिया गया उसमें 30 से 50 रुपये प्रति क्विंटल की दर से कम भुगतान हुआ। यह राशि छोटी है किंतु पूरे प्रदेश में यह लगभग 1 हजार करोड़ का घोटाला है। जब बजट प्रस्तावित होता है। तो यह कटौती क्यों होती है,जाँच का विषय है,कुल आठ बिन्दुओ को लेकर भाजपा ने राज्यपाल महोदया से ज्ञापन सौपकर सभी बिंदुओं पर अवश्य संज्ञान ले,आज के धरना प्रदर्शन और तालाबंदी कार्यक्रम में भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष भृतसेन सिंह भाजपा मंडल अध्यक्ष संजय जयसवाल जी भाजपा किसान मोर्चा के जिला के महामंत्री आनंद जयसवाल किसान मोर्चा के मंडल अध्यक्ष हरेंद्र पैकरा महामंत्री द्वय किसान मोर्चा पारसनाथ पाल कुंवर नायक भाजपा मंडल के महामंत्री बालेश्वर नायक विनोद गुप्ता, पार्षद रोशन एक्का ,अशोक सोनी ,दीपक सोनवानी सतीश पैकरा सहित भाजपा कार्यकर्ता और पदाधिकारी किसान शामिल हुये,

आवाज को दबाया जा सके इस लिए की जा रही इडी की कार्रवाई

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर,22 जुलाई 2022(घटती-घटना)। ईडी जैसे संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर षडयंत्र के तहत कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को परेशान करने के विरोध में कांग्रेस ने धरना दिया।

प्रदेश कांग्रेस के आह्वान पर शहर के गांधी चौक में आयोजित धरने को संबोधित करते हुए औषधीय पादप बोर्ड के अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने कहा कि सोनिया गांधी राहुल गांधी और कांग्रेस के अन्य बड़े नेताओं पर ईडी की कार्रवाई इसलिए हो रही है ताकि उनकी आवाज को दबाया जा सके। 20 सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के उपाध्यक्ष अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी देश को बनाने वाली पार्टी है भाजपा कभी बनाया नहीं इसलिए बेचने में दर्द नहीं होता। श्रम कल्याण मंडल के अध्यक्ष शफी अहमद ने कहा कि राहुल गांधी से 5 दिन में 55 घंटे की पूछताछ की गई, सोनिया गांधी को बीमारी के बावजूद ईडी दफ्तर बुलाया गया जबकि उनसे लिखित में जवाब दिया जा सकता था। सरकार यह ना भूले कि गांधी परिवार की पांच पीढ़ियां राष्ट्र सेवा में समर्पित है उनके पीछे समूचा भारत खड़ा है। आभार प्रदर्शन महापौर डॉ अजय तिर्की ने किया कार्यक्रम को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हेमंत सिन्हा महिला कांग्रेस अध्यक्ष संध्या रवानी, राजीव अग्रवाल, मोहम्मद इस्लाम, चुनमुन तिवारी, रुही गजाला, गीता रजक, प्रमोद चौधरी, रजनीश सिंह शुभम जयसवाल नुरुल अमीन सिद्दीकी सहित अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया।इस अवसर पर मधु दीक्षित, इंद्रजीत सिंह धंजल ,सैयद अख्तर, आशीष वर्मा, अनूप मेहता,संजय सिंह,दिलीप धर,गुरप्रीत सिद्धू, हसन खान,मेराज गुड्डु, नीतीश चौरसिया, अशफाक़, नसीम, विशाल केशरी, सुहैल, नरेन्द्र विश्वकर्मा, चन्द्रप्रकाश सिंह, जगरनाथ कुशवाहा, रामविनय सिंह, राहुल नॉश, हमीदा गीता श्रीवास्तव, पप्पन सिन्हा, अमितसिंह, रौशन कनौजिया संजय सिंह, सुधांशु गुप्ता, सावित्री सारथी, हिरो बड़ा, शैलजा पांडेय सहित कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित थे।

CMYK

भारत में 14 हजार करोड़ रुपये का निवेश करना चाहते हैं यूसुफ अली,पर कंपनी पर उठने लगे हैं सवाल

नई दिल्ली , 22 जुलाई 2022। लखनऊ में देश के सबसे बड़े मॉल की शुरुआत करने वाले लुलु ग्रुप के मुखिया यूसुफ अली %लुलु इंडिया प्रोजेक्ट% के तहत भारत में 14 हजार करोड़ रुपये का निवेश करना चाहते हैं। इसी योजना के तहत बीते 10 जुलाई को 2 हजार करोड़ रुपये की लगात से तैयार देश के सबसे बड़े शॉपिंग मॉल का लखनऊ में उद्घाटन किया गया है।

ग्रुप की ओर से यह दावा किया गया है कि इस मॉल के उद्घाटन से देश में 15 हजार डायरेक्ट और इनडायरेक्ट रोजगार पैदा होगा। सिर्फ उत्तर प्रदेश में लुलु ग्रुप आने वाले समय में और 2500 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना पर काम कर रहा है। यूपी के बनारस और प्रयागराज में मॉल खोलने जबकि ग्रेटर नोएडा में लुलु फूड प्रोसेसिंग हब खोलने की योजना पर काम शुरू हो चुका है।

देश के दूसरे राज्यों में भी कारोबार फैला रहा है लुलु ग्रुप

उत्तर प्रदेश के अलावा लुलु ग्रुप केरल में भी तीन नई परियोजनाएं शुरू करने पर काम कर रहा है। बीते मई महीने में कंपनी ने कर्नाटक सरकार के साथ भी 2 हजार करोड़ रुपये निवेश का समझौता किया है। उससे पहले मार्च महीने में ग्रुप ने तमिलनाडु में 3500 करोड़ निवेश और गुजरात में मॉल खोलने के लिए 2 हजार करोड़ रुपये निवेश का भी करार किया है। इसी साल जनवरी में लुलु ग्रुप जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में फूड प्रोसेसिंग हब खोलने पर 200 करोड़ रुपये निवेश करने की बात कह चुकी है।

भारत में भी लुलु ग्रुप का कारोबार कई शहरों में है फैला

लुलु ग्रुप ने लखनऊ में देश के सबसे बड़े मॉल की शुरुआत इसी महीने (जुलाई में) की है। इसके अलावा लुलु ग्रुप कोच्चि में लुलु साइबर टावर, त्रिशूर में लुलु फैशन व कन्वेंशन सेंटर, कोच्चि में 2 मैरिएट होटल और एक रिजॉर्ट का भी संचालन करता है।

भारत में यूसुफ अली के मॉल पर उठ रहे सवाल

जुलाई महीने में यूपी की राजधानी लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश के सबसे बड़े लुलु मॉल का उद्घाटन किया। उस दौरान उनके साथ लुलु ग्रुप के चेयरमैन यूसुफ अली भी मौजूद थे। उद्घाटन के थोड़े समय बाद ही मॉल में नमाज पढ़ने और मुस्लिम कर्मचारियों को बहाल करने को लेकर लुलु ग्रुप पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। पर, ऐसा करने वालों को लुलु ग्रुप के मालिक यूसुफ अली के संघर्षों के बारे में जानना चाहिए। जो विदेश में रहते हुए भी देश की भलाई के लिए पहल करने से कभी नहीं चूके। कोरोना काल हो या केरल में बाढ़ का संकट हर कौके पर उन्होंने अपनी तरफ से मदद का हाथ बढ़ाया।

अपनी दरियादिली के लिए चर्चा में रहे हैं यूसुफ अली

नौ जून 2021 को बुधवार का दिन था। कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के बाहर गहमागहमी थी। इस हलचल के बीच वीणा नाम की एक महिला अपने दस साल के बेटे के साथ बेसब्री से अपने पति का इंतजार कर रही थी। थोड़ी ही देर बात बेक्स कृष्णन नाम के शख्स हवाई अड्डे से बाहर निकले तो वीणा, उसके बेटे और पति बेक्स कृष्णन पूरी तरह से भावुक हो गए। उस समय आसपास जो भी मौजूद था उसकी आंखें नम हो गई।

दरअसल एक पिता, बेटे और पत्नी के बीच कुछ महीनों पहले तक असंभव लगने वाली ये मुलाकात नौ साल के लंबे इंतजार के बाद एक मसीहा के कारण संभव हो पायी थी। उस मसीहा का नाम था एमए यूसुफ अली, जो 64 हजार करोड़ रुपये की नेटवर्थ वाले लुलु ग्रुप के चेयरमैन हैं।

मौत की सजा पाए भारतीय व्यक्ति को बचाकर ले आए थे यूसुफ अली

दरअसल नौ साल बाद 2021 में स्वदेश लौटने वाले 45 साल के बेक्स कृष्णन यूएई की जेल में हत्या के एक मामले में पिछले नौ सालों से बंद थे। साल 2012 में उनकी गाड़ी एक दुर्घटना का शिकार हो गई थी, जिसमें एक सूडानी बच्चे की मौत हो गई थी। उसी की हत्या के आरोप में उन्हें जेल जाना पड़ा था और अगर यूसुफ अली पहल नहीं करते तो उन्हें मौत की सजा भी हो सकती थी। संयुक्त अरब अमीरात के सुप्रीम कोर्ट ने केरल के रहने वाले बेक्स कृष्णन को सूडानी लड़के की हत्या के आरोप में मौत की सजा सुनाई थी।

कानूनी प्रक्रिया के बीच कृष्णन के परिवारवालों ने यूसुफ अली से मदद की गुहार लगाई। यूसुफ के ही समझाने पर पीड़ित परिवार कृष्णन को माफ करने को तैयार हुआ था। इतना ही नहीं कृष्णन की रिहाई के लिए युसूफ अली ने पीड़ित परिवार को हर्जाने के तौर पर करीब एक करोड़ रुपये (पांच लाख दिरहम) भी अदा किए थे, इस रकम को कई देशों में ब्लड मनी के रूप में जाना जाता है। यह रकम लेकर पीड़ित के परिवार वाले हत्या के दोषी को माफ कर देते हैं।

भारतीय मूल के कृष्णन की जान बचाने के लिए ब्लड मनी की यह रकम लुलु ग्रुप के चेयरमैन यूसुफ अली ने चुकाई थी। भारत लौटकर कृष्णन ने कहा था कि यूसुफ अली उनके लिए किसी मसीहा की तरह हैं, जिसके कारण उन्हें दूसरी जिंदगी मिली है।

केरल में हुआ था यूसुफ अली का जन्म, यूएई में खड़ा किया कारोबार

यूसुफ अली 15 नवंबर 1955 को केरल के त्रिशूर जिले के नाट्टिका गांव में पैदा हुए थे। उनकी शुरुआती पढ़ाई त्रिशूर के ही करनचीरा गांव के सेंट जेवियर हाई स्कूल में हुई थी। उस समय वे अपने चाचा के साथ रहते थे। उनके पिता तब गुजरात के अहमदाबाद में राशन की एक दुकान चलाते थे। 15 साल की उम्र में वे पिता की मदद के लिए अहमदाबाद आ गए। वहीं, उन्होंने बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में डिप्लोमा हासिल किया।

18 साल की उम्र में अबू धाबी पहुंच गए थे लुलु ग्रुप के मुखिया

अबू धाबी में यूसुफ के चाचा एमके अब्दुल्ला राशन का बिजनेस चलाते थे। महज 18 साल की उम्र में यूसुफ अपने चाचा के पास अबुधाबी पहुंच गए। वहां यूसुफ उनके बिजनेस से जुड़ गए। अपने चाचा के बिजनेस के सिलसिले में यूसुफ ने सिंगापुर, हॉन्ग कॉन्ग और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों की यात्राएं की। इन्हीं यात्राओं के दौरान उनके दिमाग में सुपरमार्केट खोलने का आइडिया आया। जब 1989 में उन्होंने अपना पहला डिपार्टमेंटल स्टोर खोला तो उनकी उम्र सिर्फ 34 वर्ष थी।

सिगरेट के पैकेट पर अब लिखा होगा तंबाकू सेवन यानी अकाल मृत्यु, सरकार ने जारी की नई गाइडलाइन

नई दिल्ली , 22 जुलाई 2022। सिगरेट और अन्य तंबाकू जनित पदार्थों की पैकिंग के लिए केंद्र सरकार ने नए निर्देश जारी किए हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार अब सिगरेट और अन्य उत्पादों के पैकेटों पर बड़े अक्षरों में तंबाकू सेवन यानी अकाल मृत्यु लिखना होगा। आपको बता दें कि इससे पहले तंबाकूजनित पदार्थों के पैकेट पर तंबाकू यानी दर्दनाक मौत लिखा होता था।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से संशोधित नियम 21 जुलाई को जारी किए गए हैं। नए नियम एक दिसंबर 2022 से लागू होंगे। इसके अलावे पैकेट के पिछले हिस्से में काली पृष्ठभूमि पर सफेद अक्षरों में आज ही छोड़े, कॉल करें 1800-11-2356 लिखा होगा।

आपको बता दें किसी भी तरह का तंबाकू या उससे युक्त पदार्थ किसी नाबालिग को बेचना बाल न्याय अधिनियम 2015 की धारा 77 का उल्लंघन है। इस कानून के तहत आरोपित को सात वर्ष तक की कैद और एक लाख रुपये तक का जुर्माना लगाने का भी प्रावधान है।

तंबाकू के सेवन से हर साल होती है 80 लाख लोगों की मौत

विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में तंबाकू के सेवन से तकरीबन 80 लाख मौतें हर साल होती हैं। तंबाकू का इस्तेमाल रोकने के लिए हर साल 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। इस दिन तंबाकू के खतरे के बारे में दुनियाभर के लोगों को जागरूक किया जाता है।

163 रुपये से 766 के पार पहुंचा यह शेयर, इस दिग्गज निवेशक ने लगाया है बड़ा दांव

नई दिल्ली ,21 जुलाई 2022। फैशन के कारोबार से जुड़ी कंपनी मॉटी कारलो के शेयर ने बीते कुछ वर्षों में ताबड़तोड़ रिटर्न दिया है। कंपनी के शेयर का भाव 163 रुपये से 750 रुपये के लेवल तक पहुंच गया है। इस स्टॉक में दिग्गज निवेशक डॉली खन्ना ने भी दांव लगाया है। डॉली खन्ना विषय में कहा जाता है कि वो ऐसे स्टॉक पर दांव लगाती हैं जिसकी चर्चा बाहर बहुत कम होती है। यही वजह है कि समय-समय पर लोग उनके पोर्टफोलियो को चेक करते रहते हैं। इस वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उन्होंने अलग-अलग कंपनियों में बड़ा निवेश किया है। जहां एक तरफ डॉली खन्ना ने 5 नए स्टॉक अपने पोर्टफोलियो में जोड़े हैं। वहीं दूसरी तरफ 15 कंपनियों के शेयरों में अपनी हिस्सेदारी घटाई है। लेकिन इस बीच उन्होंने मॉटी कारलो के शेयरों पर भरोसा जताया है।

आईटीआर फाइलिंग की आखिरी तिथि 31 ही रहेगी, राजस्व सचिव का बड़ा बयान

नई दिल्ली , 22 जुलाई 2022। केंद्र सरकार के एक सीनियर अधिकारी ने कहा है कि हमें उम्मीद हैं कि आने वाली 31 तारीख तक अधिकांश करदाता अपना आयकर रिटर्न दाखिल कर देंगे इसलिए फिलहाल रिटर्न की आखिरी तारीख को आगे बढ़ाने की कोई योजना नहीं है।

राजस्व सचिव तरुण बजाज ने कहा है कि बीते 20 जुलाई तक वित्तीय वर्ष 2021-22 के 2.3 करोड़ आयकर रिटर्न दाखिए किए जा चुके हैं और यह संख्या रोजाना बढ़ रही है। आपको बता दें कि पिछले साल आयकर रिटर्न दाखिल करने की बढ़ी हुई तारीख 31 दिसंबर 2021 तक कुल 5.89 करोड़ आयकर रिटर्न दाखिल किए गए थे।

राजस्व सचिव ने कहा है कि लोग पहले यह मानकर चल रहे थे कि हर बार की तरह रिटर्न दाखिल करने की आखिरी तिथि बढ़ाई जाएगी इसलिए शुरुआत में वे रिटर्न दाखिल करने में उत्साह नहीं दिखा रहे थे पर अब रोजाना 15 से 18 लाख रिटर्न दाखिल किए जा रहे हैं।

हमें उम्मीद है रिटर्न दाखिल करने के बचे हुए दिनों में रोजाना 25 से 30 लाख रिटर्न दाखिल किए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि आमतौर पर रिटर्न फाइल करने वाले आखिरी तिथि का इंतजार करते हैं।

पार्टनर को ठेस पहुंचाती हैं ये बाते,समय रहते खुद को संभालें

ज्यादातर रिश्ते आपसी समझ और विश्वास पर टिकते हैं। लेकिन इस रिश्ते में प्यार का होना भी जरूरी होता है। कई बार लोग रिलेशनशिप में पार्टनर से कुछ ऐसा व्यवहार कर बैठते हैं। जो उसके दिल को ठेस पहुंचाता है। रिलेशनशिप में लोग भरोसा कर अपनी खूबियों से लेकर कमजोरी तक साझा कर लेते हैं। ऐसे में अगर पार्टनर आपकी बातों को ना समझकर मजाक बनाता है। तो काफी बुरा लगता है। तो कहीं आप भी अपने पार्टनर के साथ इस तरह का बर्ताव नहीं करतें। अगर हां तो संभल जाएं क्योंकि लंबे समय तक ये बर्ताव रिश्ते में दरार पैदा कर देता है और कई बार रिश्ते टूटने की भी नौबत आ जाती है।

मजाक बनाना

मजाक बनाना काफी सामान्य बात लगती है लेकिन अगर आप पार्टनर की किसी आदत या कमजोरी का लोगों के बीच मजाक बनाते हैं तो इससे पार्टनर के दिल पर ठेस पहुंच सकती है।

हर बार अपनी मर्जी

अगर आप पार्टनर के साथ मिलकर प्लान करते हैं और सबसे आखिर में केवल अपने मन की करते हैं। तो इससे भी पार्टनर को ठेस

पहुंचती है। ऐसा करने से उसे लगने लगता है कि उसकी बातों की कोई वैल्यू आपकी नजर में नही है।

अगर आप पार्टनर से कोई वादा करते हैं और कुछ ही समय में उसे तोड़ देते हैं तो इससे भी पार्टनर को

बुरा लग सकता है। साथ ही पार्टनर की हर पसंद को रिजेक्ट कर देने से भी उसके दिल को ठेस पहुंचती है।

फीलिंग्स है जरूरी

पार्टनर से प्यार करते हैं लेकिन जाहिर नहीं करते। और अगर सामने से पार्टनर अपनी भावनाओं का इजहार कर रहा तो उसे इग्नोर कर रहे। तो ऐसा करना रिश्ते में दरार पैदा करता है। क्योंकि लंबे समय तक ऐसा करने से पार्टनर के दिल को गहरी चोट पहुंचती है।

भूलने की एक्टिंग

आप पार्टनर का बर्थडे या फिर कोई खास दिन भूल जाते है। ऐसा लंबे समय तक होता है और आप उसे भूलने का नाम देते हैं। तो पार्टनर को ये बात बुरी लग सकती है।

परिवार संग करनी है ट्रिप तो ये जगहें हैं बेस्ट

अक्सर लोग दोस्तों के साथ या फिर सोलो ट्रिप पर जाने की ख्वाहिश रखते हैं। क्योंकि परिवार के साथ ट्रिप प्लान करना थोड़ा मुश्किल होता है। अगर आप अपनी फैमिली के साथ किसी वेकेशन पर जाने की सोच रहे हैं। तो भारत की इन जगहों पर बेफिक्र हो कर जा सकते हैं। यहां के नजारें खूबसूरत होने के साथ ही परिवार के साथ घूमने के लिए परफेक्ट हैं। तो चलिए जानें उन खूबसूरत जगहों के बारे में जहां पर आप फैमिली के साथ ट्रिप की प्लानिंग कर सकते हैं।

सोलन

अगर आप शहर की भीड़भाड़ से दूर परिवार के साथ कुछ दिन एकांत में बिताना चाहते हैं। तो हिमाचल प्रदेश के इस छोटे से शहर की सैर पर निकल जाएं। यहां के नजारे खूबसूरत तो हैं ही यहां का तापमान भी गर्मियों में काफी कम होता है। ऐसे में आप गर्मी से राहत पाने के लिए इस शहर का रूख कर सकते हैं। सोलन को भारत की मशरूम सिटी भी कहते हैं।

औली

शिमला और मनाली में ज्यादातर टूरिस्ट जाते हैं। ऐसे में आप इन भीड़ वाली जगहों को छोटकर औली की सैर कर सकते हैं। यहां पर सर्दियों के मौसम में काफी सारी एक्टिविटीज की जा सकती हैं। वहीं गर्मियों में भी यहां पर काफी सारी चीजें हैं फैमिली के साथ एंज्वॉय करने के लिए।

मणिकरण

पार्वती वैली के पास बसा छोटा सा शहर है मणिकरण, जो सिख लोगों का प्रमुख तीर्थस्थल है। इसके साथ ही यहां पर खूबसूरत नजारे हैं। जिसे देखने के लिए आप परिवार के साथ जा सकते हैं। टूरिस्ट और ट्रैकर्स इस जगह को काफी पसंद करते हैं। यहां का तापमान गर्मियों में भी काफी कम रहता है।

मुक्तेश्वर

उत्तराखंड के इस छोटे से हिल स्टेशन पर 350 साल पुराना मुक्तेश्वर धाम मंदिर भी है। जहां पर आप परिवार के साथ आसानी से जा सकते हैं नैनीताल से 72 किमी की दूरी में बसे इस हिल स्टेशन पर शानदार नजारें। जिसका लुत्फ आप हर मौसम में उठा सकते हैं।

वीगन डाइट फॉलो कर रहे हैं तो बनाकर पीएं ये पेय,आसान हैं रेसिपी

वीगन एक ऐसी डाइट है, जो पूरी तरह से पत्तेदार चीजों पर आधारित होती है और इसमें जानवर या जानवरों से उत्पादित खाद्य पदार्थों को शामिल नहीं किया जाता है। इसलिए वीगन डाइट फॉलो करने वाले लोगों को अक्सर लगता है कि उनके पास तरह-तरह के पेय के विकल्प नहीं है। हालांकि ये बात सच नहीं है। आइए आज हम आपको पांच ऐसे पेय की रेसिपी बताते हैं, जिनका सेवन वीगन डाइट वाले बेझिझक कर सकते हैं।

खजूर और बादाम के दूध का मिल्कशेक

यह वीगन मिल्कशेक ब्रेकफास्ट के लिए एकदम सही है क्योंकि यह आपको तुरंत ऊर्जा प्रदान करेगा और आपका पेट लंबे समय तक भरा हुआ रखेगा। यह स्वस्थ और पौष्टिक पेय फाइबर, मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे पोषक तत्वों से समृद्ध है। इसे बनाने के लिए आधा कप खजूर और बादाम के दूध को ब्लेंडर में डालकर अच्छे से ब्लेंड करें, फिर इस पेय को एक गिलास में डालें और इसके ऊपर कटे हुए सूखे मेवे गार्निश करके इसका सेवन करें।

वीगन हॉट चॉकलेट

यह वीगन हॉट चॉकलेट फाइबर में उच्च और कैलोरी में कम होता है। इसे बनाने के लिए एक कटोरी में चीनी, स्टार्च, नमक और कोको

पाउडर को मिलाएं, फिर एक सॉस पैन में सोया दूध को गर्म करके उसमें कुछ बूंद वनिला एसेंस की डालें। अब कोको मिश्रण में थोड़ा गर्म दूध मिलाएं, फिर कोको मिश्रण को दूध के पैन में डालें और पांच मिनट तक उबालें और इसे 10-15 मिनट के बाद गिलास में डालकर पीएं।

तुलसी और मिक्स फ्रूट का जूस

अगर आप वीगन डाइट पर हैं तो यह आपके लिए एक रिफ्रेशिंग पेय साबित होगा क्योंकि यह पेय पानी की मात्रा से भरपूर है और हर मौसम में आपको हाइड्रेटेड और तरोताजा रखेगा। इसे बनाने के लिए लेमनग्रास की पत्तियां, अनार के दाने, तुलसी की पत्तियां, तरबूज का गूदा, दालचीनी, नमक और संतरे का जूस ब्लेंडर में डालकर अच्छे से ब्लेंड करें। अब इस पेय को एक गिलास में बर्फ के टुकड़ों के साथ डालें और इसका सेवन करें।

वीगन आम की लस्सी

वीगन आम की लस्सी गर्मियों के मौसम में एक बेहतरीन पेय है क्योंकि यह पौष्टिक, ताजा, कोलेस्ट्रॉल में कम और वजन घटाने में मदद कर सकता है। इसे बनाने के लिए ताजे पके आमों को काट लें, फिर इसे वीगन दही, अदरक, नींबू का रस, हल्दी और ठंडे बादाम के दूध के साथ ब्लेंड करें। इसके बाद इस पेय को एक गिलास में डालकर इसमें शहद मिलाएं और इसका सेवन करें।

वीगन चाय लाट्टे

इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में दो गिलास पानी गर्म करके उसमें थोड़ी दालचीनी, काली मिर्च, इलायची और सौंफ को उबालें, फिर इसमें एक दो टी बैग्स डालकर इसे 20 मिनट तक दोबारा उबालें। अब इस पेय को एक गिलास में छान लें, फिर इस चाय को छोटे कप में डालकर इसमें काजू का दूध मिलाएं। इसके बाद इस चाय को हल्का गर्म करें, फिर इसमें स्वादानुसार कोकोनट शुगर मिलाकर इसे पीएं।

रूसी मिसाइलों के हमले में कई स्कूल बर्बाद,तीन शव बरामद,18 घायल

कीव , 22 जुलाई 2022। यूक्रेन के आपातकालीन कर्मियों ने देश के पूर्व में रूसी हमले की चपेट में आए एक स्कूल से तीन शव बरामद किए हैं। यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खार्किव के घनी आबादी वाले इलाके में गुरुवार को एक बैराज में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और 23 अन्य घायल हो गए। वहीं, शुक्रवार को एक अहम समझौते की उम्मीद है जिसके तहत यूक्रेन को काला सागर के जरिए अनाज निर्यात करने की अनुमति मिलेगी।

रूस की कई इलाकों पर कब्जा करने की योजना

फिलहाल यूक्रेन में युद्ध से राहत के कोई संकेत नहीं हैं। रूस ने इस सप्ताह पूर्वी यूक्रेन से परे क्षेत्रों को जब्त करने की अपनी योजना को दोहराया है, जहां रूसी सेना ने डोनबास क्षेत्र को जीतने की कोशिश में महीनों बिताए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति के कार्यालय ने कहा कि डोनेस्तक प्रांत के क्रामाटोर्स्क में रूसी गोलाबारी में एक स्कूल बर्बाद हो गया और 85 आवासीय भवन क्षतिग्रस्त हो गए। यूक्रेन की राज्य आपात एजेंसी ने कहा कि उसे यहां तीन शव मिले हैं। स्कूलों और अस्पतालों पर रूसी हमले बहुत दर्दनाक हैं और शांतिपूर्ण शहरों को खंडहर में तब्दील करने के अपने वास्तविक लक्ष्य को दर्शाते हैं।

रूसी अधिकारी का दावा, हमले में 300 से अधिक यूक्रेनी सैनिक मारे गए

हालांकि, रूसी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल इगोर कोनाशेनकोव ने कहा कि रूसी हमले में 300 से अधिक यूक्रेनी सैनिक मारे गए हैं जिन्होंने क्रामाटोर्स्क में स्कूल नंबर 23 की इमारत को अपने अड्डे के रूप में इस्तेमाल किया था। उन्होंने कहा कि एक और हमले में दक्षिणी शहर मायकोलिव के औद्योगिक क्षेत्र में एक युद्ध सामग्री डिपो को नष्ट कर दिया गया। अधिकारी ने यह भी कहा कि रूसी सेना ने 5 से 20 जुलाई के बीच अमेरिका द्वारा आपूर्ति किए गए चार हिमार्स (॥ढ्ढरूक्रस्) मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर को नष्ट कर दिया। अमेरिका ने कहा कि उसने 12 हिमार्स सिस्टम की आपूर्ति की है और चार और देगा। यूक्रेनी सेना ने हिमार्स का उपयोग किया है, जिसकी रूसी और यूक्रेनी इन्वेंट्री में सोवियत-युग प्रणालियों की तुलना में उच्च रेंज और बेहतर सटीकता है।

यूक्रेन के अधिकारियों ने कहा कि मध्य यूक्रेन के निप्रो क्षेत्र में नवीनतम रूसी हमलों में तीन स्कूल नष्ट हो गए। सात रूसी मिसाइलों ने निप्रो क्षेत्र के छोटे से शहर अपोस्टोलोव पर हमला किया, जिसमें 18 निवासी घायल हो गए। क्षेत्रीय गवर्नर वैलेंटाइन रेज्निचेंको ने इस मूर्खतापूर्ण हमले की निंदा करते हुए कहा कि इसके पीछे कोई सैन्य लक्ष्य नहीं है। इस गोलाबारी की मंशा केवल लोगों को किनारे करने और उनमें दहशत व भय पैदा करने की है।

रूस ने दिए व्यापक युद्ध के संकेत,ब्रिटेन और अमेरिका बोले-यूक्रेन को देंगे हथियार

कीव/वाशिंगटन/लंदन, 22 जुलाई 2022। अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने पूर्वी दोनबास में भीषण युद्ध के बीच यूक्रेन को और अधिक रॉकेट प्रणालियां, गोला बारूद और अन्य सैन्य मदद देने की प्रतिबद्धता जताई है। उधर मॉस्को ने व्यापक स्तर पर युद्ध के संकेत दिए हैं। इस पर अमेरिका ने जहां यूक्रेन में सैन्य मदद बढ़ाने की घोषणा की वहीं ब्रिटेन ने कहा कि वह उसे 1,600 एंटी टैंक हथियारों की सप्लाई करेगा।

ब्रिटेन ने कहा है कि वह कीव को और भी घातक हथियार जल्द ही सप्लाई करने जा रहा है। दरअसल, रूस की योजना दोनबास के पूर्वी औद्योगिक क्षेत्र से परे और अधिक यूक्रेनी क्षेत्र पर कब्जा जमाने की है। इसे देखते हुए यूरोपीय आयोग ने ईयू सदस्यों से रूसी ऊर्जा पर निर्भरता दूर करने के लिए प्राकृतिक गैस की मांग कम करने की अपील की है। उधर, दुनियाभर के करीब 50 रक्षा नेताओं की डिजिटल बैठक खत्म होने के बाद अमेरिकी रक्षामंत्री लॉयड ऑस्टिन ने कहा कि सहयोगियों और साझेदारों को युद्ध खत्म करने के प्रयासों की ओर प्रतिबद्ध रखना 'कड़ी मेहनत' का काम होगा।

अमेरिकी सीनेट की समिति का भारत से रक्षा साझेदारी की मजबूती पर जोर

वाशिंगटन, 22 जुलाई 2022। अमेरिकी सीनेट की एक अहम समिति ने भारत के साथ रक्षा साझेदारी को मजबूत करने और खुफिया जानकारी एकत्रित करने, ड्रोन तथा चौथी और पांचवीं पीढ़ी के विमानों के क्षेत्र में वृहद सहयोग के जरिये इसे नए स्तर तक ले जाने का मांग की है। सीनेट की शक्तिशाली सशस्त्र सेवा समिति ने यह मांग ऐसे वक्त में की है जब एक सप्ताह पूर्व प्रतिनिधि सभा ने राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकार कानून (एनडीएए) के तौर पर एक विधायी संशोधन पारित किया जा चुका है। इसमें 'काउंटरिंग अमेरिकाज एडवर्सरीज थ्रू सैंक्शंस एक्ट' (सीएएटीएसए) के तहत दंडात्मक प्रतिबंधों से भारत को छूट दी गई है। सीनेट की समिति ने वित्त वर्ष 2023 के लिए राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकार कानून का अपना संस्करण पारित करते हुए इसमें 'भारत के साथ प्रमुख रक्षा साझेदारी बढ़ाने' पर जोर दिया है। इसमें खुफिया जानकारियां जुटाने, ड्रोनों व चौथी-पांचवीं पीढ़ी के विमानों के क्षेत्रों में वृहद सहयोग शामिल है। इसमें डिपो स्तर पर देखरेख, संयुक्त अनुसंधान एवं विकास, 5-जी और सर्द मौसम में रक्षा क्षमता बढ़ाने में सहयोग भी शामिल है।

इटली के प्रधानमंत्री मारियो द्रागी का इस्तीफा, साथी दल की बगावत के बाद गिरी सरकार

रोम ,21 जुलाई 2022। इटली में राजनीतिक अस्थिरता के बाद प्रधानमंत्री मारियो द्रागी ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने राष्ट्रपति से मिलकर उन्हें इस्तीफा सौंपा। इस्तीफा देने से पहले संसद में उन्होंने कहा कि वह राष्ट्रपति सर्जियो मात्तारेला को इस्तीफा देने जा रहे हैं। वह अपने गठबंधन को संभालने में कामयाब नहीं रहे। राष्ट्रपति ने द्रागी से कहा है कि जब तक चुनाव नहीं होते तब तक वह अंतरिम प्रधानमंत्री के तौर पर कार्य करें।

विक्रमसिंघे के राष्ट्रपति बनते ही सख्ती शुरू,उखाड़े गए प्रदर्शनकारियों के तंबू ,50 से ज्यादा घायल

कोलंबो , 22 जुलाई 2022। श्रीलंका में विक्रमसिंघे के राष्ट्रपति बनते ही प्रदर्शनकारियों पर सख्ती शुरू हो गई है। गुरुवार रात यहां ऐसी ही कार्यवाई देखने को मिली। सुरक्षाबलों ने विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों के अस्थाई शिविरों को नष्ट कर दिया गया। इस दौरान दोनों के बीच झड़प भी हुई, जिसमें 50 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। दरअसल, श्रीलंका में अभी भी बड़ी तादात में प्रदर्शनकार अपने घर नहीं लौटे हैं। उन्होंने राजधानी में ही अस्थाई तंबू बना लिए, जिनमें वह रहते हैं।

श्रीलंका के राष्ट्रपति सचिवालय के परिसर के बाहर नए श्रीलंकाई राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने के लिए सशस्त्र सैनिकों को तैनात किया गया था। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि सैकड़ों सुरक्षाकर्मी शुक्रवार त ड. क राजधानी में स र क ा र विरोधी धरना शिविरों में घुस आए और टेंटों को उखाड़ फेंका।

सशस्त्र बलों की कार्रवाई के बीच एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि रानिल विक्रमसिंघे हमें खत्म करना चाहते हैं लेकिन हम कभी हार नहीं मानेंगे। हम अपने देश को ऐसी घिनौनी राजनीति से मुक्त बनाना चाहते हैं। साथ ही कहा कि श्रीलंकाई राष्ट्रपति सचिवालय के परिसर के बाहर सशस्त्र सुरक्षाकर्मियों द्वारा प्रदर्शनकारियों के टेंटों को तोड़ा जा रहा है।

श्रीलंका अब तक के सबसे बड़े आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। इस अनिश्चितता के बीच, देश भर के श्रीलंकाई लोग कोलंबो में पासपोर्ट कार्यालय में एक नया पासपोर्ट प्राप्त करने या अपने पुराने को नवीनीकृत करने के लिए हफ्तों से लाइन में लगे हैं और इस संकटग्रस्त देश से बाहर निकलने के लिए बेताब हैं।

पासपोर्ट रैंकिंग में पाकिस्तान बहुत पीछे, जापान शीर्ष पर, भारत को मिला 87वां स्थान

वाशिंगटन, 22 जुलाई 2022। किसी भी देश की अंतरराष्ट्रीय ताकत वहां की पासपोर्ट रैंकिंग से देखी जाती है और इसमें पाकिस्तान को 109वें स्थान से ही संतोष करना पड़ा है। 199 देशों में एक बार फिर जापान की पासपोर्ट रैंकिंग शीर्ष पर है, जबकि अफगानिस्तान इसमें सबसे निचली पायदान पर है। भारत 87वें स्थान पर है।

पासपोर्ट रैंकिंग जारी करने वाले संगठन हेनली एंड पार्टनर्स ने 2022 के लिए हेनली पासपोर्ट इंडेक्स जारी किया है। यदि दुनिया में आतंकवाद की फैक्ट्री बने पाकिस्तान की बात करे तो वह विश्व का चौथा सबसे कमजोर पासपोर्ट रखने वाला देश है। पाकिस्तान की प्रतिष्ठा दुनिया में इतनी खराब है कि उसका पासपोर्ट रखने वाले व्यक्ति को सिर्फ 32 देशों में बिना वीजा के जाने की अनुमति है।

पाकिस्तान से बाद आखिरी पायदान में सिर्फ 3 देश बचे हैं जिनमें सीरिया (110) इराक (111) और अफगानिस्तान (112) नंबर पर हैं। जापान के नागरिक जहां बिना नागरिक वीजा के 193 देशों में यात्रा कर सकते हैं। सूची में जापान के बाद सिंगापुर और दक्षिण कोरिया (192) का साझा दूसरा नंबर है। जर्मनी व स्पेन (190) तीसरे नंबर पर रहे हैं।

भारत चार पायदान फिसला

रैंकिंग में भारत की रैंकिंग 4 पायदान फिसलकर 87वें स्थान पर जा पहुंची है। इसी साल की शुरुआत में जारी इंडेक्स में भारत 83वें पायदान पर था और देश के नागरिक 60 देशों में वीजा फ्री यात्रा कर सकते हैं। भारत के साथ ही तजाकिस्तान और मौरीटानिया को भी यही रैंकिंग मिली है। चीन इस मामले में भारत से थोड़ा आगे है, उसके लिस्ट में 69वां स्थान मिला है और उसका पासपोर्टधारी व्यक्ति 80 देशों में बिना वीजा के घूम सकता है।

जापान इसलिए रहा शीर्ष पर

जापान के पहले नंबर पर आने की वजह यह है कि जापानी लोग शांति पसंद होते हैं और लड़ाई झगड़े से दूर रहते हैं। वे केवल बिजनेस या घूमने के मकसद से दूसरे देश की यात्रा करना पसंद करते हैं। साथ ही यात्रा पर खुलकर खर्च भी करते हैं।

अब वायरस से होगा खून बहने का इलाज, ब्रिटिश डॉक्टरों ने जन्म से बीमार मरीज का किया सफल इलाज

लंदन, 22 जुलाई 2022। हीमोफीलिया-बी यानी रक्तस्राव की बीमारी का इलाज अब एक वायरस के जरिए हो सकेगा। ब्रिटिश चिकित्सकों ने शोधों के बाद दावा किया है कि वायरस के माध्यम में उन्होंने जन्म से ही हीमोफीलिया-बी से पीड़ित मरीज को पूरी तरह ठीक करने में सफलता पाई है।

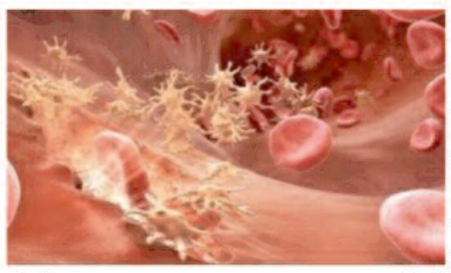

लंदन के यूनिवर्सिटी कॉलेज के चिकित्सकों ने जन्म से हीमोफीलिया से जूझ रहे इलियट मैसन नामक व्यक्ति के लिए प्रयोगशाला में ट्रांसफॉर्मेशनल थेरैपी के जरिये एक ऐसा वायरस तैयार किया, जो शरीर में विशेष तरह का प्रोटीन बनाने में सक्षम है। यह वायरस एक माइक्रोस्कोपिक पोस्टमैन की तरह काम करता है, जो फेफड़ों से होकर जो प्रोटीन को लिवर तक पहुंचाता है। इसके बाद शरीर में थक्के बनाने वाला प्रोटीन अपना काम शुरू कर देता है। इस वायरस को रोगी के शरीर में पहुंचाने में लगभग एक घंटे का समय लगा।

उसे रोजाना इसकी खुराक दी जाती थी। परीक्षण के दौरान यह थेरैपी पूरी तरह से कारगर रही। इसके बाद वह पूरी तरह से स्वस्थ है। दरअसल, रोगी के शरीर में एक विशेष प्रोटीन पर्याप्त मात्रा से अधिक था, जो क्लॉटिंग फैक्टर-9 बनाता है। फैक्टर-9 शरीर में बनने वाले क्लॉटिंग प्रोटीन में से एक है। यह चोट लगने पर अतिरिक्त खून के बहाव से बचाता है। इलियट को एक ऐसा वायरस दिया गया था, जो फैक्टर-9 में मौजूद नहीं था। चिकित्सकों के मुताबिक, इस थेरैपी की मदद से अगले तीन वर्षों में हीमोफीलिया वाले अधिकांश युवा वर्ग को ठीक किया जा सकता है।

आनुवांशिक बीमारी

हीमोफीलिया-बी आनुवांशिक बीमारी है, जिसके कारण शरीर में खून के थक्के जमने की प्रक्रिया धीमी पड़ जाती है और इस कारण से शरीर से बह रहा खून जल्दी रुक नहीं पाता है। लंदन यूनिवर्सिटी कॉलेज की प्रोफेसर प्रतिमा चौधरी ने कहा कि हमारे पास ऐसे बहुत से युवा रोगी आते हैं, मांसपेशियों, जोड़ों और मस्तिष्क जैसे अन्य कई महत्वपूर्ण अंगों से खून बहने की समस्या से जूझ रहे हैं।

10 में से 9 रोगियों पर असरदार

न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित निष्कर्षों के मुताबिक, परीक्षण के दौरान यह थैरेपी 10 में से नौ रोगियों को पूरी तरह से ठीक करने में कारगर रही। बकौल इलियट, अब ऐसा कुछ भी नहीं है जिसे करने के लिए मुझे सोचना पड़े। अब मैं फुटबॉल भी खेल सकता हूं।

न्यूयॉर्क में करीब एक दशक बाद पहले पोलियो के मामले की पुष्टि, रोगी को अस्पताल से मिली छुट्टी

वाशिंगटन, 22 जुलाई 2022। अमेरिका के न्यूयार्क में करीब एक दशक बाद पोलियो का पहला मामला सामने आया है। करीब दस वर्ष में पोलियो के पहले मामले की पुष्टि न्यूयॉर्क के रॉकलैंड काउंटी में हुई है। स्थानीय और राज्य के स्वास्थ्य अधिकारियों ने गुरुवार (स्थानीय समय) की इसकी घोषणा की।

20 वर्षीय व्यक्ति को जून में अस्पताल में भर्ती कराया गया था

द वाशिंगटन पोस्ट ने मामले की जांच कर रहे एक सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारी का हवाला देते हुए बताया कि एक 20 वर्षीय व्यक्ति को जून में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पोलियो एक वायरल बीमारी है जो तंत्रिका तंत्र को प्रभावित कर सकती है, जिससे मांसपेशियों में कमजोरी हो सकती है और कुछ मामलों में, इसके परिणामस्वरूप पक्षाघात (पैरालिसिस) या मृत्यु हो सकती है।

95 प्रतिशत लोगों में कोई लक्षण नहीं, फिर भी वे फैला सकते हैं वायरस

स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, ÷न्यूयॉर्क स्टेट डिपार्टमेंट ऑफ हेल्थ ने रॉकलैंड काउंटी के एक निवासी में पोलियो के एक पुष्ट मामले की घोषणा की गई।÷ इसमें आगे कहा गया है कि पोलियो से संक्रमित 95 प्रतिशत लोगों में कोई लक्षण नहीं है, फिर भी वे वायरस फैला सकते हैं।

रॉकलैंड काउंटी के स्वास्थ्य आयुक्त डॉ पेट्रीसिया श्नाबेल रूपर्ट ने कहा, ÷हम काउंटी में रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य और भलाई की रक्षा के लिए न्यूयॉर्क राज्य स्वास्थ्य विभाग और रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र के साथ मिलकर इस उभरती सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या से निपटने के लिए स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं और इस पर काम कर रहे हैं।÷

काउंटी के कार्यकारी अधिकारी एड डे ने अपने बयान में कहा कि ÷आप में से बहुत से लोग उस समय बहुत छोटे होंगे जब पोलियो फैला था, लेकिन जब मैं बड़ा हो रहा था तो इस बीमारी ने मेरे अपने सहित अन्य परिवारों में डर पैदा कर दिया था। तथ्य यह है कि टीका बनने के दशकों बाद भी यह आपको दिख रहा है इससे पता चलता है कि यह निरंतर बढ़ रहा है। इसलिए अपने बच्चे के लिए सही से सोचें और अपने समुदाय की भलाई करें और अपने बच्चे को अभी टीका लगवाएं।÷

रोगी को अस्पताल से मिली छुट्टी

द वाशिंगटन पोस्ट ने बताया कि रोगी को छुट्टी दे दी गई है और वह अपनी पत्नी और बच्चों के साथ घर पर रह रहा है। उसने आगे बताया कि वह व्यक्ति खड़ा होने में सक्षम है, लेकिन उसे चलने में कठिनाई हो रही है।

अब गुणवर्धने को पीएम बनाकर संकट दूर करना चाहते हैं विक्रमसिंघे

कोलंबो , 22 जुलाई 2022। श्रीलंका में इतने आंदोलनों, प्रदर्शनों और विद्रोह जैसे हालात के बावजूद सत्ता के खेल में रानिल विक्रमसिंघे की सियासत भारी पड़ रही है। राष्ट्रपति बनने के बाद उन्होंने अपने बचपन के साथी और स्कूल के सहपाठी दिनेश गुणवर्धने को देश का प्रधानमंत्री बना दिया है और दावा किया जा रहा है कि ये दोनों साथी मिलकर नई रणनीति के साथ श्रीलंका को मौजूदा आर्थिक संकट से उबारने की कोशिश करेंगे।

पिछले तीन महीने के जन विद्रोह और भीषण महंगाई से त्रस्त जनता के राष्ट्रपति भवन पर कब्जे के बाद भी यहां की सियासत का वही पुराना रंग ढंग नजर आ रहा है और लोग अब भी सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं। रातों रात प्रधानमंत्री से राष्ट्रपति बन गए रानिल विक्रमसिंघे को प्रदर्शनकारी पूर्व राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे का मोहरा बता रहे हैं और उनके खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। विपक्षियों का मानना है कि गोतबाया के राष्ट्रपति रहते रानिल विक्रमसिंघे उन्हीं के इशारों पर चलते रहे और अब जब गोटाबाया जनता के गुस्से से डरकर सिंगापुर भाग गए हैं तो रानिल विक्रमसिंघे ने राजपक्षे कुनबे को बचाने के लिए नया दांव खेला है। प्रदर्शनकारियों ने गुरुवार देर रात तक कोलंबो के गोलफेस पर जमा रहे और विक्रमसिंघे के खिलाफ नारेबाजी करते रहे। गोलफेस राष्ट्रपति सचिवालय के पास वो जगह है जहां आम तौर पर प्रदर्शनकारी जमा होते हैं और उन्हें वहां से आगे जाने से रोका जाता है। देर रात तक वहां की पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच रसाकशी चलती रही। बावजूद इसके राष्ट्रपति निवास में सियासत अपने तरीके से चलती रही।

दिनेश गुणवर्धने को प्रधानमंत्री बनाने के बाद रानिल विक्रमसिंघे ने प्रदर्शनकारियों से अपील भी की कि नई सरकार को काम करने का मौका दिया जाए, ताकि देश को कर्ज से उबारा जा सके और लोगों को महंगाई से बचाया जा सके। लेकिन प्रदर्शनकारी और खासकर मुख्य विपक्षी पार्टियों का गठबंधन ये मानने को तैयार नहीं हैं। उनका आरोप है कि विक्रमसिंघे को कमान सौंपने के पीछे राजपक्षे परिवार को भ्रष्टाचार की किसी भी जांच से बचाए रखना है। ये भी कहा जा रहा है कि गोटाबाया भले ही अभी देश के हालात को देखते हुए विदेश भाग गए हों, लेकिन मामला शांत होने के बाद उन्हें फिर से वापस लाने का रास्ता तलाशने का काम भी ये नई सरकार कर सकती है। विपक्ष इस मिलीभगत को बेनकाब करने पर उतारू है।

देश के आम लोग गंभीर बिजली संकट झेल रहे हैं। कम से कम 8 से 10 घंटे बिजली कटौती हो रही है। कीमतें अभी भी आसमान छू रही हैं। श्रीलंका पर कुल 35 बिलियन डॉलर का विदेशी कर्ज है जिसमें 10 फीसदी कर्ज़ अकेले चीन का है। दूसरी तरफ श्रीलंका के गंभीर बिजली संकट पर वहां के अखबार श्रीलंका मिरर ने लिखा है कि बहुत जल्द चार शिपमेंट फ्यूल लेकर कोलंबो पहुंच रहे हैं। हमें उम्मीद है कि नई सरकार इसके बाद भी फ्यूल का बंदोबस्त कर लेगी। इसकी वजह यह है कि अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ डील का एक बड़ा हिस्सा फ्यूल पर खर्च किया जा रहा है।

अब रानिल विक्रमसिंघे की ओर से दिनेश गुणवर्धने को प्रधानमंत्री बनाए जाने के बाद विरोधियों को नया मुद्दा मिल गया है। गुणवर्धने गोटाबाया के राष्ट्रपति रहते हुए सरकार में गृहमंत्री रह चुके हैं। शिक्षा मंत्री और विदेश मंत्री भी वो रह चुके हैं। अनुभवी तो हैं लेकिन देश को मौजूदा संकट से उबारने में विक्रमसिंघे के साथ मिलकर कितने कामयाब हो पाएंगे, इसमें विरोधियों को संदेह है। जाहिर है नई सरकार को कुछ वक्त तो देना ही होगा।

भाजपा किसान मोर्चा के द्वारा सीएसपीडीसीएल के विधुत वितरण केंद्र खड़गवां में तालाबंदी एवं जंगी प्रदर्शन

-राजेन्द्र कुमार शर्मा-

खड़गवां, 22 जुलाई 2022(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ प्रदेश के किसानों को हो रही खाद संकट और अघोषित बिजली कटौती के अलावा विभिन्न समस्याओं का तत्काल निराकरण के लिए भाजपा किसान मोर्चा के द्वारा सहकारी सेवा समिति खड़गवां एवं सीएसपीडीसीएल के विद्युत वितरण केंद्र खड़गवां में तालाबंदी एवं जंगी प्रदर्शन किया गया।

इस दौरान भाजपा किसान मोर्चा छत्तीसगढ़ के प्रदेशाध्यक्ष श्याम बिहारी जायसवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान राज्य है और छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार किसानों को जिस प्रकार किसानी कार्यों के प्रारंभिक चरण में प्रताड़ित कर रही है वह दुर्भाग्यपूर्ण है। क्योंकि एक किसान खेती प्रारंभ करने से पूर्व साख समिति पहुंचता है और वहां से खाद व कर्ज लेता है व खाद की व्यवस्था सुनिश्चित करता है। किंतु आज साख समितियों में खाद की आपूर्ति नहीं किए जाने के चलते किसान चिंतित है। ऐसी दशा में वह प्राइवेट संस्थानों से खाद की खरीदी करने हेतु मजबूर हैं। जहां से कालाबाजारी स्वरूप दुगुने व तिगुने दामों पर खाद की खरीदी हेतु बाध्य है। आगे श्री जायसवाल ने कहा कि वहीं सरप्लस बिजली उत्पादन वाले राज्य में बिजली की अघोषित कटौती से किसान अलग चिंतित है, कहीं दिनभर तो कहीं सप्ताह पंद्रह दिनों तक आपकी किसानी बिजली बंद की शिकायतें रहती है। इन दोनों विषयों को लेकर प्रदेश के किसान साथी अत्यंत चिंतित व प्रताड़ित है। भाजपा किसान मोर्चा राज्यपाल महोदया से मांग करते हुए किसानों को राहत

प्रदान करने हेतु राज्य सरकार को आदेशित करें। उन्होंने अपनी मांग करते हुए कहा कि प्रदेश में रासायनिक खाद की कमी को दूर कर किसानों को सोसायटियों के माध्यम से पर्याप्त प्रदाय किया जाए। किसानी बिजली लाईन अटल ज्योति व ग्रामीण क्षेत्रों में बार बार अघोषित रूप से व कई दिनों तक बिजली कटौती समाप्त किया जाए। सरप्लस बिजली उत्पादन वाले राज्य में इस प्रकार बिजली के लिए ग्रामीणों को प्रताड़ित करना बंद करे सरकार। वर्मी कम्पोस्ट के नाम पर किसानों से की जाने वाली लूट बंद हो। राज्य की काँग्रेस सरकार में किसानों के तकरीबन 70 हजार पंप कनेक्शन स्थायी हेतु लंबित है। जिनके डिमांड भुगतान हो चुके है। किसानों को स्थायी बोर कनेक्शन प्रदान किया जाय। कांग्रेस सरकार ने अपने जनघोषणा पत्र में 2 साल का बोनस देने का वादा किया था। किसानों को 2 साल का लम्बित बोनस प्रदान करें। किसानों को पूर्व के भाजपा सरकार में मिलने वाली विभिन्न सब्सिडी वाली योजनाएं तात्कालिक सरकार ने बन्द कर रखी है। जिसे प्रारम्भ किया जाए। राज्य सरकार ने विगत दो सालों से किसानों के बारदानों में धान खरीदी तो की है, किन्तु उसका भुगतान अब तक किसानों को नहीं किया गया। राज्य सरकार जल्द किसानों को बारदानों का पैसा प्रदाय करें। राजीव गाँधी न्याय योजना के तहत किसानों को विगत दो सालों से जो अंतिम क़िस्त दिया गया उसमें 30 से 50 रुपये प्रति क्विंटल की दर से कम भुगतान हुआ। यह राशि छोटी है किंतु पूरे प्रदेश में यह लगभग 1 हजार करोड़ का घोटाला है। जब बजट प्रस्तावित होता है। तो यह कटौती क्यों होती है जाँच का विषय है। इन सभी मांगो का पत्र सहकारी समिति प्रबंधक व विद्युत वितरण केंद्र खड़गवां के कनिष्ठ अभियंता को सौंपा गया।

इस दौरान भाजपा जिला संगठन प्रभारी प्रबल प्रताप सिंह जूदेव, जिलाध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल, पूर्व मंत्री भैयालाल राजवाड़े, पूर्व विधायक दीपक पटेल, मुकेश जायसवाल, राहुल सिंह, अंचल राजवाड़े, धर्मपाल सिंह, जनार्दन साहू, धनंजय पांडेय, सतनारायण सिंह, गोमती द्विवेदी, प्रदीप सलूजा, श्रीमती रानी गुप्ता, संजय सिंह, रामलाल साहू, रामप्रताप साहू, रमेश जायसवाल, संतोष सिंह, सहित भाजपा के खड़गवां व चिरमिरी मंडल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चर्च निर्माण को लेकर भाजपाइयों ने हिंदूवादी संगठनों के साथ मिलकर नगर निगम का घेराव कर किया प्रदर्शन

-नगर संवाददाता-

कोरबा,22 जुलाई 2022(घटती-घटना)। कोरबा में चर्च निर्माण को लेकर भाजपाइयों ने हिंदूवादी संगठनों के साथ मिलकर नगर निगम का घेराव कर दिया। नगर निगम पर निर्माण कार्यों पर कार्यवाही नहीं करने का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया गया है। इस दौरान सड़क पर दुपहिया वाहनों को खड़ा कर आवागमन भी बाधित कर दिया गया । नगर निगम के साकेत परिसर के भीतर घुसने के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं के द्वारा जोर आजमाइश की गयी ढ़ वहीं प्रदर्शन को नियंत्रित करने में पुलिस बल काफी मस्सक्कत करनी पड़ी तढ़ाकि मौके पर तनाव के हालात निर्मित न हो ढ़ नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवाल का कहना है कि वार्ड 12 (शारदा विहार-अमरैयापारा) के श्री कृष्ण मंदिर के सामने निर्माणाधीन चर्च का विरोध हो रहा है।जबकि चर्च का निर्माण ऐसे वार्ड में किया जा रहा है, जहां क्रिश्चियन समुदाय के लोग ही नहीं रहते , जिससे यह आशंका जताई जा रही है कि, भविष्य में धन के प्रलोभन द्वारा धर्मांतरण करने का प्रयास निश्चित ही किया जा सकता है। प्रदर्शन के दौरान भाजपा,हिंदूवादी संगठनों के प्रदर्शनकारी रोड जाम कर नारेबाजी करने लगे। प्रदर्शन के दौरान कुछ प्रदर्शनकारी महिला पुलिसकर्मियों के साथ बदतमीजी करते नजर आए मामला कुछ भी हो, पर सच तो यह है के जैसे जैसे विधानसभा चुनाव पास आता जा रहा है,वैसे वैसे राजनीति के मायने भी बदलने लगे और छेत्र की आम नागरिक इन मुसीबतों को झेलने में मजबूर है।

बड़े दैत्याकार होर्डिंग से रेलवे की सुरक्षा खतरे में:सिन्हा

-राजा मुखर्जी-

कोरबा,22 जुलाई 2022(घटती-घटना)।

सामाजिक कार्यकर्ता विनोद सिन्हा ने जारी एक बयान में बताया कि कोरबा नगर पालिक निगम पिछले 4 वर्षों से होर्डिंग टेंडर नहीं होने से नगर निगम को प्रतिवर्ष करोड़ों की राजस्व की क्षति हो रही है या क्षति जानबूझकर एक सुनियोजित है, जिस का पर्दाफाश करते हुए सिन्हा ने बताया कि पिछले 4 वर्षों से रायपुर के एक फॉर्म द्वारा 15 वर्षों के लिए अधिकतम 5 नग यूनीपोल लगाने की निविदा ली गई थी, जिसके बाद से शासकीय भूमि में होर्डिंग लगाए जाने का टेंडर स्वीकृत नहीं किया जा रहा है। इसका मूल कारण यह है कि, अपसेट प्राइस ज्यादा रखा जाता है, ताकि निगम में स्थानीय होर्डिंग टेंडर लेने वाले कभी सफल ना हो सके केवल एक ही फार्म की मनुपली हमेशा चलती रहे। इसी उद्देश्य से नगर निगम में होर्डिंग का काम चल रहा है, जो नगर निगम के लिए अभिशाप सिद्ध हो रही है क्योंकि जितने आमदनी रायपुर के फार्म से है उसका 10 गुना आमदनी स्थानीय टेंडर से निगम को प्राप्त होती यानी राजस्व करोड़ों का प्राप्त होता । लेकिन ऐसा नहीं हो रहा । कोरोना काल का बहाना बनाकर स्थानीय टेंडर रोक दी गई है, अगर की जाती है तो एक अपसेट प्राइस रखने के कारण स्थानीय होर्डिंग टेंडर लेने में असमर्थ रहते हैं। सिन्हा ने आगे बताया कि ,एक ही फार्म रायपुर के द्वारा पिछले वर्ष 30 से 40 नए होर्डिंग लगाए गए हैं, जिसकी अनुमति तत्कालीन आयुक्त नगर पालिक निगम कोरबा ने दिया है । लगाए गए नए होर्डिंग का स्थान शासकीय भूमि ना होकर सार्वजनिक उपक्रमों की भूमि पर लगाई गई है ढ़ स्थानों का चयन अनापत्ति लिए बिना खतरे वाले जगह पर विशालकाय होर्डिंग लगा दिया गया है, जो खतरे का सूचक है ढ़ नए लगाए गए 30- 40

होर्डिंग का ना तो निविदा मंगाई गई ना तो स्थल सत्यापित किया गया । इससे प्रतीत होता है कि एक फार्म को लाभ पहुंचाने के लिए नियम विरुद्ध एवं बिना औपचारिकता पूरी किए टेंडर दी गई है। सिन्हा ने आगे बताया कि जिन खतरनाक जगह पर विशालकाय होर्डिंग लगाए गए हैं उदाहरण के तौर पर सुभद्रा कॉम्प्लेक्स व पाममॉल के सामने ,रेलवे ट्रैक के किनारे, सीएसईबी बाल्को की कोयला माल गाड़ी ढूलाई उस ट्रैक पर होती है रेलवे ट्रैक के किनारे अनेकों होर्डिंग लगा दिए गए हैं । इसमें शासकीय नियमों की घोर उल्लंघन किया गया है, क्योंकि अनापत्ति प्रमाण पत्र रेलवे, सीएसईबी तथा बालकों से लिए बिना रेलवे ट्रैक के किनारे हार्डिंग लगाना नियम विरुद्ध व गैरकानूनी है । बालकों से अनापत्ति प्रमाण पत्र लिए ट्रैक के किनारे विशालकाय होर्डिंग लगाने से कभी भी छत्तीसगढ़ में अंधकारमय हो सकती है, क्योंकि रेलवे ट्रैक के ऊपर बिजली से चलने वाली ट्रेन का कनेक्शन पूरे रेलवे के छत्तीसगढ़ के सभी रेलवे स्टेशन से बिजली कनेक्शन संबंधित है । अगर विशालकाय होर्डिंग आंधी तूफान आदि के समय अगर ध्वस्त होता है तो ,रेलवे ट्रैक पर मालगाड़ी की रुकावट तो होगी ही, साथ ही साथ अगर रेलवे की विद्युत तार में अगर टकराता है तो पूरे छत्तीसगढ़ में रेल यातायात ठप हो सकता है। इस तरह की गैर जिम्मेदाराना नगर निगम ने होर्डिंग की अनुमति कैसे दी ,इसकी जांच स्वयं मुख्यमंत्री महोदय सक्षम एजेंसीयो से जांच कराने की मांग सिन्हा ने की है तथा रेलवे ट्रैक के किनारे नियम विरुद्ध लगाए गए विशालकाय होर्डिंग को तत्काल हटाते हुए नगर निगम के सक्षम अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग भी की है।

टूल्लू पम्प चोर गिरफ्तार

-नगर संवाददाता-

सूरजपुर 22 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।

शुक्रवार को ग्राम बेलटिकरी निवासी नरेश राजवाड़े पिता उमाशंकर ने थाना सूरजपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 21 जुलाई के रात्रि में खेत में सिचाई के लिए लगाए गए 2 एचपी का टूल्लू पम्प को कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया कि रिपोर्ट पर धारा 379 के तहत मामला पंजीबद्व किया गया।

थाना सूरजपुर की पुलिस अज्ञात चोर की पतासाजी में लगी थी इसी बीच संदेही जगधारी सिंह पिता मोहन सिंह उम्र 28 वर्ष ग्राम बेलटिकरी को पकड़ा गया, पूछताछ पर उसने बताया कि अपने साढू रामअवतार के साथ मिलकर टूल्लू पम्प चोरी करना स्वीकार किया जिसके बाद पुलिस ने रामअवतार पिता स्व. मंगल साय उम्र 30 वर्ष निवासी अमगांव, थाना रामानुजनगर को घेराबंदी कर पकड़ा गया। आरोपियों के निशानदेही पर टूल्लू पम्प कीमत 15 हजार रूपये का जप्त कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी सूरजपुर प्रकाश राठौर, प्रधान आरक्षक ऐसन पाल, आरक्षक दीपक दुबे, राजकुमार पासवान व सैनिक जहांगीर आलम सक्रिय रहे।

56 हजार रूपये के नशीली कफ सिरप सहित 2 गिरफ्तार

-नगर संवाददाता-

सूरजपुर 22 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देश के बाद अवैध कारोबार करने वालों पर पुलिस की लगातार ताबड़तोड़ कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में थाना झिलमिली पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि उत्तरप्रदेश से दो व्यक्ति मोटर सायकल में नशीली दवाई लेकर बिहारपुर होते हुए सूरजपुर की ओर जा रहे है।

एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी के मार्गदर्शन में शुक्रवार को थाना झिलमिली की पुलिस ने ग्राम जमड़ी में घेराबंदी कर मोटर सायकल सहित मोहित मिश्रा पिता रामबली उम्र 27 वर्ष निवासी बीजपुर,

सोनभद्र उत्तरप्रदेश एवं विकास उपाध्याय पिता स्व. राधेश्याम उपाध्याय उम्र 28 वर्ष निवासी ग्राम नेमना, थाना बीजपुर, सोनभद्र उत्तरप्रदेश को पकड़ा जिनके कब्जे से ऑनरेक्स कफ सिरप 112 नग जप्त किया गया जिसकी बाजारू कीमत करीब 56000 रूपये है। मामले में नशीली कफ सिरप व परिवहन में प्रयुक्त मोटर सायकल जप्त कर धारा 21(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर दोनों आरोपियों गिरफ्तार किया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी झिलमिली नरेन्द्र सिंह, एसआई सी.पी.तिवारी, एएसआई धनेश्वर कुशवाहा, प्रधान आरक्षक सुशील तिवारी, हितेश्वर राजवाड़े, महेन्द्र यादव, आरक्षक नोबिन, भीमेश आर्मो, अवधेश पैंकरा, दिलपाल कसेरा, राजु कुमार, चन्द्रदेव मरावी, युवराज सिंह, रौशन सिंह व अचल गुप्ता सक्रिय रहे।

कलेक्टर के पहल से तालाब में डूबकर पोता-पोती सहित दादी की मौत पर शोक में डूबे परिजनों को मिला आर्थिक सहायता

-नगर संवाददाता-

कोरबा,22 जुलाई 2022(घटती-घटना)।

जिला मुख्यालय से लगभग 45 किलोमीटर दूर वनांचल क्षेत्र करतला में यह घटना हुई। यहां निवासरत बेलाल कंवर 55 वर्ष अपने पुत्र विजेंद्र सिंह व बहू के साथ खेत में काम करने चला गया था। उसकी पत्नी सुरुज बाई कंवर 50 साल, पोती जाह्नवी आठ वर्ष, पोता अखिल पांच वर्ष घर पर थे। सुबह करीब 9:30 बजे सुरुज बाई भी पोता- पोती को लेकर जंगल की तरफ पुटू तोड़ने चली गई। गांव के निवासी ननकी राठिया तालाब पहुंचा, तब उसे पानी में सुरुज बाई व उसके पोता-पोती का शव दिखाई दिया। इसकी जानकारी उसने समीप ही खेत में काम कर रहे देवेंद्र राठिया को दी। बाद में इस घटना की सूचना करतला थाना में दी गई। जानकारी मिलते ही काफी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ घटनास्थल पर लग गई। इधर सूचना पर सहायक उपनिरीक्षक विनोद खांडे टीम के साथ स्थल पर पहुंचे और शव को पानी से बाहर निकलवाया। पंचनामा व

अन्य वैधानिक कार्रवाई के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस को तालाब के समीप ही एक लाल रंग के झोले में पुटू मिला। करतला थाना प्रभारी राजेश चंद्रवंशी ने आशंका व्यक्त करते हुए कहा कि, पुटू तोड़ने के बाद तीनों हाथ पैर धोने तालाब में गए होंगे और इस बीच कोई एक पानी में डूबने लगा, तब उसे बचाने के चक्कर में तीनों एक एक कर पानी में डूब गए होंगे। उन्होंने कहा कि पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है ढ़ वैधानिक कार्रवाई के बाद शव को अंतिम संस्कार के लिए स्वजनों को सौंप दिया गया।मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर संजीव झा की संवेदनशीलता और तत्परता से शोक में डूबे परिवार को 24 घंटे के भीतर 12 लाख रुपये की सहायता राशि प्राप्त कराई गई । एक ही परिवार में तीन लोगों की मृत्यु होने पर प्राकृतिक आपदा में क्षतिपूर्ति के तहत चार लाख रुपये प्रति सदस्य के हिसाब से कुल 12 लाख रुपये की राशि परिवार के मुखिया के बैंक खाते में ट्रांसफर की गयी । सहायता राशि मिलने से दादी और उनके पोता-पोती की मृत्यु से शोक में डूबे परिजनों को दुःख की इस घड़ी में आर्थिक राहत मिलेगी।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा) चिरमिरी जिला-कोरिया (छ0ग0)

//उद्घोषणा//

रा0प्र0क्रं0/ /अ-2/2021-22

एतद् द्वारा सर्व साधारण ग्राम अखराडांड़ तहसील चिरमिरी जिला कोरिया (छ0ग0) को सूचित किया जाता है कि आवेदक विजय साहू आ0 रामबरन साहू जाति तेली निवासी ग्राम देवाडांड तहसील खड़गवां जिला कोरिया छ0ग0 द्वारा स्वयं की स्वामित्व की भूमि ग्राम अखराडांड़ तहसील चिरमिरी जिला कोरिया(छ0ग0) स्थित खसरा नं0 801/8 रकबा 0.08 हे0 भूमि का व्यवसायिक प्रयोजन के लिए भू-व्यपवर्तन किए जाने हेतु आवेदन पत्र, शपथ पत्र, नक्शा, खसरा, बी-1, मिसल अभिलेख,रिनम्बरिंग सूची,रजिस्ट्री की छायाप्रति,पंचायत का अनापत्ति पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव भू-व्यपवर्तन के संबंध में जिस किसी को भी कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में दिनांक 04/08/2022 को सायं 5.00 बजे तक आपत्ति पेश कर सकते हैं, निर्धारित समयावधि के बाद प्राप्त आपत्तियों पर कोई सुनवाई नहीं होगी।

आज दिनांक 14/07/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन को मुद्रा के अधीन जारी।

अनुविभागीय अधिकारी(रा)
चिरमिरी
जिला कोरिया (छ0ग0)

सील

-: कार्यालय पुलिस अधीक्षक, जिला-सरगुजा (छ0ग0):-
निविदा आमंत्रण सूचना

विज्ञप्ति क्रमांक/पुअ/सर/एसी-1/निविदा/578/2022, दिनांक 19/07/2022

छत्तीसगढ़ शासन के राज्यपाल की ओर से छ0ग0 शासन भण्डार क्रय नियम 2002 में उल्लेखित शर्तों के आधार पर निम्नलिखित मरम्मत कार्य हेतु पंजीकृत डाक (ए.डी.)/स्पीड पोस्ट के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है:-

निविदा कार्यक्रम निम्नानुसार है:-

01. निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन प्राप्ति की अंतिम तिथि-02.08.2022(सायं 05.00बजे तक)
02. निविदा प्रपत्र कार्यालय में प्राप्त होने की अंतिम तिथि- 01.09.2022 (अपरान्ह 03.00 बजे तक)
03. निविदा खुलने की तिथि- 01.09.2022 (सायं 04.00 बजे)

क्रं.	कार्य का नाम	कार्य की लागत	अमानत राशि टी.डी.आर.के रूप में	निविदा प्रपत्र का मूल्य	सक्षम ठेकेदार	कार्य पूर्ण करने का समय
01	थाना कमलेश्वरपुर में 04 नग बैरक का मरम्मत कार्य	14,25,000/- रूपए (चौदह लाख पचीस हजार रूपए)	10688/-	750.00	''ई'' वर्ग या ऊपर के श्रेणी	02 माह

नियम एवं शर्तें:-

01. निविदा से संबंधित आवश्यक नियम व शर्तें तथा अन्य विस्तृत जानकारियां कार्यालयीन अवधि में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
02. आवेदन पत्र के साथ राशि 750/- रूपए (रू. सात सौ पचास मात्र) का चालान **लेखा शीर्ष 0055 पुलिस शीर्ष 102 अन्य प्राप्तियां मद में** जमा कर चालान की मूल प्रति पुलिस अधीक्षक कार्यालय,अम्बिकापुर में प्रस्तुत कर निविदा प्रपत्र प्राप्त की जा सकती है,जो किसी भी दशा में वापसी योग्य नहीं होगा।
03. निर्धारित अंतिम तिथि के बाद प्राप्त निविदा मान्य नहीं होगी।
04. पुलिस अधीक्षक जिला सरगुजा को अंतिम अधिकार होगा कि वे बिना कारण बताए निविदा निरस्त कर सकते हैं एवं निविदा की तिथि में संशोधन कर सकते हैं या पुनः निविदा आमंत्रित कर सकते हैं।

जी नंबर-93144/2

पुलिस अधीक्षक
सरगुजा

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर जिला-सरगुजा छत्तीसगढ़

ईश्तहार

लखनपुर, दिनांक 18/07/2022

प्रति,
समस्त ग्रामवासी
ग्राम लोसंगा
तहसील लखनपुर

एतद द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका नानो बाई पति स्व0 नोहर साय निवासी ग्राम लोसंगा तहसील लखनपुर के द्वारा अपने (पति) स्व0 नोहर साय की मृत्यु दिनांक 10/08/2009 को हो जाने से (जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13(3) एवं छ0ग0 जन्म मृत्यु रिज0 नियम 2001 के नियम 9(3) के तहत मृत्यु प्रमाण-पत्र हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस पर दिनांक 04/08/2022 को सुनवाई की जानी है।

आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तिथि 04/08/2022 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त होने वाले दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

तहसीलदार
लखनपुर
जिला-सरगुजा (छ0ग0)

सील

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क्रं0- /अ-6/2021-22

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रविचन्द्र गुप्ता,बिन चन्द गुप्ता, शिव चन्द गुप्ता, दीप चन्द्र गुप्ता आ0 स्व0 बंशी केशरवानी निवासी-देवीगंज रोड, नगर अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा बताया गया कि उनके पिता स्व0 बंशी केशरवानी आ0स्व0बिशुन केशरवानी निवासी-देवीगंज रोड, अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के स्वामित्व व हक की मोहल्ला-देवीगंज रोड नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भू-खण्ड क्रमांक-852,853 रकबा 0.08,0.04 एकड़ भूमि है। बंशी केशरवानी आ0 स्व0 बिशुन केशरवानी निवासी-देवीगंज रोड अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ0ग0 की मृत्यु दिनांक 27.09.1997 एवं माता स्व0 फुलेश्वरी देवी पत्नी स्व0 बंशी केशरवानी की मृत्यु दिनांक 27.11.2009 को हो चुकी है।आवेदकगण बंशी केशरवानी आ0 स्व0 बिशुन केशरवानी के वैध वारिस हैं। अतः बंशी केशरवानी आ0 स्व0बिशुन के शरवानी की मृत्यु होने के कारण उनका नाम विलोपित किए जाने बाबत आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 109,110 छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-10/08/2022 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 15/07/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

सील

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0- /अ-20(3)/2021-22

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक तनवीर अहमद आ0 सिराज अहमद उर्फ सिराजुद्दीन आयु लगभग-59 वर्ष एव अन्य -02 सभी की जाति-मुसलमान निवासी मोहल्ला-मोमिनपुरा, नगर अम्बिकापुर,थाना व तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 द्वारा अपने संयुक्त स्वामित्व और अधिपत्य की स्थित नजूल भूमि मोहल्ला-पर्राडांड़ नगर अम्बिकापुर में स्थित नजूल भू-खण्ड क्रमांक-2484/11 रकबा - 1850.4 वर्गफीट भूमि वर्तमान नजूल अभिलेख में भू-धारक तनवीर अहमद,शोयब अहमद आ0सिराज उर्फ सिराजुद्दीन, तौसिफ अहमद आ0 ग्यास अहमद निवासी-मोमिनपुरा अम्बिकापुर के नाम पर संयुक्त रूप से अंकित है। आवेदकगण उपरोक्त वादभूमि को रूपयों की आवश्यकता होने के कारण अनावेदिका हमीदुन निशा, निवासी ग्राम-शिवनन्दनपुर, थाना-विश्रामपुर तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर छ0ग0को सदादिन के लिए विक्रय करना चाहते हैं के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रदान करने हेतु मेन्टेनेन्स खसरा एवं मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति सहित अनुरोध किया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-08/08/2022 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 22/07/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

सील

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0- /अ-6/2021-22

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विजय कुमार अग्रवाल आ0 कश्मीरी लाल अग्रवाल, आयु-56 वर्ष, जाति-अग्रवाल, निवासी मोहल्ला-सदर रोड नगर अम्बिकापुर थाना व तहसील-अम्बिकापुर जिला सरगुजा छत्तीसगढ़ के द्वारा छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता-1959 की धारा-110 के तहत इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है कि मोहल्ला-सदर रोड नगर अम्बिकापुर में स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक-2721/5 रकबा-0.03 एकड़ भूमि वर्तमान नजूल अभिलेख भू-धारक कश्मीरी लाल आ0 देवीशाह अग्रवाल,निवासी-सदर रोड, अम्बिकापुर के नाम पर अंकित है। वाद भूमि के भू-धारक कश्मीरी लाल अग्रवाल आ0 देवीशाह अग्रवाल की मृत्यु दिनांक 07/03/1991 को हो गई है,जो आवेदक के पिता थे। आवेदक उपरोक्त आवेदित वाद भूमि पर से मृतक भू-धारक कश्मीरी लाल आ0 देवीशाह अग्रवाल का नाम वर्तमान नजूल अभिलेख से विलोपित कर अपना नाम दर्ज किए जाने हेतु नजूल मेन्टेनेन्स खसरा एवं मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति सहित अनुरोध किया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-10/08/2022 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 22/07/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

सील

बीसीसीआई संविधान संशोधन मामले में 28 जुलाई को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली ,22 जुलाई 2022 । सुप्रीम कोर्ट 28 जुलाई को बीसीसीआई के संविधान में संशोधन की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई करेगा। मांगे गए संशोधन की अनुमति मिलने पर बोर्ड अध्यक्ष सौरव गांगुली, बोर्ड सचिव जय शाह और अन्य पदाधिकारी 2025 तक सत्ता में बने रह सकते हैं।

भारत के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमन्ना की अगुवाई वाली तीन जजों की पीठ ने वरिष्ठ वकील मनिंदर सिंह को इस मामले में नया न्यायमित्र नियुक्त किया है।

मनिंदर सिंह ने पीएस नरसिम्हा द्वारा पिछले साल खाली किए गए न्यायमित्र का पद संभाला, जिन्हें 2021 में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के पद पर पदोन्नत दिया गया था। बीसीसीआई के नए संविधान को अंतिम रूप देने और बोर्ड चुनावों की सुविधा के लिए प्रशासकों की समिति (सीओए) की मदद करने के लिए अदालत ने 2019 में न्यायमूर्ति नरसिम्हा को न्याय मित्र नियुक्त किया था, जिन्होंने अंततः 23 अक्टूबर 2019 को पदभार संभाला था। उन्होंने अदालत द्वारा नियुक्त सीओए द्वारा 30 महीने की निगरानी समाप्त कर दी गई, जिसने आरएम लोढ़ा समिति की सिफ़ारिशों का उपयोग करते हुए बीसीसीआई के नए संविधान का ड्राफ़्ट तैयार किया था, जिसे जुलाई 2016 में एक ऐतिहासिक फ़ैसले में अदालत द्वारा अनिवार्य किया गया था।

फिर अगस्त 2018 में न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ ने बीसीसीआई के नए संविधान को मंजूरी देते हुए एक निर्णय पारित किया। हालांकि पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली के नेतृत्व में वर्तमान बीसीसीआई प्रशासन ने बोर्ड के संविधान में संशोधन की मांग करते हुए अदालत में एक याचिका दायर की, जिसे अगर मंजूरी मिल जाती है, तो लोढ़ा समिति द्वारा किए गए महत्वपूर्ण सुधारों को वापस ले लिया जाएगा।

बीसीसीआई ने अप्रैल 2020 में एक दूसरा एप्लिकेशन दायर किया जहां उसने तर्क दिया कि अनिवार्य कूलिंग ऑफ़ पीरियड (तीन वर्ष) जिसे एक पदाधिकारी को लगातार दो कार्यकाल (छह वर्ष) पूरा करने पर सामना करना पड़ता है, इसकी समीक्षा करने की आवश्यकता है।

जस्टिस चंद्रचूड़ ने लोढ़ा समिति की सिफ़ारिश के आधार को बरक़रार रखते हुए अपने 2018 के फ़ैसले में कूलिंग ऑफ़ पीरियड क्लॉज़ (तीन साल से छह साल) को पहले ही बदल दिया था। उनके फ़ैसले ने एक पदाधिकारी को नौ साल (छह साल के बाद अनिवार्य कूलिंग ऑफ़ पीरियड) के अधिकतम कार्यकाल को बरक़रार रखते हुए राज्य संघ या बोर्ड या दोनों के संयोजन में अलग-अलग लगातार दो कार्यकाल (छह वर्ष) की सेवा करने की अनुमति दी।

इसके बजाय बीसीसीआई चाहता है कि इस विनिर्देश को बदल दिया जाए ताकि एक पदाधिकारी को एक बार में छह साल की सेवा (या तो बीसीसीआई या राज्य संघ) की अनुमति दी जा सके, बजाय इसके कि राज्य और बीसीसीआई स्तर पर भूमिकाओं का संयोजन भी शामिल हो।

जैसा कि स्थिति है, बोर्ड के सभी पांच पदाधिकारियों ने अपने-अपने राज्य संघों और बीसीसीआई में पदों पर रहते हुए पहले ही छह साल पूरे कर लिए हैं। जिनमें अध्यक्ष सौरव गांगुली, सचिव जय शाह, अरुण धूमल (कोषाध्यक्ष), जयेश जॉर्ज (संयुक्त सचिव) और राजीव शुक्ला (उपाध्यक्ष) शामिल हैं। हालांकि, कानूनी सलाह लेने के बाद, गांगुली प्रशासन अपने पोज़िशन पर बना हुआ है और चाहता है कि अदालत मांगे गए संशोधनों पर फ़ैसला करे।

परिणाम बीसीसीआई के लिए विभिन्न स्तरों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है, जिसमें बोर्ड के चुनाव भी शामिल हैं जो उस वर्ष के अंत में होने वाले हैं जब गांगुली का प्रशासन तीन साल का अपना पहला कार्यकाल पूरा करेगा।

वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचे नीरज चोपड़ा ने

88.39 मीटर दूर फैंका भाला

यूजीन ,22 जुलाई 2022 । टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन करने वाले नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर कमाल किया है। नीरज चोपड़ा ने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2022 में अपने पहले थ्रो में 88.39 मीटर की दूसरी तय कर फाइनल में प्रवेश कर लिया है।

रविवार को वह पदक के लिए भारतीय समयानुसार 7 बजकर 05 मिनट पर मैदान पर उतरेंगे। फाइनल के लिए ऑटोमेटिक क्वॉलीफाई करने के लिए खिलाड़ी को कम से कम 83.50 मीटर की दूरी तय करनी थी और नीरज ने इससे कई ज्यादा दूर तर कर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। नीरज चोपड़ा का थ्रो ग्रुप ए में शामिल अन्य प्रतियोगियों से बेस्ट था। उनसे ज्यादा दूरी कोई खिलाड़ी तय नहीं कर पाया।

रविवार को भारत के इस गोल्डन ब्वॉय की निगाहें अपने पहले सीनियर विश्व चैंपियनशिप पदक पर होगी। नीरज चोपड़ा के अलावा चेक गणराज्य के ओलंपिक रजत पदक विजेता जैकब वाडलेज भी 85.23 मीटर के अपने पहले प्रयास के थ्रो के साथ फाइनल में डायरेक्ट पहुंच गए हैं। इन दोनों के अलावा कोई भी खिलाड़ी 83.50 मीटर के मार्क को पार नहीं कर पाया।

अगर ओरेगॉन में नीरज चोपड़ा जीतते हैं तो वह 2008-09 में नॉर्वे के एंड्रियास थोरकिल्डसन के बाद ओलंपिक और विश्व खिताब जीतने वाले पहले पुरुष भाला फेंकने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे।

वहीं अगर नीरज रविवार को मेडल जीतने में कामयाब रहते हैं तो वह 19 साल का मेडल का सूखा खत्म कर देंगे। भारत को आखिरी बार वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 2003 में अंजू बॉबी जॉर्ज ने लंबी कूद में मेडल जिताया था। अंजू बॉबी जॉर्ज ने तब ब्रोन्ज मेडल पर कब्जा जमाया था।

पिछले महीने अपना 2022 सीजन शुरू करने वाले नीरज तीन टूर्नामेंट में दो बार राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ चुके हैं। उन्होंने इस सीजन की शुरुआत फिनलैंड के पावो नुर्मी खेलों में राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ते हुए सिल्वर मेडल जीतकर की थी।

इसके बाद उन्होंने कुओरटाने खेलों में गोल्ड मेडल, जबकि स्टॉकहोम डायमंड लीग में उन्होंने दोबारा राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ते हुए 89.94 मीटर के थ्रो के साथ दूसरा स्थान हासिल किया।

इंग्लैंड के टेस्ट कोच मैकुलम ने स्टोक्स के वनडे से संन्यास लेने के फैसले का समर्थन किया

लंदन ,22 जुलाई 2022 । इंग्लैंड के टेस्ट कोच ब्रेंडन मैकुलम ऑलराउंडर बेन स्टोक्स के वनडे से संन्यास लेने के फैसले को पूरी तरह सकारात्मक नजरिए से देखते हैं लेकिन वह इसको लेकर सुनिश्चित नहीं है कि क्रिकेट के व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए कहीं यह चलन नहीं बन जाए। विश्व कप 2019 के फाइनल के नायक स्टोक्स ने सोमवार को वनडे से संन्यास लेने की घोषणा करके सभी को चौंका दिया था। उन्होंने कहा था कि तीनों प्रारूपों में खेलना उनके लिए असंभव है। मैकुलम से जब पूछा गया कि क्या वह स्टोक्स के फैसले से खुश हैं तो उन्होंने कहा, ''हां मैं उनके फैसले से खुश हूं।''

मैकुलम से यह भी पूछा गया कि क्या स्टोक्स का कदम दुनिया के अन्य खिलाड़ियों के लिए भी चलन बन जाएगा। इस पर न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ने कहा, ''सभी प्रारूपों में खेलने वाले खिलाड़ियों की संख्या कम है। वह (स्टोक्स)ऐसा फैसला कर सकता था लेकिन यह व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए समय की मांग भी थी और उन्होंने टेस्ट कप्तान की अपनी भूमिका को प्राथमिकता में रखा।'' उन्होंने कहा, ''मैं नहीं जानता कि यह पूरे विश्व भर में चलन बन जाएगा लेकिन ईमानदारी से कहूं तो मैं इसे पूरी तरह से सकारात्मक रूप से देखता हूं। मैं अब स्टोक्स के साथ अधिक समय बिताने को लेकर उत्साहित हूं।

स्टोक्स का फैसला कई के लिये चौंकाने वाला रहा क्योंकि वह अभी केवल 31 साल के हैं लेकिन मैकुलम इसके दूसरे पहलू पर गौर करते हैं। उन्होंने कहा, ''निश्चित तौर पर हम स्टोक्स को तीनों प्रारूपों में खेलता हुआ देखना चाहते हैं। वह सुपरस्टार है और हमने देखा है कि उन्होंने क्या हासिल किया है, लेकिन कभी चीजों के दूसरे पहलू पर भी गौर करना पड़ता है और मैं इसे सकारात्मक रूप से देखता हूं। अब वह टेस्ट टीम को अधिक समय दे पाएंगे।

इस टी20 टूर्नामेंट में खेलते नजर आएंगे मुकेश चौधरी और चेतन सकारिया

नयी दिल्ली ,22 जुलाई 2022 । भारतीय बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुकेश चौधरी और चेतन सकारिया को 14 अगस्त से ऑस्ट्रेलिया में होने वाले एक टी20 टूर्नामेंट खेलने के लिए अनुबंधित किया गया है। सकारिया और चौधरी दोनों ने अपनी तेज गेंदबाजी से प्रभावित किया है। सकारिया और चौधरी दोनों ने अतीत में क्रमशः इंडियन प्रीमियर लीग की फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल और चेन्नई सुपर किंग्स का प्रतिनिधित्व किया और एमआरएफ पेस फाउंडेशन और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के बीच एक एक्सचेंज प्रोग्राम के हिस्से के रूप में ब्रिस्बेन में समय बिताएंगे। दरअसल, अगले महीने यानी अगस्त से ऑस्ट्रेलिया में एक टी20 टूर्नामेंट खेला जाना है। ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन में टी20 मैक्स टूर्नामेंट का ओपनिंग सीजन शुरू होने वाला है। दोनों खिलाड़ी एमआरएफ पेस फाउंडेशन और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के बीच आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत ब्रिस्बेन में समय बिताएंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक बयान में

कहा, ÷ एमआरएफ पेस फाउंडेशन और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के बीच खिलाड़ियों और कोचिंग का आदान-प्रदान लगभग 20 सालों से चल रहा है। यह पिछले कुछ सालों में कोरोना वायरस के कारण रुका था लेकिन इन दोनों भारतीय खिलाड़ियों के साथ फिर से शुरू हो रहा है।÷

सकारिया ने पिछले साल श्रीलंका के खिलाफ अपना वनडे और टी20 डेब्यू किया था, जबकि चौधरी ने इस साल के आईपीएल में सीएसके में महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व में 13 मैचों में 16 विकेट लिए थे। सकारिया ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टूर्नामेंट में सनशाइन कोस्ट के लिए खेलेंगे, जबकि 26 वर्षीय चौधरी विन्नम-मनली का प्रतिनिधित्व करेंगे। टूर्नामेंट में भाग लेने के अलावा, दोनों भारतीय गेंदबाज बूपा नेशनल क्रिकेट सेंटर में ट्रेनिंग करेंगे और क्वींसलैंड बुल्स प्री-सीज़न तैयारियों में भी शामिल होंगे। टूर्नामेंट की शुरुआत 18 अगस्त से होगा और आखिरी मुकाबला 4 सितंबर को खेला जाएगा। इसका फाइनल मुकाबला एलन बॉर्डर फील्ड में खेला जाएगा।

इंग्लैंड में एक स्टेडियम का नाम होने जा रहा है सुनील गावस्कर के नाम पर

भारतीय क्रिकेट के लिए बड़ी उपलब्धि

लंदन ,22 जुलाई 2022 । भारतीय टीम के पूर्व महान खिलाड़ी सुनील गावस्कर को इंग्लैंड में एक बड़ा सम्मान मिलने जा रहा है। दरअसल, लीसेस्टर क्रिकेट ग्राउंड का नाम सुनील गावस्कर के नाम पर होने जा रहा है। ग्राउंड मैनेजमेंट की ओर से यह घोषणा शनिवार के लिए की गई है। आपको बता दें कि सुनील गावस्कर पहले ऐसे भारतीय क्रिकेटर होंगे जिनके नाम पर लंदन या फिर यूरोप में कहीं खिलाड़ी के नाम पर स्टेडियम का नाम रखा जाएगा। लीसेस्टर में एक मैदान का नाम भारतीय खिलाड़ी के नाम पर होना वाकई बहुत सम्मान की बात है।

इस उपलब्धि पर सुनील गावस्कर ने भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि मैं इस सम्मान से काफी खुश हूं लीसेस्टर ग्राउंड का नाम मेरे नाम पर होना वाकई एक बड़ी उपलब्धि है। लीसेस्टर को क्रिकेट समर्थकों का शहर माना जाता है और खासकर भारतीय क्रिकेट के लिए तो यही विशेष सम्मान है।

भारतीय मूल के सांसद ने की थी यह मांग

आपको बता दें कि सुनील गावस्कर इस स्टेडियम पर अपने नाम की पट्टी का उद्घाटन करने के लिए शनिवार को इंग्लैंड रवाना होंगे। यह मैदान भारत स्पोर्ट्स एंड क्रिकेट क्लब का है। पवेलियन की पूरी दीवार पर गावस्कर की छवि पहले ही पेंट की जा चुकी है। सुनील गावस्कर के नाम पर इस स्टेडियम का नाम रखने का विचार भारतीय मूल के ब्रिटेन के सबसे लंबे समय तक सांसद रहने वाले कीथ वैज ने दिया था। उन्होंने ब्रिटेन की संसद में 32 वर्षों तक लीसेस्टर का प्रतिनिधित्व भी किया है। वह वर्तमान में इंटीग्रेशन फाउंडेशन नामक एक प्रवासी संगठन की देखभाल करते हैं।

कीथ वैज ने जाहिर की खुशी

अब गावस्कर के नाम पर होने जा रहे इस स्टेडियम के नाम की खबर मिलने पर कीथ वैज ने खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि हम बहुत सम्मानित महसूस कर रहे हैं। उनका कहना है कि गावस्कर सालों तक लीजेंड रहे हैं उन्होंने अपने प्रदर्शन से भारतीयों और दुनियाभर के क्रिकेट प्रेमियों को खुश किया है। ऐसे में आज उन्हें यह सम्मान मिलना हमारे लिए बहुत खुशी की बात है।

विजय देवरकोंडा की फिल्म लाइगर का ट्रेलर रिलीज

साउथ सुपरस्टार विजय देवरकोंडा की फिल्म लाइगर के ट्रेलर का लंबा इंतजार आखिरकार खत्म हो गया। गुरुवार को मेकर्स ने फिल्म के ट्रेलर को रिलीज कर दिया। लाइगर में विजय देवरकोंडा एक पेशेवर एमएमए फाइटर के रूप में नजर आ रहे हैं। एक्शन से लेकर रोमांस, दमदार म्यूजिक और जबरदस्त डायलॉग आपका दिल छू लेंगी।

ट्रेलर की अवधि 2 मिनट और 2 सेकेंड की है। ट्रेलर की शुरूआत रिंग में विजय देवरकोंडा की एंट्री से होती है। इस दौरान बैकग्राउंड में उनकी मां का रोल निभा रही राम्या कृष्णन बताती है कि उसने अपने बेटे का नाम लाइगर क्यों रखा है। वह क हती है, एक लायन और टाइगर की औलाद है ये। क्रॉसब्रीड है मेरा बेटा।

फिल्म में विजय का लुक काफी शानदार है। परफेक्ट एब्स और लंबे बालों के साथ विजय काफी हैंडसम लग रहे हैं। फिल्म में एक्टर क्रॉसब्रीड के तौर पर काफी मशहूर है। वह एक फाइटर के रूप में दमदार एक्शन करते हुए नजर आएंगे। फिल्म लाइगर 25 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होंगी। पुरी जगन्नाथ निर्देशित इस फिल्म में राम्या कृष्णन और अनन्या पांडे भी लीड रोल में नजर आएंगी।

प्रदर्शन से पूर्व रक्षाबंधन ने बनाया अनोखा रिकॉर्ड,बनी पहली भारतीय फिल्म

अक्षय कुमार और भूमि पेडनेकर स्टारर फिल्म 'रक्षा बंधन' प्रदर्शन के बाद बॉक्स ऑफिस पर क्या कमाल दिखाएगी यह तो अभी कहा नहीं जा सकता है लेकिन इस फिल्म ने प्रदर्शन से पूर्व जरूर एक ऐसी उपलब्धि हासिल कर ली है, जिसके चलते वह पहली भारतीय फिल्म बन गई है।

फिल्म के निर्माता आनन्द एल राय ने सिनेवर्ल्ड फेलथम में फिल्म के गीत 'डन कर दो' को रिलीज किया है। यह गाना यूके में लॉन्च किया गया। जिसके चलते 'रक्षा बंधन' पहली ऐसी भारतीय फिल्म बन गई है, जिसका गाना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लॉन्च किया गया। गाने के लॉन्च के दौरान खुद अक्षय और भूमि दोनों यूके में मौजूद थे।

'रक्षा बंधन' के पहले सॉन्ग 'तेरे साथ हूं मैं' से ऑडियंस का दिल जीतने के बाद 'डन कर दो' भी लोगों के दिलों पर राज करने वाला है। गाने के

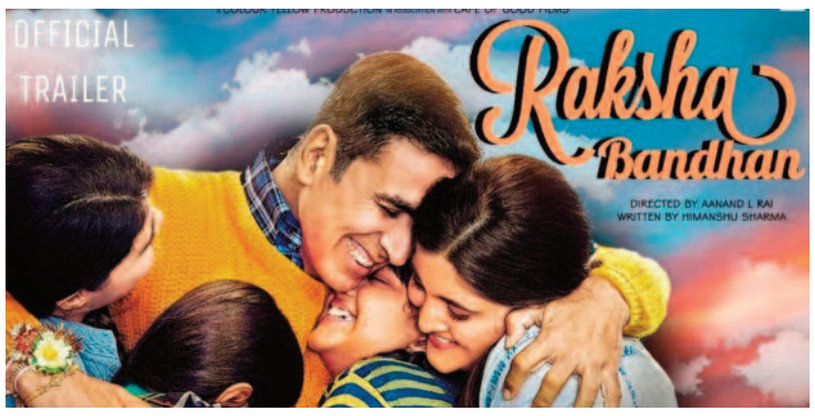

बारे में बोलते हुए, आनंद एल राय ने कहा, 'डन कर दो' सॉन्ग फिल्म को एक हल्के नोट की ओर खींचता है। यह मासूमियत और जोश को बरकरार रखते हुए फिल्म के विषयों को सामने लाता है। फिल्म खुद प्यार, आराम, निराशा आदि के नोट्स के माध्यम से चलती है और 'डन कर दो' सॉन्ग इसमें खूबसूरती से फिट बैठता है।

वहीं, स्वयं पर फिल्माये गए इस गीत के बारे में अक्षय कुमार ने कहा, डन कर दो उन सॉन्गस में से एक है जिसे आप हर समय गुनगुना सकते हैं। यह इतना आकर्षक है कि इसे भूलना मुश्किल है।

कलर येलो, जी स्टूडियोज और केप ऑफ गुड फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत रक्षा बंधन 11 अगस्त 2022 को रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। आनंद एल राय द्वारा निर्देशित फिल्म में अक्षय कुमार और भूमि पेडनेकर के अलावा नीरज सूद, सीमा पाहवा, सादिया खतीब, अभिलाष थपलियाल, दीपिका खन्ना, स्मृति श्रीकांत और सहजमीन कौर भी नजर आने वाले हैं। हिमांशु शर्मा और कनिका ढिल्लों द्वारा लिखित और आनंद एल राय, अलका हीरानंदानी और जी स्टूडियो द्वारा सह-निर्मित इस फिल्म की बॉक्स ऑफिस पर आमिर खान की मच अवेटेड फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' से टक्कर होने वाली है।

मीनाक्षी चौधरी ने विजय एंटनी-स्टारर कोलाई में लीला की भूमिका निभाई

अभिनेत्री मीनाक्षी चौधरी ने निर्देशक बालाजी के. कुमार की आने वाली इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर फिल्म कोलाई में लीला की केंद्रीय भूमिका निभाई है, जिसका खुलासा इसके निर्माताओं ने किया।

मनोरंजक खोजी थ्रिलर, जिसमें अभिनेता विजय एंटनी मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, में अभिनेता रितिका सिंह, मुरली शर्मा और राधिका भी शामिल हैं।

फिल्म से मीनाक्षी चौधरी के एक पोस्टर को ट्वीट करते हुए, जिसमें उनके चरित्र का नाम था, निर्देशक बालाजी कुमार ने कहा, कोई भी हमेशा के लिए नहीं रहता है, लेकिन कोई ऐसा जीवन जी सकता है जो मरने लायक हो।

ट्वीट में हैशटैग भी था, हू किल्ड लीला, जिससे यह स्पष्ट होता है कि कोलाई (जिसका अंग्रेजी में अर्थ है मर्डर) की कहानी लीला की मौत के इर्द-गिर्द घूमती है। इंडस्ट्री में चल रही अफवाहें बताती हैं कि मर्डर मिस्ट्री में विजय एंटनी एक जासूस की भूमिका निभाते हैं।

सूत्रों का कहना है कि, फिल्म की कहानी, जिसने बड़ी उम्मीदों को जन्म दिया है, को निर्देशक द्वारा पांच साल में इसके 40 से अधिक ड्राफ्ट लिखने के बाद अंतिम रूप दिया गया था। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी शिवकुमार विजयन ने की है और संगीत गिरीश गोपालकृष्णन का है।

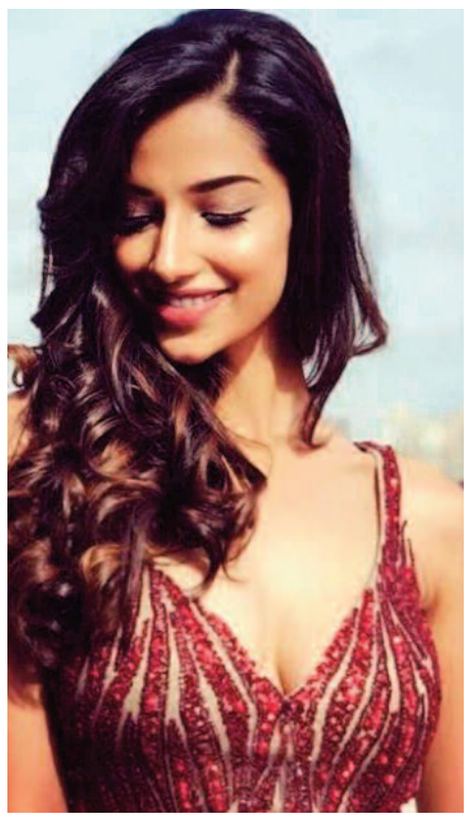

यश ने इंडस्ट्री में अपने 14 साल किए पूरे

रॉकिंग स्टार यश ने अपनी हालिया रिलीज केजीएफ : चैप्टर 2 के साथ बॉक्स ऑफिस पर सभी रिकॉर्ड तोड़ते हुए सचमुच जीत हासिल की। अब अखिल भारतीय स्टार ने शुक्रवार को सिनेमा जगत में 14 साल पूरे कर रहे हैं। कन्नड़ फिल्म अभिनेता ने 2007 में जंबाड़ा हुदुगी से अपनी शुरुआत की और अपनी दूसरी फिल्म मोगिना मनसु के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का फिल्मफेयर पुरस्कार भी जीता।

2008 में अपनी पहली मुख्य फिल्म रॉकी हासिल करने के बाद उभरते सितारे अगले स्तर पर चले गए।

अभिनेता की 2014 की रिलीज मि और श्रीमती रामाचारी सबसे अधिक कमाई करने वाली कन्नड़ रिलीज में शुमार है और यश को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पहला फिल्मफेयर पुरस्कार दिया।

यश के पूरे देश में बहुत प्रशंसक हैं। इंडस्ट्री में उनके शानदार 14 साल पूरे करते हुए उनके प्रशंसक एक वीडियो के साथ इसका जश्न मना रहे हैं।

अपनी 2018 की रिलीज, केजीएफ : चैप्टर 1 के साथ, अभिनेता ने बॉक्स ऑफिस पर सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए और रॉकी भाई के आकर्षण को अपने सुपर फैंडम के साथ फैलाया और फिर आया केजीएफ चैप्टर 2, जो 2022 की सबसे लोकप्रिय भारतीय फिल्म के रूप में उभरा, जिसे आईएमडीबी पर 8.5 रेटिंग मिली। फिल्म ने 430 करोड़ रुपये बटोरे।

फिल्म ने अकेले हिंदी संस्करण में और बाहुबली : द कन्क्लूजन के बाद अब तक की सबसे सफल हिंदी फिल्म के रूप में अपना नाम दर्ज कराया।

केजीएफ : चैप्टर 2 अब तक की सबसे बड़ी हिट है और सभी 5 भाषाओं में ऑरमैक्स पावर रेटिंग पर 90 प्लस स्कोर करने वाली पहली फिल्म है।

मानसून सत्र के तीसरे दिन खराब सड़कों का मामला उठा, धर्मजीत सिंह ने कहा, सरकार मुंगेली की सभी परियोजनाएं वापस ले ले ...

रायपुर, 22 जुलाई 2022। छत्तीसगढ़ विधानसभा में मानसून सत्र के तीसरे दिन प्रश्नकाल में खराब सड़कों का मामला उठा। विपक्ष के विधायकों ने आरोप था कि केवल सत्ता पक्ष के विधायकों-मंत्रियों के क्षेत्र में ही काम कराया जा रहा है। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ के विधायक धर्मजीत सिंह ने यहां तक कह दिया कि सरकार मुंगेली जिले में स्वीकृत सभी काम वापस ले ले। नाराजगी और हंगामे के बीच जनता कांग्रेस और भाजपा के विधायकों ने वॉकआउट किया।

बसपा विधायक ने प्रश्नकाल में जांजगीर-चांपा के जैजैपुर विधानसभा में सड़कों को लेकर सवाल किया। सामने आया कि जिन सड़कों को कभी स्वीकृति दी गई थी, उनके लिए बजट का आवंटन नहीं किया गया। ताम्रध्वज साहू की जगह पर लोक निर्माण विभाग के सवालों का जवाब दे रहे वन मंत्री मोहम्मद अकबर के जवाब से चंद्रा संतुष्ट नहीं हुए।

उनका कहना था कि सरकार अनदेखी कर रही है। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ के विधायक धर्मजीत सिंह भी सवालों को लेकर खड़े हुए। उन्होंने आरोप लगाया कि केवल मंत्री और सत्ता पक्ष के विधायको के क्षेत्र में सड़कों को प्रशासकीय स्वीकृति मिल रही है।

उन्होंने कहा, जिन परियोजनाओं के मंजूरी के नाम पर सरकार स्थानीय लोगों से वाहवाही पा रही है। लोग सम्मानित कर रहे हैं। उन परियोजनाओं को भी बाद में बंद कर दिया जा रहा है। धर्मजीत सिंह ने कहा, सरकार मुंगेली में ऐसे सभी काम वापस ले ले। बाद में मंत्री के जवाब से असंतुष्ट धर्मजीत सिंह ने वॉकआउट किया। उनके साथ भाजपा के विधायक भी सदन से बाहर चले गए।

नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक के सवाल पर खाद्य मंत्री अमरजीत भगत ने बताया समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के एवज में केन्द्र ने 51 हजार 563 करोड़ 47 लाख रुपए और राज्य सरकार ने 11 हजार 148 करोड़ 45 लाख रुपए का भुगतान किया।

इस मामले में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने हस्तक्षेप किया। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार धान खरीदी का कोई पैसा नहीं देती। मार्कफेड कर्ज लेकर धान खरीदता है। मीलिंग के बाद जब केंद्र सरकार को चावल जमा होता है तो उसके एवज में केंद्र सरकार भुगतान करती है। जो धान केंद्रीय पूल में जाएगा, केंद्र सरकार उसी का पैसा देगी। जो स्टेट पूल अथवा नान को जाता है उसका पैसा राज्य सरकार को देना पड़ता है।

भाजपा ने पूछा कि केंद्र सरकार प्रोत्साहन राशि देती है?

भाजपा विधायक विधायक सौरभ सिंह ने पूछा कि क्या केंद्र सरकार धान खरीदी में प्रोत्साहन की राशि देती है। जवाब में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, वर्ष 2014 के बाद केंद्र सरकार ने प्रोत्साहन राशि देना बंद कर दिया है। प्रोत्साहन राशि तो केंद्र देती ही नहीं है।

जब सदन में अजय चंद्राकर ने किया चीयरलीडर्स का एक्शन, सीएम और सदन में गूंजी हंसी

आज उस समय सदन हास्या परिहास से भर गया जब अनुपूरक बजट की चर्चा में अजंय चंद्राकर बोलने खड़े हुए। मुख्यमंत्री पर टिप्पणी करते हुए अजय चंद्राकर ने कहा कि सीएम को खुश करने कांग्रेस चीयरलीडर्स की तरह नाचते है। इस दौरान दोनो हाथ हिला कर उन्होंने डांस का स्टेप भी दिखाया इस दौरान उसका एक्शन देखने लायक तक मुख्यमंत्री भी अपनी हंसी नही रोक पाए। ताली बजा कर मुख्यमंत्री ने वन मोर कह कर अजय चंद्राकर से फिर वही एक्शन दिखाने की मांग भी की। इस दौरान सभी ठहाके लगा कर हंसते रहे। भाजपा विधायक अजय चंद्राकर का इतना फनी एक्सप्रेशन था की विपक्षी साथियों संग सत्तापक्ष के सदस्य और विधानसभा अध्यक्ष भी मुस्कुराते दिखे।

दिल्ली में सीएम की ईडी दफ्तर के सामने गिरफ्तारी को विशेषाधिकार हनन का मामला बताया

सदन में भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने मुख्यमंत्री के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव लाया। उन्होंने दिल्ली ईडी दफ्तर के बाहर प्रदर्शन में मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी को संवैधानिक संकट का मामला बताते हुए इसे अपमान जनक करार दिया। इस मामले अजय चंद्राकर ने चर्चा की मांग की। आसंदी द्वारा अजय चंद्राकर के प्रस्ताव को विचाराधीन रखा गया है।

वन मंत्री ने कैम्पा में गड़बड़ी बात स्वीकारी, सदन से ही एक अधिकारी को किया निलंबित

रायपुर। आज विधानसभा में ध्यानाकर्षण के तहत नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने बिलासपुर वन मंडल में कैंपा के माध्यम से होने वाले कार्यों में अनियमितता पर ध्यानाकर्षित कराया। कौशिक ने कहा कि कैम्पा के माध्यम से होने कार्यों में बड़ी गड़बड़ी की गई है और मजदूरों के भुगतान में अनियमितता बरती गई है। इस दौरान वन मंत्री मोहम्मद अकबर ने माना कि गड़बड़ी हुई है, वन मंत्री अकबर ने सदन से ही एक अधिकारी को निलंबित करने की घोषणा की और अन्य अधिकारियों के खिलाफ जांच कराए जाने की बात कही।

ये है मामला

नेता प्रतिपक्ष धरम लाल कौशिक ने कैम्पा के तहत कराये गए कार्य में मजदूरी के भुगतान में गड़बड़ी का मामला उठाया था। उन्होंने वन परिक्षेत्र बेलगहना में कैम्पा के तहत हुए कार्य में फर्जी प्रमाणक तैयार कर भुगतान किये जाने की बात कही, जिसमे 15 ग्रामीणों द्वारा काम नहीं किये जाने के बावजूद उनके खाते में 8 लाख 59 हजार रूपये जमा करके उसकी वसूली कर ली गई। जाँच अधिकारी ने प्रतिवेदन में स्पष्ट उल्लेख किया है कि इस गड़बड़ी में डिप्टी रेंजर सेवक राम बैगा और रेंजर विजय कुमार साहू दोषी हैं और उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के साथ ही रकम की वसूली की जाय। मगर 2021 को हुई इस गड़बड़ी को लेकर DFO द्वारा अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

इसी तरह कहुआ नाला में हुए कार्य में कुछ मजदूरों को तय मजदूरी से ज्यादा का भुगतान किया गया। प्रमाणक के मुताबिक 2 लाख 39 हजार की बजाय 8 लाख 73 हजार रूपये का भुगतान हुआ। संबंधित निर्माण कार्य की जांच के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई।

जांच में देरी कर लीपापोती का प्रयास

नेता प्रतिपक्ष द्वारा प्रस्तुत दोनों मामलो पर अगर नजर डालें तो यह बात साफ़ नजर आती है कि मामलो की जांच और कार्रवाई में इतना विलम्ब किया जाता है कि शिकायतकर्ता भी इस बात को भूल जाये कि उसने कोई शिकायत भी विभाग में की थी। दोनों मामले सन 2021 के हैं। पहले की जांच भी हो गयी मगर छस्नह अब तक कार्रवाई नहीं की। वहीं कहुआ नाले के मामले में कल ही याने 21 जुलाई को उप वन मंडलाधिकारी कोटा से जाँच प्रतिवेदन मिलने की जानकारी दी गई है। मतलब साफ़ है कि अगर ध्यानाकर्षण में यह मामला नहीं उठाया जाता तो अब भी मामले की जांच प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाती। हालांकि अब भी अंतिम जाँच प्रतिवेदन मिलने के बाद ही कार्रवाई की बात कही गई है।

बहरहाल इस मामले में वनमंत्री मोहम्मद अकबर ने सदन से ही वन मंडल के एक अधिकारी को निलंबित करने की घोषणा की है। अन्य अधिकारियों की भूमिका सामने आने के बाद उनके खिलाफ कार्रवाई करने की जाएगी।

सदन में माननीयों के वेतन और भत्ते में वृद्धि का विधेयक पारित

अब बढ़ोतरी कर 1.60 हजार प्रतिमाह मिलेगी राशि

रायपुर , 22 जुलाई 2022। विधानसभा में अनुपूरक बजट पर चर्चा हुई है। इसमें समवेत स्वर में विधायको के वेतन और भत्ते में बढ़ोतरी करने की घोषणा की गई है। पहले 95 हजार प्रतिमाह विधायकों को वेतन मिलता था। अब उसमें बढ़ोतरी कर 1.60 हजार प्रतिमाह कर दिया गया है। विधायको के चिकित्सा और टेलीफोन भत्ते में 5-5 हजार की वृद्धि की गई है। विधानसभा सत्र के बीच मुख्यमंत्री भूपेश ने कैबिनेट की आपात बैठक बुलाई है। ये बैठक विधानसभा परिसर में की जाएगी। माना जा रहा है कि मीटिंग में 2 संशोधन विधेयक को भी मंजूरी मिल सकती है। प्रक्रिया के तहत संशोधन विधेयक से पूर्व चर्चा होना लाज़मी है।

अकबर ने विपक्षी आरोप के बाद सदन से ही वन अफसर को किया सस्पेंड- बिलासपुर वन मंडल में हो रही गड़बड़ी को लेकर सदन में नेता प्रतिपक्ष धरम लाल कौशिक ने आवाज उठाई। श्रमिकों के भुगतान को लेकर गड़बड़ी के मामले में वन मंत्री अकबर से प्रश्न पूछा, जिसका जवाब देते हुए वन मंत्री ने सदन से ही एक अधिकारी को सस्पेंड कर दिया। साथ ही इस मामले में अन्य अधिकारियों के खिलाफ जांच के आदेश दिए है।

खुद को रायपुर शहर का डॉन बताने वाला गिरफ्तार

» आधा दर्जन से अधिक आरोपी भी पकड़े गए

रायपुर, 22 जुलाई 2022। भय और दहशत फैलाने के उद्देश्य से मारपीट के विडियों को सोशल मीडिया में प्रसारित करने वाले आधा दर्जन से अधिक आरोपी/अपचारी को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस के मुताबिक प्रार्थी शेख शाहिल ने थाना न्यू राजेन्द्र नगर में रिपोर्ट दर्ज कराया किया वह ताज नगर, संतोषी नगर का निवासी है। प्रार्थी दिनांक 19.07.2022 को शाम करीबन 05.00 बजे अपने मित्र के साथ पचपेडी नाका चैक स्थित एक होटल के कमरे में रूका था, इसी दौरान प्रार्थी खाने का सामान ऑर्डर किया था जिसे होटल का वेटर रात्रि लगभग 07.30 बजे प्रार्थी के रूम में लेकर आया तथा उसके पीछे-पीछे शाहिल शेख उर्फ छोटा शाहिल, आमिर बद्री, वाहिद व अन्य सभी प्रार्थी के कमरे में जबरन प्रवेश कर पूर्व में हुये विवाद की बात को लेकर प्रार्थी को तु बडा डॉन बनता है कहकर प्रार्थी को अश्लील गाली गलौच करते हुये जान से मारने की धमकी देकर प्रार्थी को हाथ मुक्का से मारपीट किये तथा शाहिल शेख उर्फ छोटा साहिल अपने पास रखे धारदार वस्तु से प्रार्थी पर वार किया जिससे प्रार्थी के बांये हाथ में चोंट आया। जिस पर आरोपियों के विरूद्ध थाना न्यू राजेन्द्र नगर में अपराध क्रमांक 207/22 धारा 147, 149, 294, 506, 323, 452, 34 भादवि. 25, 27 आर्म्स एक्ट का अपराध पंजीबद्ध किया गया।

उक्त मारपीट की घटना का विडियो आरोपियों द्वारा बनाकर आरोपी शाहिल शेख उर्फ छोटा शाहिल ने सोशल मीडिया के अपने इंस्टाग्राम आई.डी. से वायरल किया था तथा आरोपियों द्वारा स्वयं को रायपुर शहर का डॉन बताते हुये भय व दहशत फैलाने के उद्देश्य से विडियो को पोस्ट किया गया था।

नक्सलियों ने पत्नी-बच्चे के सामने व्यापारी को पीट-पीट कर मार डाला,थाना से करीब 500 मीटर की दूरी पर हत्या

जगदलपुर/सुकमा, 22 जुलाई 2022। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के पोलमपल्ली थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात 15 से ज्यादा ज्यादा नक्सलियों ने घर में घुसकर पत्नी और बच्चे के सामने डंडे से पीट-पीटकर व्यापारी को मार डाला। नक्सलियों ने घर के सामने खड़े उसके पिकअप में भी आग लगा दी। सूचना मिलने के बाद सुबह जवानों की एक टीम गांव पहुंची है।

जानकारी के मुताबिक, पोलमपल्ली का रहने वाला मड़कम जोगा गांव में ही किराने की दुकान चलाता था। गुरुवार देर रात जब मड़कम अपने परिवार के साथ घर पर सो रहा था तो उसी समय करीब 15-16 नक्सली घर में घुस आए। मड़कम को उठाया।

पत्नी और बच्चे को पकड़ कर रखा था। फिर मड़कम की डंडे से पिटाई की गई। पुलिस की मुखबिरी करने का आरोप लगाते हुए उसे इतना मारा गया कि उसकी मौत हो गई। हत्या के बाद नक्सलियों ने पिकअप वाहन का डीजल टैंक तोड़कर आग लगा दी।

हत्या के बाद गांव में फेंके पर्चे

नक्सलियों ने पोलमपल्ली थाना से करीब 500 मीटर की दूरी पर ही वारदात को अंजाम दिया ही। माओवादियों ने गांव में पर्चे भी फेंके हैं। पर्चे में नक्सलियों ने व्यवसायी की हत्या करने की जिम्मेदारी ली है। फिलहाल पुलिस परिजनों से पूछताछ कर रही है।

नदी में मिली लापता दोनों बहनों की लाश,मचा हड़कंप

बिलासपुर, 22 जुलाई 2022। पचपेड़ी क्षेत्र के आमगांव सकेत से लापता दो बहनों में से एक की लाश शुक्रवार को नदी में मिली। इसके कुछ देर बाद ही छोटी बहन की लाश भी नदी किनारे ही मिल गई। पुलिस ने दोनों का पोस्टमार्टम कराया है। रिपोर्ट मिलने पर दोनों बहनों की मौत का कारण स्पष्ट होगा। पुलिस को उनकी मां पर संदेह है। मानसिक रूप से बीमार होने के कारण मां से पुलिस ने पूछताछ नहीं की है। पचपेड़ी क्षेत्र के आमगांव सकेत निवासी गौतम निषाद राजमिस्त्री हैं। बुधवार की रात वे अपनी पत्नी और दो बेटी आरवी(5) और अनिका(2) के साथ घर में सो रहे थे। गुरुवार की सुबह जब वे जागे तो दोनों बेटियां गायब थीं। उन्होंने अपनी बेटियों की तलाश आसपास में की। इसके बाद गांव वालों को घटना की जानकारी देकर बच्चियों की तलाश करते रहे। बच्चियों के नहीं मिलने पर शाम को पचपेड़ी पुलिस को सूचना दी गई। दो मासूम के गायब होने की सूचना पर टीआइ मोहन भारद्वाज अपनी टीम के साथ गांव पहुंचे। स्वजन से प्राथमिक पूछताछ के बाद उन्होंने बच्चियों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस की तीन टीम बच्चियों की तलाश कर रही थी। वहीं, ग्रामीण भी अलग-अलग टोलियों में दोनों बहनों खोज रहे थे। शुक्रवार की सुबह बड़ी बेटी आरवी की लाश डोढ़की एनीकट के पास मिली। इसके बाद पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने अपनी तलाश तेज कर दी। मौके से दो किलोमीटर दूर ग्राम मनवा में छोटी बहन अनिका की लाश मिल गई।

राजधानी में सहायक शिक्षकों का प्रदर्शन, 50 से ज़्यादा शिक्षक हुए गिरफ्तार

रायपुर, 22 जुलाई 2022। अपनी मांगों को लेकर विधानसभा का घेराव करने जा रहे सहायक शिक्षकों को पुलिस ने सप्रे शाला के पास रोक दिया गया है। वही अलग-अलग जिलों से आ रहे सहायक शिक्षकों को बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन पर ही रोक दिया गया है। बता दें किए सभी सहायक शिक्षक सरकार द्वारा घोषणा पत्र में किए वादे को याद दिलाने के लिए सहायक शिक्षक फेडरेशन के बैनर तले आज प्रदर्शन करने के लिए बूढ़ा तालाब धरना स्थल पर एकत्रित हुए हैं।

50 से ज्यादा शिक्षकों की हुई गिरफ्तारी

वही वेतन विसंगति को लेकर प्रदर्शन कर रहे 50 से ज्यादा सहायक शिक्षकों को गिरफ्तार कर लिया गया। ज्ञात हो कि बीते वर्ष स्वयं शिक्षा मंत्री ने भी वेतन विसंगतियों को गलत ठहराते हुए जल्द निराकरण की बात की थी लेकिन अब तक इस पर कोई कार्यवाही नहीं हो पाई है। जिसके कारण आज बड़ी संख्या में सहायक शिक्षक आंदोलन करने के लिए राजधानी पहुंचे थे। जहां प्रदर्शन कर रहे सहायक शिक्षकों को गिरफ्तार कर लिया गया।

शराब से छत्तीसगढ़ की कमाई अब झारखण्ड को भी लुभाई

- » **शराब से छत्तीसगढ़ की कमाई अब झारखण्ड को भी लुभाई,**
- » **मुनाफा कमाने का गुर सिखाकर छग आबकारी विभाग कमाएगा राजस्व का ढाई टका**
- » **झारखंड के बाद पंजाब, कर्नाटक, मध्यप्रदेश और तेलंगाना भी लाईन में**

रायपुर, 22 जुलाई 2022। छत्तीसगढ़ को शराब से मिलने वाली रकम और यहां की आबकारी नीतियां अब देश के दूसरे राज्यों को भी लुभाने लगी हैं। काफी विरोध और निंदा के बाद ठेका पद्धति बंद कर यह कारोबार पूर्व की भाजपा सरकार ने अपने हाथों में लिया था। शुरुआत में इस नीति का काफी माखौल भी उड़ा था, लेकिन छत्तीसगढ़ की आबकारी नीति को बदलने के चलते ही अब आबकारी का राजस्व 5100 करोड़ के आंकड़े को पार करने जा रहा है। चंद सुधार के बाद रेवेन्यू अर्निंग में इज़ाफ़ा होने से खुश महकमा अब इस लक्ष्य को 5700 करोड़ करने में जुट गया है।

आबादी में झारखंड, मध्यप्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा और कर्नाटक से कम छत्तीसगढ़ का आबकारी राजस्व इन राज्यों से कई गुना ज़्यादा है। नतीजतन छत्तीसगढ़ से कमाई के गुर सीखने के लिए इन राज्यों की लाईन लगने लगी है। आबकारी के इस गुर को सिखाने के लिए छत्तीसगढ़ के आबकारी महकमें ने झारखंड राज्य से अनुबंध भी कर लिया है। शराब बेचने से लेकर पिलाने और लीकेज कम करने के उपाय बताने के लिए आबकारी विभाग झारखण्ड से कंसल्टेंसी फी भी ले रहा है। फ़िलहाल बतौर शुल्क प्रदेश के आबकारी विभाग झारखण्ड से 5 से 6 करोड़ अर्न कर रहा है, लेकिन यह आंकड़ा आबकारी राजस्व बढ़ते ही 20 करोड़ हो जायेगा।

आबकारी विभाग के सूत्रों का दावा है कि चार अन्य राज्य पंजाब, तेलंगाना, मध्यप्रदेश और कर्नाटक भी झारखण्ड की तर्ज पर प्रदेश की आबकारी नीतियां अपनाने के लिए कंसल्ट कर कर रहे हैं। कर्नाटक और तेलंगाना को छग. आबकारी विभाग के बीच कंसल्टेंसी फ़िलहाल पाइप लाइन में है। इस काम के एवज में राज्य का छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड इन राज्यों से कंसल्टेंसी शुल्क लेगा।

सालाना आय पर तय होगा कंसल्टेंसी परसेंट

यूं कहे तो छग. आबकारी महकमा राज्यों से दो से ढाई टका कंसल्टिंग फी लेगा। राज्यों से इसके लिए सालाना राजस्व आय पर परसेंट तय होगा। जानकारों की मानें तो उदाहरण स्वरुप तेलंगाना की आबादी अगर 12 करोड़ है और आबकारी से आय 1300 करोड़ है जबकि छत्तीसगढ़ की नीतियों और आबकारी के खरीद, वितरण व भंडारण को अपनाकर ये आंकड़े 8 से 32 हज़ार करोड़ होती। छत्तीसगढ़ की आबादी कम है, फिर भी आबकारी राजस्व इस बार 5100 करोड़ रहा और अब लक्ष्य 5700 करोड़ का है। आबादी के मुताबिक मध्यप्रदेश में ये आंकड़े 1200 करोड़ और ओडिशा में भी लगभग इतने ही आंकड़े है। जबकि छत्तीसगढ़ में आबादी के हिसाब से साढ़े 4 लीटर लिकर कंजम्शन था वह अभी कम दिखेगा। इसके बाद भी रेवेन्यू में हमारा प्रदेश हाईएस्ट है।

ऐसे सुधरी प्रदेश की आबकारी नीति और लीकेज

राज्य निर्माण के बाद जोगी गवर्मेन्ट में इसकी शुरुआत हुई थी और रमन सरकार के समय ठेका पद्धति को बंद कर शासन ने शराब की बिक्री, खरीदी, वितरण और भंडारण से लेकर खुदरा दुकानों को भी अपने हाथों में ले लिया। महज़ खुदरा दुकानों के संचालन का ठेका प्लेसमेंट एजेंसी को दिया गया। इस बदलाव से आमतौर पर ठेका पद्धति से प्रदेश में गुंडागर्दी, अवैध शराब बिक्री और कीमत को लेकर गड़बड़ियां, ओवररेट की शिकायत बंद हो गई हैं। आबकारी की भाषा में कहा जाये तो इस नीति से महकमे ने आबकारी लीकेज, जो रेवेन्यू को नुकसान पहुंचाता था वो बंद हो गया है। वहीं होम डिलवरी और यूनिक बार कोड बिलिंग सिस्टम से सीएसएमसीएल के विशेषज्ञों द्वारा राजस्व में भी बढ़ोत्तरी कर ठेकेदारों को इसके लिए दिए जा रहे मार्जिन मनी का करीब 25 प्रतिशत बचत भी कर ले रहा है।

आबकारी से विस में पूछा गया है सवाल

झारखण्ड को आबकारी द्वारा कंसल्टेंसी और राजस्व संबंधी सवाल छत्तीसगढ़ विधानसभा में पूछे गए हैं और महकमे ने इसका जवाब भी प्रस्तुत किया है। टारगेट, फ़ीस से लेकर राजस्व तक का लिखित जवाब माँगा गया है। बताते हैं कि झारखण्ड को हमारा राज्य एडवाइज़री का काम कर रहा है। होलोग्राम, बॉटलिंग का काम भी विभाग के पास होने से लीकेज कम हुई है और इंकम। वर्ष 2016 -17 में जो देसी की बिक्री हुई उसमे 24 फीसदी ज्यादा बिकी। खपत, मांग, वितरण के अलावा एवरेज पर -केपिटल इंकम राज्य आबकारी की तब और बढ़ जाएगी जब एफएल-10 का जो लाइसेंस ठेके में दिया गया है, उसे भी विभाग खुद करे तो किसी मेट्रो सिटी की तुलना में राज्य का रेवेन्यू पहुंच जायेगा। बताते हैं कि इस बार देसी शराब बिक्री 60 और अंग्रेजी की 40 फीसदी का रेवेन्यू रेशियो है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)